हिंदी

बालभारती

दूसरी कक्षा

शासन निर्णय क्रमांक : अभ्यास-२११६/(प्र.क्र.४३/१६) एसडी-४ दिनांक २५.४.२०१६ के अनुसार समन्वय समिति का गठन किया गया।
दि. १९.३.२०१९ को हुई इस समिति की बैठक में यह पाठ्यपुस्तक निर्धारित करने हेतु मान्यता प्रदान की गई।

हिंदी
बालभारती
दूसरी कक्षा

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे

NY3F2G

आपके स्मार्टफोन में 'DIKSHA App' द्वारा पाठ्यपुस्तक के प्रथम पृष्ठ पर Q.R.Code के माध्यम से डिजिटल पाठ्यपुस्तक और प्रत्येक पाठ के अंत में दिए गए Q.R.Code द्वारा पाठ से संबंधित अध्ययन-अध्यापन के लिए दृक्-श्राव्य सामग्री भी उपलब्ध होगी ।

प्रथमावृत्ति : २०१९ © **महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे – ४११००४**

इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के अधीन सुरक्षित है। इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

प्रमुख समन्वयक :
श्रीमती प्राची रविंद्र साठे

हिंदी भाषा समिति
डॉ. छाया पाटील – सदस्य
प्रा. अनुया दळवी – सदस्य
डॉ. विजयकुमार रोडे – सदस्य
डॉ. शैला ललवानी – सदस्य
डॉ. अलका पोतदार – सदस्य – सचिव

संयोजन :
डॉ.अलका पोतदार
विशेषाधिकारी हिंदी भाषा
पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे
सौ.संध्या विनय उपासनी
सहायक विशेषाधिकारी हिंदी भाषा
पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

निर्मिति :
श्री सच्चितानंद आफळे
मुख्य निर्मिति अधिकारी
श्री सचिन मेहता
निर्मिति अधिकारी
श्री नितीन वाणी
सहायक निर्मिति अधिकारी

प्रकाशक :
श्री विवेक उत्तम गोसावी
नियंत्रक
पाठ्यपुस्तक निर्मिती मंडळ
प्रभादेवी, मुंबई-२५

हिंदी भाषा निमंत्रित अभ्यासगट
श्री भुमेश्वर खुमेश्वर कटरे
श्री जयप्रकाश गरीबदास सूर्यवंशी
श्री ईश्वरदयाल राधेलाल गौतम
श्री अनिलकुमार जगन अंबुले
श्रीमती अलका वर्मा
श्री समीर अशोक जाधव
श्री काकासाहेब वाळुंजकर
डॉ. रजनीकांत पोवार
श्री सुनील कुमार बच्चन यादव
श्री श्यामराव रावले
श्री केशव कातकडे
डॉ. जितेंद्र पांडेय
श्री सुनिल दरेकर
श्रीमती पूजा अलापूरिया
श्रीमती अर्चना भुस्कुटे

मुखपृष्ठ : राजेंद्र गिरधारी

चित्रांकन : राजेंद्र गिरधारी, मयूरा डफळ
राजेश लवळेकर

अक्षरांकन : भाषा विभाग,
पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

कागज : ७० जीएसएम क्रीमवोव्ह

मुद्रणादेश : N/PB/2019-20/1,00,000

मुद्रक : M/S. VIJAYALAXMI CREATIONS,
NAGPUR

भारत का संविधान

उद्‌देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व–संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता,**
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में
व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता
और अखंडता सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**
बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) **को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं ।**

राष्ट्रगीत

जनगणमन - अधिनायक जय हे
भारत - भाग्यविधाता ।
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड, उत्कल, बंग,
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधितरंग,
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिस मागे,
गाहे तव जयगाथा,
जनगण मंगलदायक जय हे,
भारत - भाग्यविधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ।।

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । सभी भारतीय मेरे भाई-बहन हैं ।

मुझे अपने देश से प्यार है । अपने देश की समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं पर मुझे गर्व है ।

मैं हमेशा प्रयत्न करूँगा/करूँगी कि उन परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता मुझे प्राप्त हो ।

मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और बड़ों का सम्मान करूँगा/करूँगी और हर एक से सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूँगा/करूँगी ।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा रखूँगा/रखूँगी । उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है ।

प्रस्तावना

प्रिय विद्‌यार्थी मित्रो !

तुम सबका दूसरी कक्षा में स्वागत है । दूसरी कक्षा की ''हिंदी बालभारती'' पाठ्‌यपुस्तक तुम्हें सौंपते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है ।

पहली कक्षा में तुमने भली-भाँति बोलना, पढ़ना और लिखना सीखा । अब दूसरी कक्षा में इससे आगे बढ़ना है । पहली कक्षा में तुमने संभाषण, वाचन और लेखन किया है, उसे अधिक दृढ़ करना है । आगे बढ़कर नई-नई बातें सीखनी हैं । इसके लिए पाठ्‌यपुस्तक में सुंदर चित्र और चित्रकथाएँ दी गई हैं । सहजता से गाए जाने वाले गीतों तथा कविताओं को सम्मिलित किया गया है । पुस्तक में बोधप्रद पाठ्‌यसामग्री के साथ मनोरंजक कहानियों को भी स्थान दिया गया है । इन कहानियों और कविताओं को पढ़कर, सुनकर तुम्हें आनंद आएगा ।

पुस्तक के चित्र देखो । चित्रों में दर्शाई गई वस्तुओं, पेड़ों, प्राणियों, पक्षियों और मनुष्यों से बातचीत करो, उन्हें समझो । चित्रकथा को समझो और अपनी कक्षा के मित्रों / सहेलियों के बीच उसे साझा करो । सब मिलकर गीत गाओ, पाठ पढ़ो, पढ़ते-पढ़ते समझो । पाठ के नीचे विभिन्न प्रकार की रोचक कृतियाँ दी गई हैं । पाठ को पढ़ते ही पाठ के नीचे दी गईं कृतियों के उत्तर प्राप्त हो जाएँगे । इस प्रकार पाठ आसानी से समझ में आएगा । वाचन-लेखन, सीखने में भी मन हरषाएगा ।

पुस्तक में कुछ भाषाई खेल दिए गए हैं । इन खेलों को खेलते-खेलते भाषा को सीखना भाषा का पहला सोपान है । पाठ्‌यपुस्तक में कुछ शब्द-पहेलियों का भी समावेश है । इन पहेलियों के उत्तर बूझो । आस-पास के पशु-पक्षियों की तथा उनके निवास की जानकारी भी तुम्हारे भावजगत को संपन्न करेगी ।

यह ऐसा क्यों है और वह ऐसा क्यों नहीं ? ऐसे प्रश्न तुम्हारे मस्तिष्क में उभरते रहते हैं और तुमको सोचने पर बाध्य करते हैं । इस पाठ्‌यपुस्तक में तुम्हें सोचने-समझने के लिए पर्याप्त अवसर दिए गए हैं । विचार करते-करते आगे बढ़ो एवं स्वयं को जिज्ञासु बनाओ । तुम्हारी कल्पनाओं की उड़ान बहुत ऊँची है । यहाँ तुम्हारी कल्पना शक्ति को पूरा आकाश दिया गया है । कल्पना के सागर में गोता लगाते हुए तुम नई बातों की खोज करो तो आनंद का अनुभव करोगे । इस पुस्तक के कुछ पाठों के अंत में क्यू.आर.कोड दिए गए हैं । क्यू.आर.कोड द्‌वारा प्राप्त जानकारी भी तुम्हें बहुत पसंद आएगी ।

प्यारे बच्चो, इस पाठ्‌यपुस्तक की सभी कृतियाँ कक्षा में ही करनी हैं । क्यों, है न मजे की बात । दूसरी कक्षा में अच्छा सुनना, बोलना (संभाषण), अच्छा पढ़ना और सुंदर लिखना सीखो तो सफलता का मार्ग प्रशस्त बनेगा ही । तुम सबको ढेर सारी शुभकामनाएँ ।

(डॉ. सुनिल मगर)
संचालक
महाराष्ट्र राज्य पाठ्‌यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे-०४

पुणे
दिनांक : ६ अप्रैल २०१९
भारतीय सौर : १६ चैत्र १९४१ गुड़ीपाडवा

हिंदी अध्ययन निष्पत्ति : दूसरी कक्षा

अध्ययन के लिए सुझाई हुई शैक्षणिक प्रक्रिया	अध्ययन निष्पत्ति
सभी विद्यार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम विद्यार्थियों सहित) को व्यक्तिगत, सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाए, ताकि उन्हें – • अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की अत्यधिक स्वतंत्रता और अवसर हों । • हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-सुनाने/प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों । • विद्यार्थियों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषा/भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के विद्यार्थी कक्षा में हैं ।) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों । इससे भाषाओं को कक्षा में समुचित स्थान मिल सकेगा और शब्द-भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर विद्यार्थियों को मिल सकेंगे । • 'अध्ययन का कोना' में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की और विभिन्न भाषाओं (बच्चों की अपनी भाषाएँ, हिंदी आदि) में रोचक सामग्री जैसे – बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो-वीडियो सामग्री उपलब्ध हों । • चित्रों के आधार पर अनुमान लगाकर तरह-तरह की कहानियों, कविताओं को पढ़ने के अवसर उपलब्ध हों । • विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों । जैसे – किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, कहानी में घटी विभिन्न घटनाओं के क्रम को तय करना, पात्र के संबंध में अपनी पसंद या नापसंद के बारे में बता पाना आदि । • कहानी, कविता आदि को बोलकर, पढ़कर सुनाने के अवसर हों और उसपर बातचीत करने के अवसर हों । • सुनी, देखी, पढ़ी बातों को अपने तरीके से कागज पर उतारने के अवसर हों । ये चित्र भी हो सकते हैं, शब्द भी और वाक्य भी । • विद्यार्थी अक्षरों की आकृति को बनाने में अपेक्षाकृत सुघड़ता का प्रदर्शन करते हैं । इसे कक्षा में प्रोत्साहित किया जाए । • विद्यार्थियों द्वारा अपनी वर्तनी गढ़ने की प्रवृत्ति को भाषा सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा समझा जाए । • संदर्भ और उद्देश्य के अनुसार उपयुक्त शब्दों और वाक्यों का चयन करने, उनकी संरचना करने के अवसर उपलब्ध हों ।	**विद्यार्थी –** 02.02.01 विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा पाठशाला की भाषा का प्रयोग करते हुए बातचीत करते हैं । जैसे – जानकारी पाने के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना, अपना तर्क देना आदि । 02.02.02 कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से सुनकर अपनी भाषा में बताते/सुनाते हैं । 02.02.03 देखी, सुनी बातों, कहानी, कविता आदि के बारे में बातचीत करते हैं । 02.02.04 अपने निजी जीवन और परिवेश पर आधारित अनुभवों को सुनाई जा रही सामग्री जैसे – कविता, कहानी आदि से जोड़ते हुए बातचीत में शामिल करते हैं । 02.02.05 भाषा में निहित शब्दों और ध्वनियों के साथ खेल का मजा लेते हुए लय और तुकवाले शब्द बनाते हैं । जैसे – इधर-उधर । 02.02.06 अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि कहते/सुनाते हैं । 02.02.07 अपने स्तर और पसंद के अनुसार कहानी, कविता, चित्र, आदि को आनंद के साथ पढ़कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं । 02.02.08 चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं का अवलोकन करते हैं । 02.02.09 चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग-अलग घटनाओं और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं । 02.02.10 परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री में रुचि दिखाते हैं । जैसे – चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर-ध्वनि संबंध का प्रयोग करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का प्रयोग करते हुए अनुमान लगाना । 02.02.11 प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों की अवधारणा को समझते हैं । जैसे – 'मेरा नाम मीरा है ।' बताओ, इस वाक्य में कितने शब्द हैं ?/'नाम' शब्द में कितने अक्षर हैं या 'नाम' शब्द में कौन-कौन से अक्षर हैं ? 02.02.12 हिंदी वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं । 02.02.13 पाठशाला के बाहर और पाठशाला के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की पुस्तकों को स्वयं चुनकर पढ़ने का प्रयास करते हैं । 02.02.14 स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चित्रों, आड़ी तिरछी रेखाओं, अक्षर-आकृतियों से आगे बढ़ते हुए स्व-वर्तनी का उपयोग और स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) करते हैं । 02.02.15 सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से और तरह-तरह से चित्रों/शब्दों द्वारा (लिखित रूप से) अभिव्यक्त करते हैं । 02.02.16 अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि को आगे बढ़ाते हैं ।

शिक्षकों/अभिभावकों के सूचनार्थ ....

प्रिय शिक्षक/अभिभावक !

दूसरी कक्षा, हिंदी बालभारती की यह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों के पूर्वज्ञान को दृष्टिगत रखते हुए भाषा के नवीन एवं व्यावहारिक प्रयोगों एवं मनोरंजक विषयों से सुसज्जित आपके सम्मुख प्रस्तुत है । इस पुस्तक में विद्यार्थियों के पूर्वानुभव, घर-परिवार, परिसर के विषयों को आधार बनाकर श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन, लेखन के भाषिक मूल कौशलों के साथ आकलन, निरीक्षण, कृति, उपक्रम पर विशेष बल दिया गया है । पाठ्यपुस्तक में समाहित किए गए गीत, बाल कविता, लोरी, संवाद, कहानी, आत्मकथा, निबंध आदि बहुत ही रंजक, आकर्षक, सहज और सरल भाषा में प्रस्तुत किए गए हैं ।

पाठ्यपुस्तक की संरचना 'मूर्त से अमूर्त', 'स्थूल से सूक्ष्म', 'सरल से कठिन' एवं 'ज्ञात से अज्ञात' सूत्र को आधार बनाकर की गई है । क्रमबद्धता एवं क्रमिक विकास इस पुस्तक की विशेषता है । पूर्वानुभव से शुरुआत करके सुनो और बताओ; देखो, समझो और बताओ; सुनो, दोहराओ और गाओ, देखो और बताओ, पढ़ो आदि कृतियों को क्रमशः प्रमुख स्थान दिया गया है । शिक्षकों/अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखकर पूरी पुस्तक को चार इकाइयों में बाँटा गया है । पहली से चौथी इकाई तक श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन, लेखन कौशलों को महत्त्व दिया गया है । श्रवण, भाषण-संभाषण के सभी विषय विद्यार्थियों के अनुभव जगत से ही जुड़े हुए हैं । अतः इससे विद्यार्थियों के इन कौशलों के विकास में अधिक आसानी होगी ।

अध्ययन-अध्यापन के पहले निम्न मुद्दों पर विशेष ध्यान दें :

— सर्वप्रथम पूरी पुस्तक का गंभीरता से अध्ययन कर लें ।

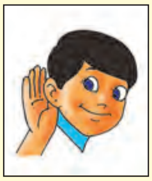
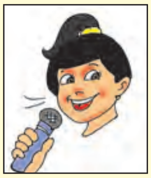
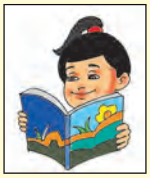
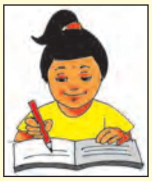
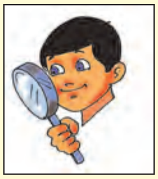
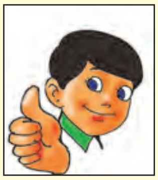

— पाठ्यपुस्तक में भाषाई क्षमताओं श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन, लेखन, खोजो एवं बहुत अच्छा (थंब) आदि के लिए अलग-अलग आइकॉन (संकेत चित्र) दिए गए हैं । इन सभी 'आइकॉन' प्रतीकों को अच्छी तरह समझ लें और विद्यार्थियों को इन 'आइकॉन' (प्रतीकों) के अर्थ अच्छी तरह समझा दें । जिस पाठ में जो आइकॉन दिए गए हैं, वहाँ उस कृति को प्रमुख महत्त्व दिया जाना आवश्यक है । तदनुसार अभ्यास कराएँ ।

— प्रत्येक पाठ के प्रारंभ में दाहिनी ओर रेखांकित चित्र दिए गए हैं । विद्यार्थियों को इन चित्रों में रंग भरने के लिए प्रेरित करें ।

— प्रत्येक इकाई की शुरुआत का विषय विद्‍यार्थियों के पूर्वानुभव पर आधारित है । उनके पूर्वज्ञान को आधार बनाकर नये ज्ञान, सूचनाओं को विद्‍यार्थियों तक पहुँचाना है । पहली इकाई में 'हम' में प्रत्येक विद्‍यार्थी को अपना नाम और अपने परिवार का परिचय, दूसरी इकाई में 'ऋतुएँ' में ऋतुओं का ज्ञान, तीसरी इकाई में 'वनभोजन' के माध्यम से सह संबंध बढ़ाने का उपक्रम, चौथी इकाई में 'मेरा निवास' में प्राणियों के निवास स्थानों के नामों का परिचय कराया गया है । इनके माध्यम से विद्‍यार्थियों में स्वच्छता, प्रेम, सच्चाई, मिलकर खेलने, एकता एवं सदा प्रसन्न रहने के गुणों को भी अपनाने के लिए प्रेरित किया गया है । आपसे यह अपेक्षा है कि विद्‍यार्थियों को इन्हें जानने, आत्मसात करने एवं अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करें ।

— प्रत्येक इकाई में चित्रवाचन/चित्रकथा दी गई है । विद्‍यार्थियों को चित्रों के निरीक्षण का भरपूर अवसर दें । चित्रों पर चर्चा कराएँ । उन्हें प्रश्न पूछने के अवसर दें । आप विद्‍यार्थियों से प्रश्न पूछें । चित्रों में आए वाक्य पढ़कर सुनाएँ । उनसे दोहरवाएँ । यहाँ दी गई प्रत्येक कृति करें/करवाएँ । घर, परिसर में आवश्यकतानुसार ये कृतियाँ करने के लिए प्रेरित करें । चित्र देखकर विद्‍यार्थियों के मन में आए भाव/विचार व्यक्त करने के अवसर प्रदान करें ।

— प्रत्येक इकाई में काव्य विधा के अंतर्गत श्रवण कौशल के विकास के लिए सुनो और दोहराओ; सुनो, दोहराओ और गाओ; पढ़ो और गाओ; पढ़ो, गाओ और बताओ अंतर्गत हास्य कविता, बालगीत, कविता, लोरी आदि दी गई हैं । इनको पहले आप उचित स्वर, लय-ताल, आरोह-अवरोह, हाव-भाव एवं अभिनय के साथ विद्‍यार्थियों को सुनाएँ । कई बार हाव-भाव एवं अभिनय के साथ दो-दो पंक्तियाँ बोलकर विद्‍यार्थियों से दोहरवाएँ । विद्‍यार्थियों को क्रमशः व्यक्तिगत, गुट में एवं सामूहिक रूप में दोहराने, बोलने, गाने के अवसर प्रदान करें।

— श्रवण, भाषण-संभाषण कौशल के विकास के लिए कहानी, चित्रकथा भी दी गई हैं । इनमें दिए गए चित्रों का विद्‍यार्थियों से निरीक्षण कराएँ । तदुपरांत आप स्वयं उचित हाव-भाव उच्चारण के साथ कहानी कई अंशों में विद्‍यार्थियों को सुनाएँ । विद्‍यार्थियों को कहानी दोहराने या बताने के लिए प्रेरित करें । कहानी पर आधारित छोटे-छोटे प्रश्न पूछें । प्रश्न पूछकर चित्रों पर अँगुली रखने के लिए कहें । चित्रों में आए प्राणियों, पेड़-पौधों, वस्तुओं के बारे में बोलने के लिए प्रेरित करें । आप सुनिश्चित करें कि प्रत्येक विद्‍यार्थी ने कहानी समझते हुए सुनी है ।

— पाठ्‍यपुस्तक में दिए गए संवादों को उचित उच्चारण, आरोह-अवरोह के साथ सुनाएँ । पाठ में आए कुछ ऐसे प्रसंगों की निर्मिति करें जिससे विद्‍यार्थियों को बोलने के अवसर प्राप्त हों । दो विद्‍यार्थियों के बीच किसी संदर्भ/प्रसंग पर संवाद करवाएँ और प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें ।

— पाठों में मीरा और कबीर की सूचनाओं एवं कृतियों का अनुपालन कराएँ ।

— वर्ण, मात्रा, संयुक्ताक्षर, पंचमाक्षर आदि का श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन द्‍वारा पुनरावर्तन किया गया है । विद्‍यार्थियों से चित्रों का निरीक्षण कराएँ, चर्चा करें, नाम पूछें । व्यक्तिगत उत्तर प्राप्त करें । नाम बोलकर उस पर अँगुली रखवाएँ । स्पष्ट उच्चारण के साथ विद्‍यार्थियों को सुनाएँ और उनसे बार-बार दोहरवाएँ ।

– पहली इकाई 'घर' पाठ में वर्णमाला, दूसरी इकाई के 'किसान एक अन्नदाता' पाठ में मात्रा, तीसरी इकाई के 'दादी अम्मा की रसोई' पाठ में संयुक्ताक्षर, चौथी इकाई के 'शब्दों का संजाल' पाठ में पंचमाक्षर पढ़ने और लिखने का दृढ़ीकरण करवाया गया है ।

– पहली इकाई में 'सिग्नल' में विरामचिह्न, दूसरी इकाई में 'जोकर' के माध्यम से शब्दयुग्म, तीसरी इकाई में 'ऊँट' के माध्यम से गिनती, चौथी इकाई में 'समान-असमान' के माध्यम से समानार्थी-विरुद्धार्थी शब्दों को पहचानने के लिए दिया गया है ।

– पहली इकाई में 'परी', दूसरी इकाई में 'बंदनवार', तीसरी इकाई की कृति में 'बधाई पत्र', चौथी इकाई की कृति में 'छाप' द्वारा विद्यार्थियों को रोचक मनोरंजक कृतियाँ दी गई हैं ।

– प्रत्येक पाठ के स्वाध्याय में श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन, लेखन इन क्षमताओं के अनुसार प्रश्न दिए गए हैं । सुनो, बोलो, पढ़ो, लिखो इसी प्रकार विद्यार्थियों से प्रश्न हल करवाने आवश्यक है ।

– पहली इकाई में पुनरावर्तन-१, दूसरी इकाई में पुनरावर्तन-२, तीसरी इकाई में पुनरावर्तन-३ और चौथी इकाई में पुनरावर्तन-४ और ५ की कृतियाँ ज्ञान में वृद्धि के लिए दी गई हैं ।

– पाठ्यपुस्तक के स्वाध्याय में दिए गए श्रवण के प्रश्नों से संबंधित विषय सामग्री सुनाएँ और विद्यार्थियों को वाचन के लिए सामग्री उपलब्ध कराएँ ।

– तीसरी, चौथी इकाइयों में बालगीत, कविता, चित्रकथा, कहानी, संवाद आदि पढ़ने और आवश्यकतानुसार लिखने के लिए दिए गए हैं । इनके पढ़ने, बताने, चर्चा करने, निरीक्षण करने, लिखने आदि का सूचनानुसार अभ्यास एवं दृढ़ीकरण आवश्यक हैं । कविता, कहानी, संवाद आदि के वाचन में उचित उच्चारण, हावभाव, आरोह-अवरोह, लय-ताल, अभिनय आदि का योग्य स्थान पर अवश्य उपयोग करें ।

– पाठ्यपुस्तक में स्वाध्याय एवं पुनरावर्तन के अंतर्गत अनेक कृतियाँ दी गई हैं । इन कृतियों का बार-बार अभ्यास अपेक्षित है ।

– पाठ्यपुस्तक में अनुलेखन, श्रुतलेखन, कहानी लेखन आदि का क्रमश: सूचनानुसार अभ्यास कराएँ ।

– पाठों के माध्यम से अनेक अच्छी आदतें, मूल्यों, जीवन कौशलों एवं मूलभूत तत्त्वों का समावेश किया गया है । यथास्थान इनको महत्त्व दें । इनके दृढ़ीकरण हेतु आवश्यक प्रसंगों का निर्माण करके विद्यार्थियों द्वारा अभ्यास कराना अत्यावश्यक है ।

पाठ्यसामग्री का मूल्यमापन निरंतर होने वाली प्रक्रिया है । पाठ्यपुस्तक में सन्निहित सभी कौशलों/क्षमताओं, कृतियों, उपक्रमों का समान, सतत एवं सर्वंकष मूल्यमापन अपेक्षित है ।

विश्वास है कि आप सब अध्ययन-अध्यापन में इस पुस्तक का कुशलतापूर्वक उपयोग करते हुए विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति आत्मीयता जागृत करने में समर्पक सहयोग देंगे ।

* * *

✽ विषयसूची ✽

पहली इकाई

✽ हम (पूर्वानुभव)
१. अभिवादन
२. पानी दे
३. सच्चे मित्र
४. घर
५. सिग्नल
६. मेरी बगिया
७. चंदामामा
८. परी
✽ पुनरावर्तन-१

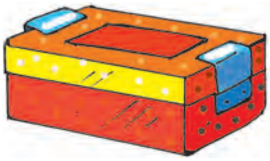

दूसरी इकाई

✽ ऋतुएँ (पूर्वानुभव)
१. हमारे त्योहार
२. इंद्रधनुष
३. बातूनी कछुआ
४. किसान एक अन्नदाता
५. जोकर
६. जल्दबाजी
७. इधर-उधर
८. बंदनवार
✽ पुनरावर्तन-२

तीसरी इकाई

✽ वनभोज (पूर्वानुभव)
१. हमें पहचानो
२. बेमिसाल
३. ऊँट
४. मैं कौन ?
५. दादी अम्मा की रसोई
६. बरगद
७. परोपकार का फल
८. सो जा, सो जा नन्ही मुनिया
९. बधाई पत्र
✽ पुनरावर्तन-३

चौथी इकाई

✽ मेरा निवास (पूर्वानुभव)
१. सार्वजनिक स्थान
२. मेरी खुशियाँ
३. समान-असमान
४. आओ मिलकर हँसे
५. शब्दों का संजाल
६. तिरंगे का सम्मान
७. जंगल में मंगल
८. बच्चो बनो महान
९. छाप
✽ पुनरावर्तन-४
✽ पुनरावर्तन-५

पूर्वानुभव – सुनो और बताओ :

* हम

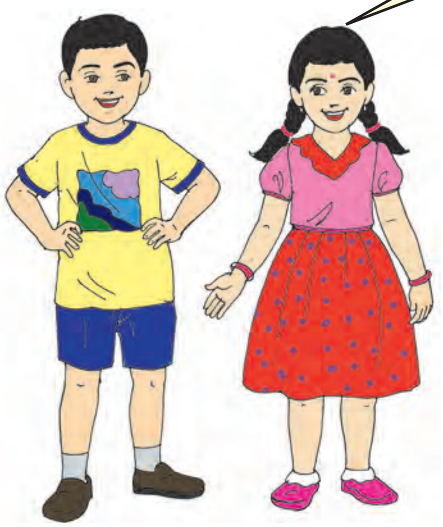
वर्ष भर हम तुम्हारे साथ रहेंगे ।
हम तुमसे बातचीत करेंगे ।

कबीर मीरा

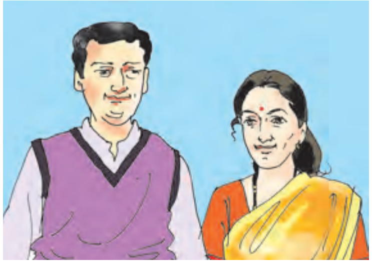

नाना जी नानी जी

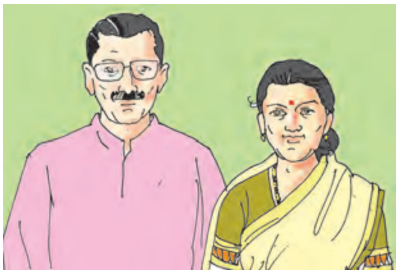

दादा जी दादी जी

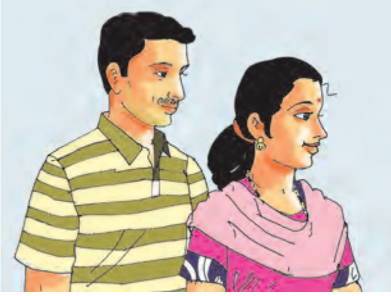

मामा जी मामी जी

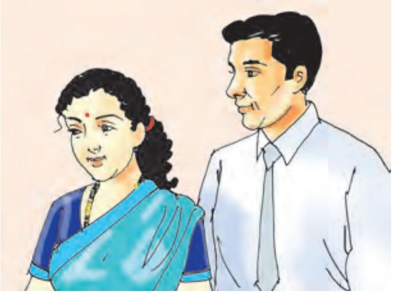

चाची जी चाचा जी

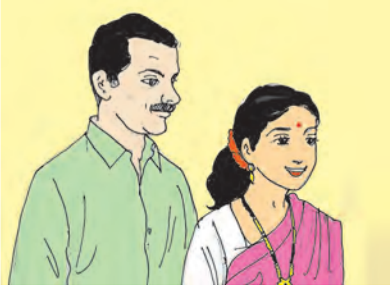

मौसा जी मौसी जी

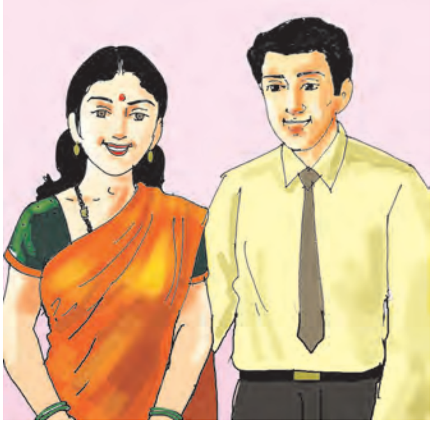

माता जी पिता जी

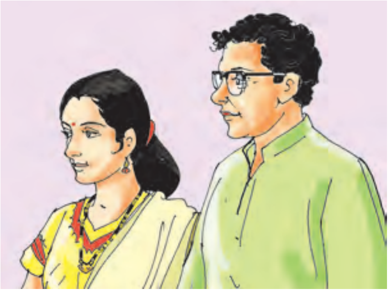

बुआ जी फूफा जी

मेरा नाम .... है ।

चित्रवाचन– देखो, समझो और बताओ :

१. अभिवादन

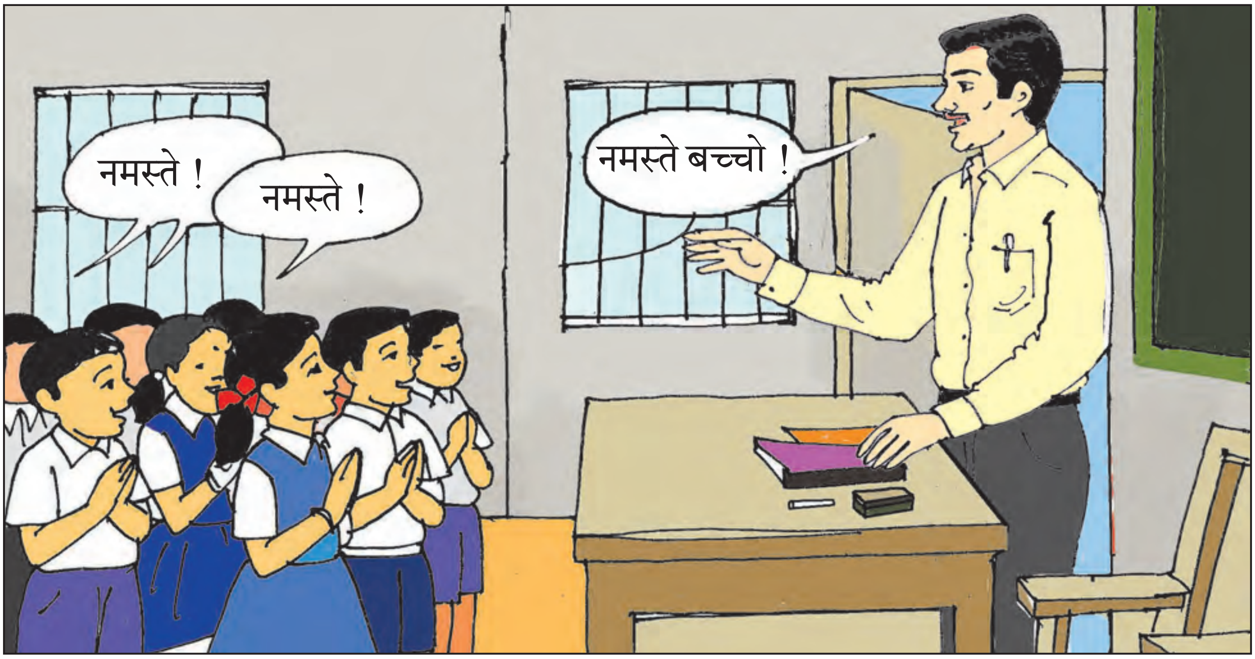
नमस्ते !
नमस्ते !
नमस्ते बच्चो !

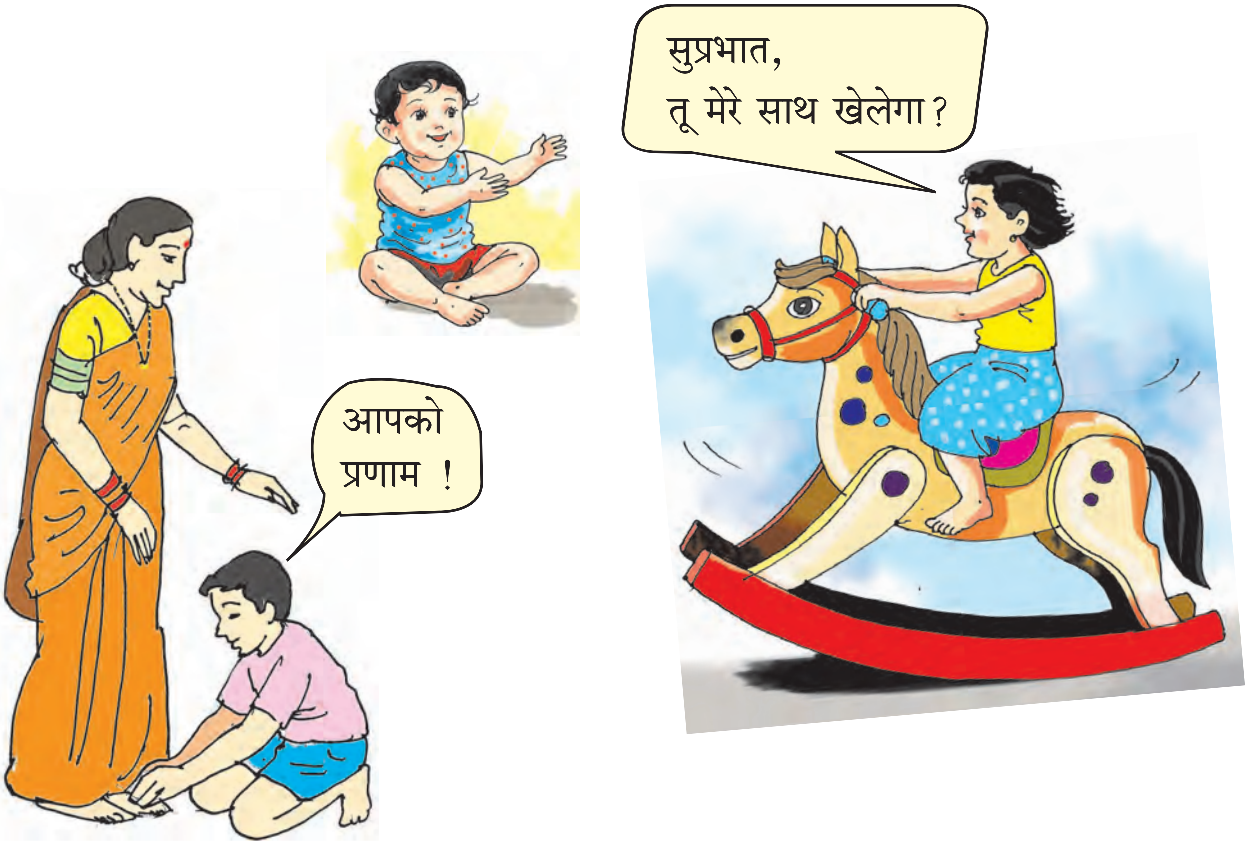
सुप्रभात,
तू मेरे साथ खेलेगा ?
आपको
प्रणाम !

पहली इकाई

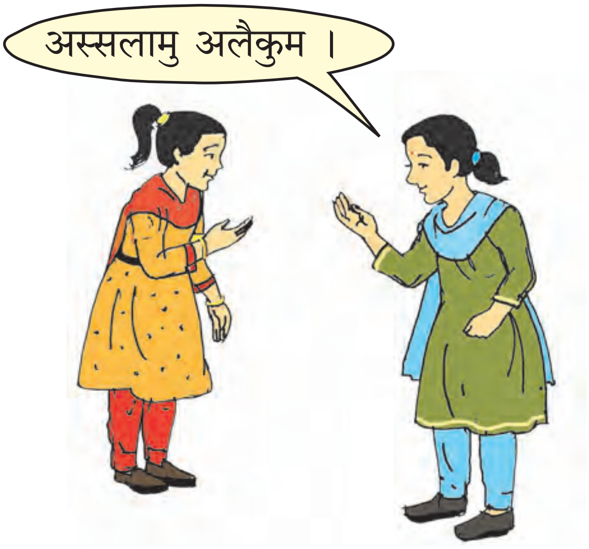

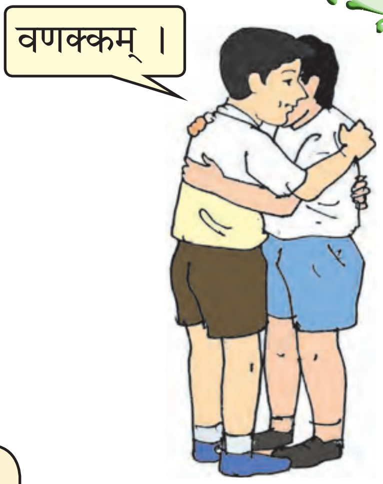

अपने से छोटों के लिए तू तथा हमउम्र के लिए तुम और अपने से बड़ों के लिए आदरसूचक शब्द आप का प्रयोग करते हैं ।

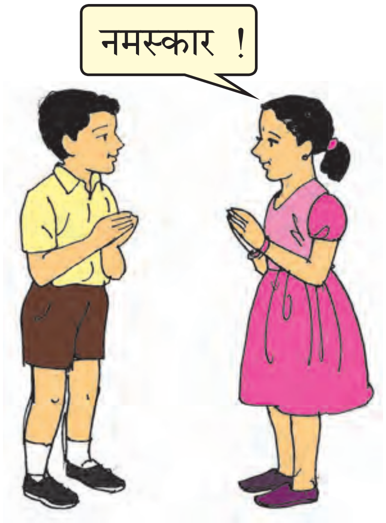

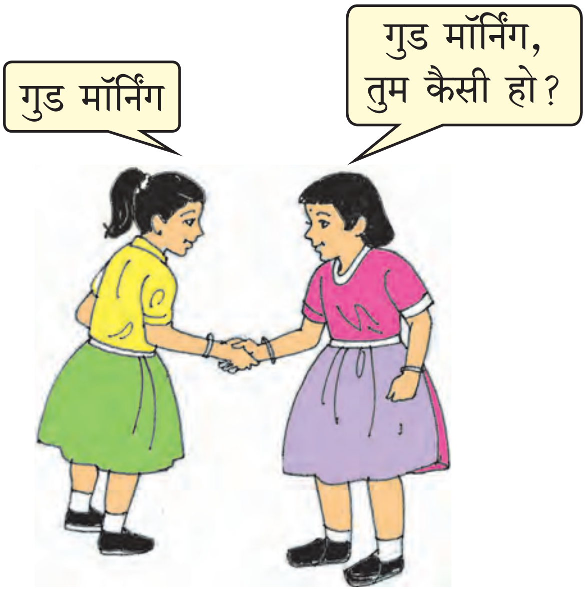
गुड मॉर्निंग
गुड मॉर्निंग, तुम कैसी हो ?

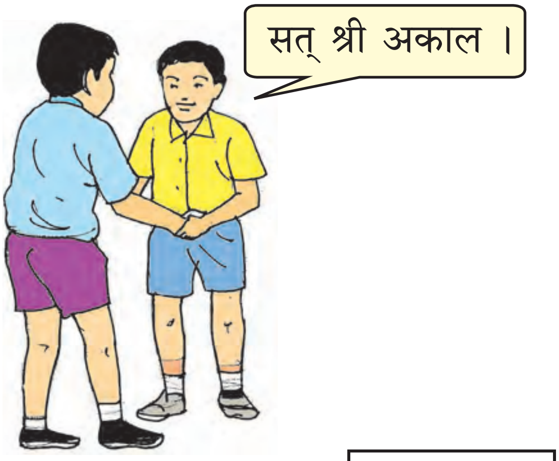

तुम अभिवादन कैसे करते / करती हो ?

तुम्हारा मित्र तुम्हें किस प्रकार अभिवादन करता है ?

Z5UQMP

बालगीत – सुनो और दोहराओ :

२. पानी दे

– *डॉ. राष्ट्रबंधु*

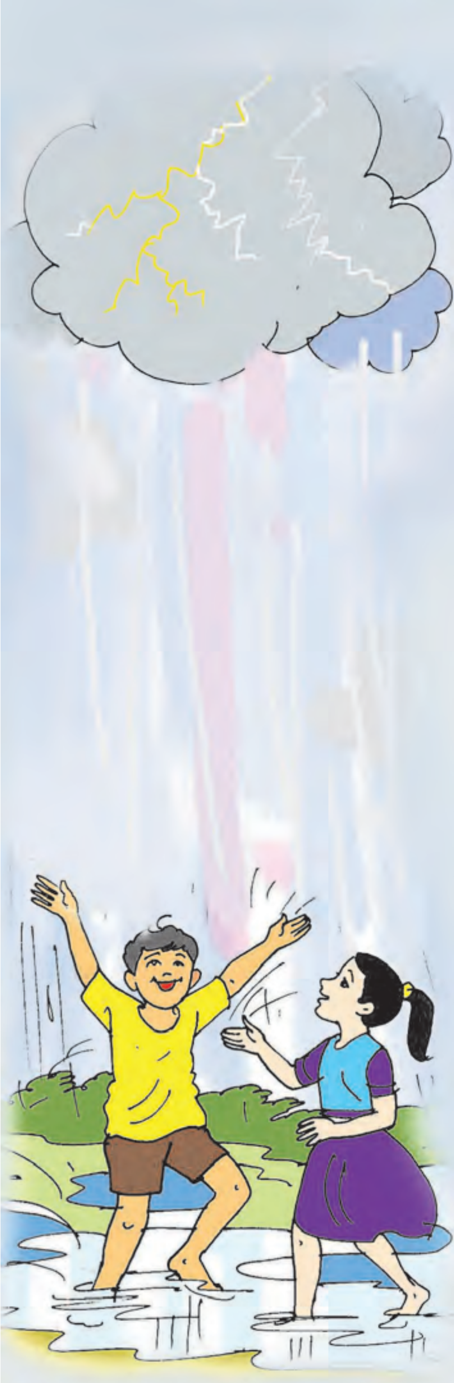

काले मेघा पानी दे,
पानी दे गुड़धानी दे ।

मोती बरसें खेत में,
बच्चे हरसें रेस में,
उछलें-कूदें पानी में,
मेघों की अगवानी में ।

सबको दादी, नानी दे,
हर दिन एक कहानी दे ।

बिजली कड़के जोर से,
धरती गूँजे शोर से,
बचें वर्षा घनघोर से,
पिकनिक जाएँ भोर से ।

उलझन में आसानी दे,
अपनी जैसी बानी दे ।

स्वाध्याय

१. छुपे शब्दों को खोजो और बताओ :

जैसे –

ता	ज	म	ह	ल

इसमें कुछ शब्द छुपे हैं– ताज, महल, जल, हल, ताल, मल, हम, लता ।

बा	ल	भा	र	ती

....

२. दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :

आ	ई	ऊ	ऋ	उ	इ	अ

....

३. निम्न पंक्तियाँ पूर्ण करो :

मोती बरसें .... में । बच्चे हरसें .... में ।

उछलें–कूदें .... में । मेघों की .... में ।

४. बताओ और लिखो : **पानी का उपयोग**

....

५. शेर और चूहे की कहानी सुनाओ ।

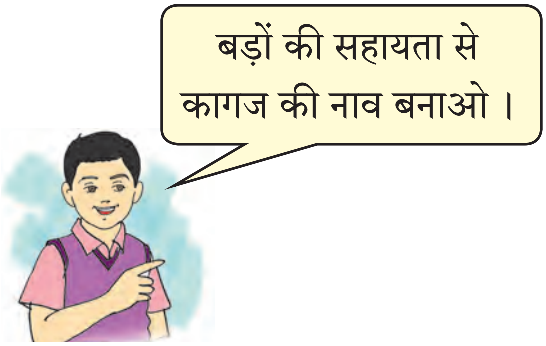
बड़ों की सहायता से कागज की नाव बनाओ ।

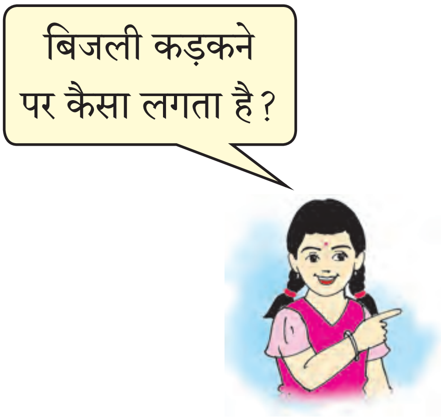
बिजली कड़कने पर कैसा लगता है ?

C2GKCK

चित्रकथा – देखो और बताओ :

३. सच्चे मित्र

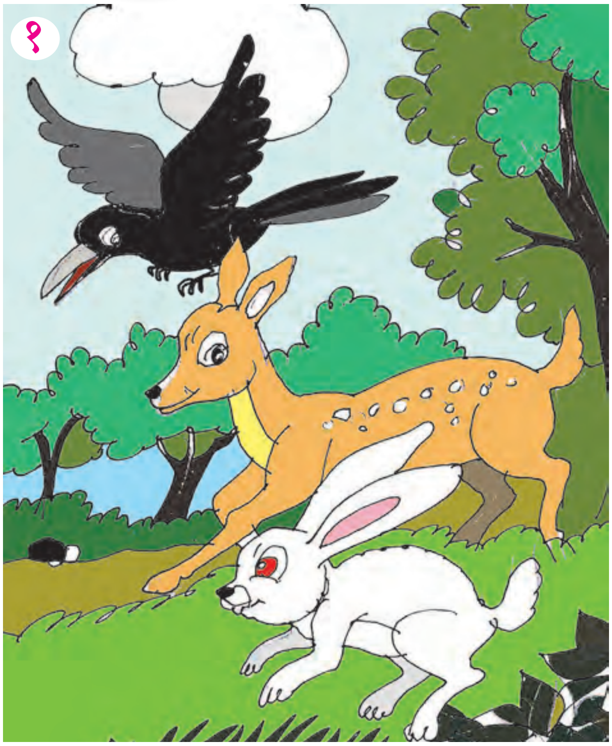
१

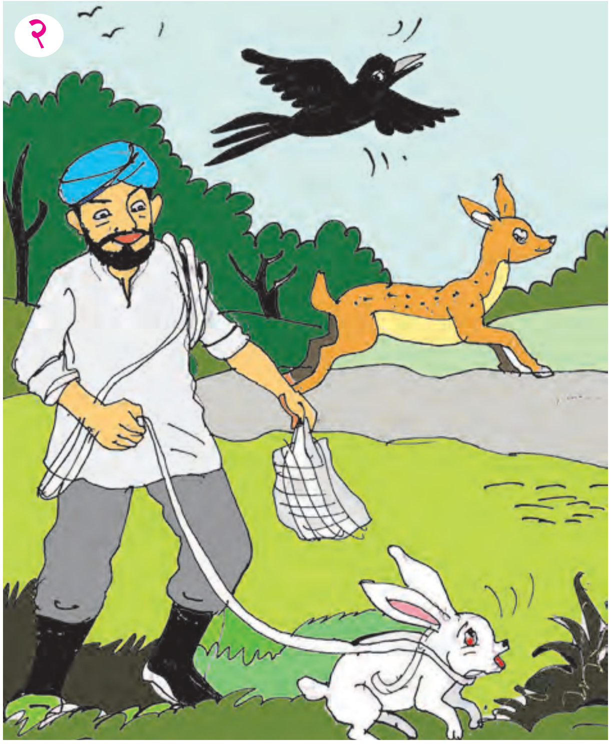
२

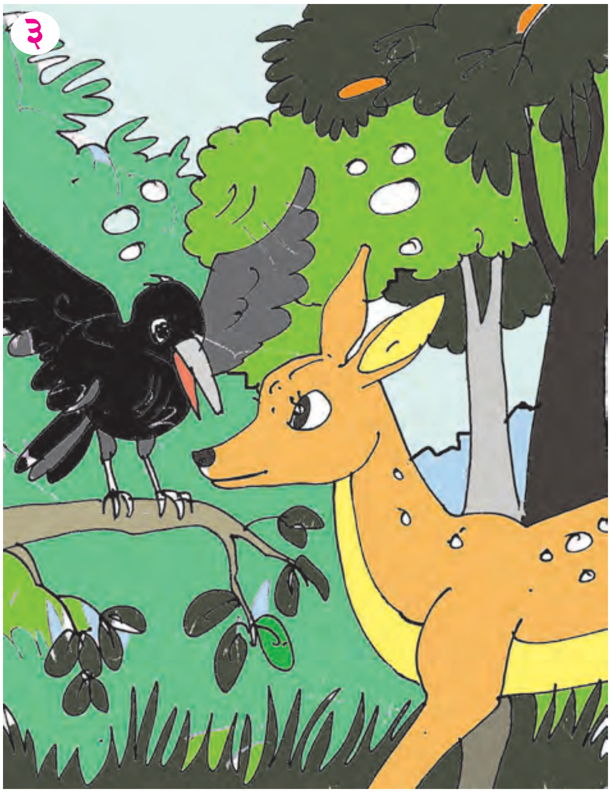
३

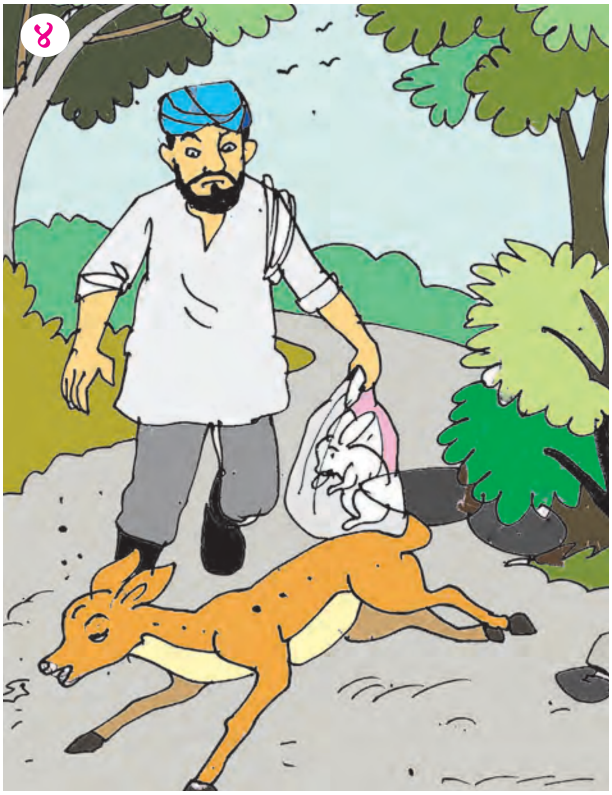
४

५

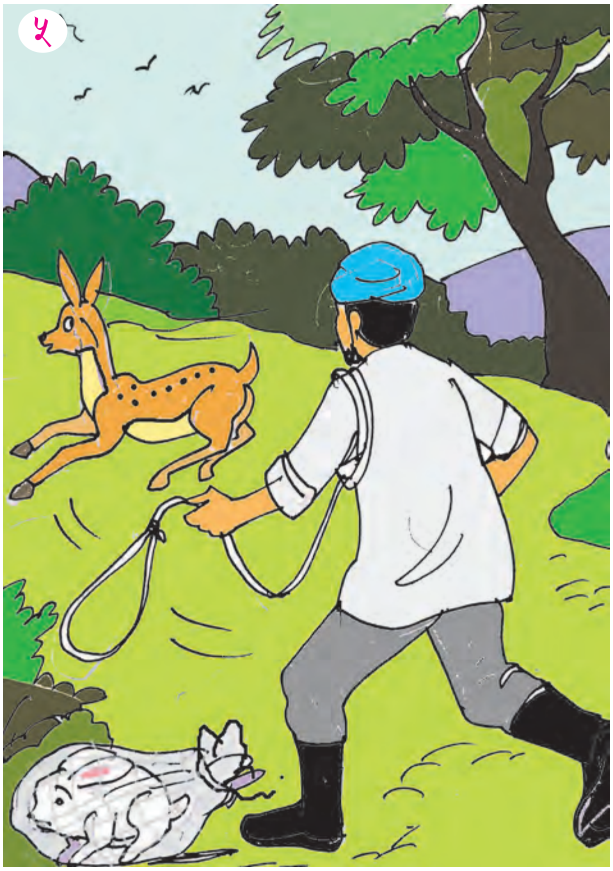

६

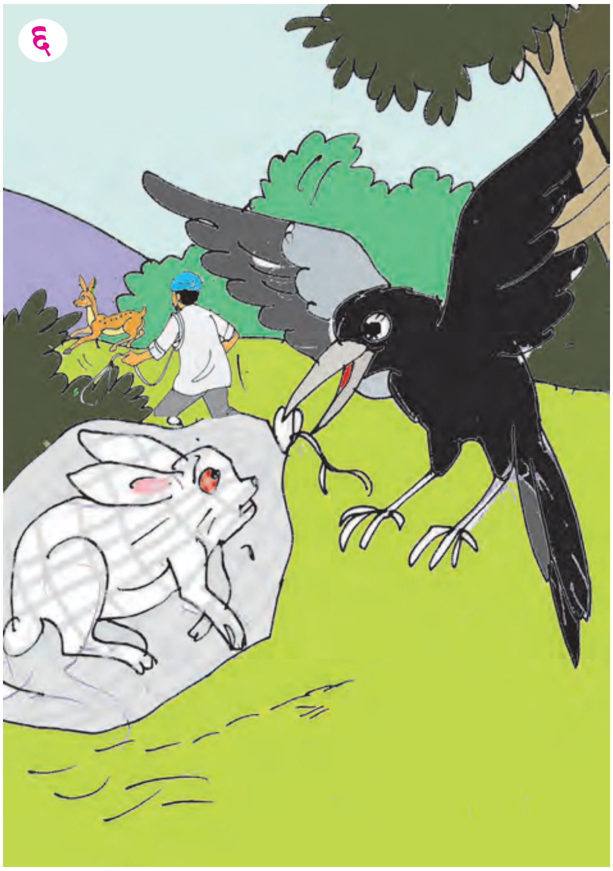

७

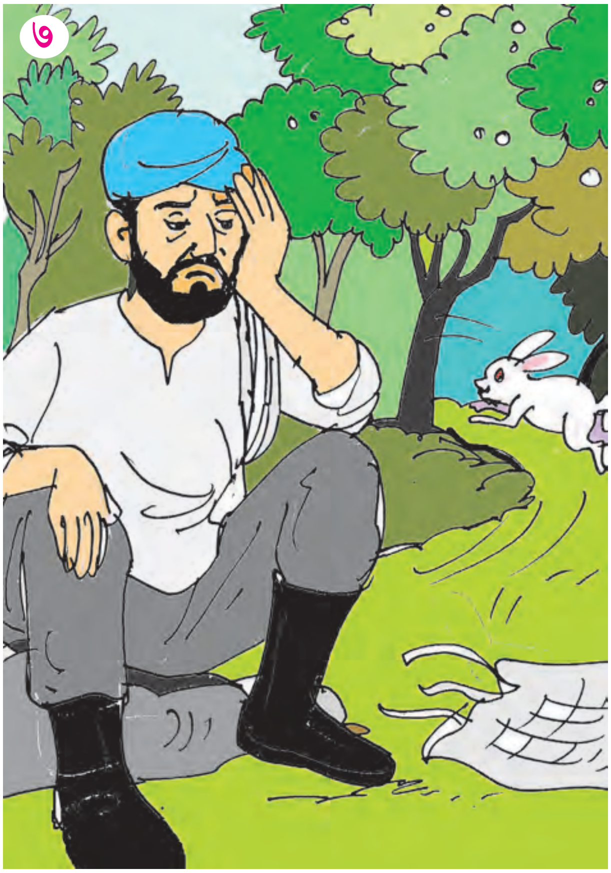

८

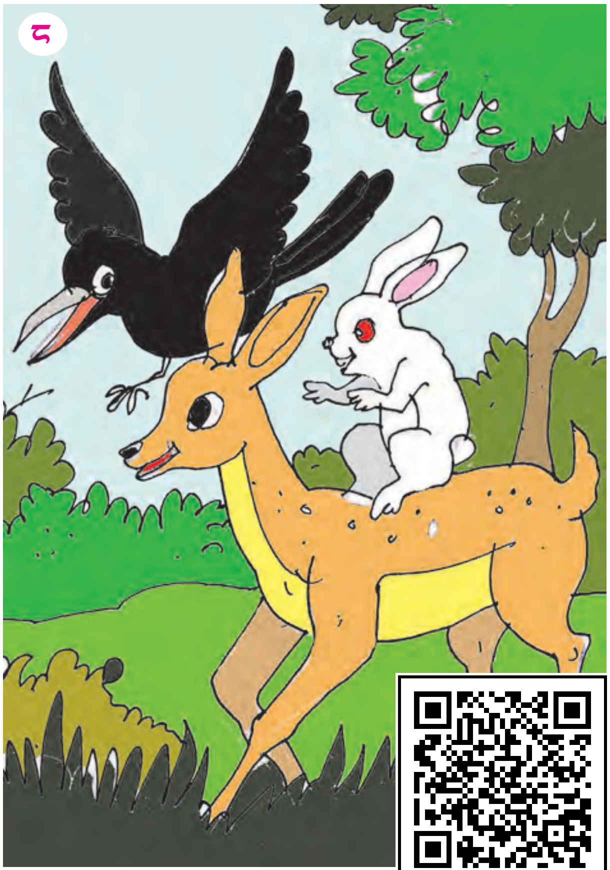

DRB4G8

वाचन – पढ़ो :

४. घर

अजय घर चल । अंगद शरबत उधर रख । बरतन ढक ।

ईश, ओम, इशरत और श्रवण रथ पर घर आए ।

सब झटपट छत पर चढ़ गए । ऊपर क्षण भर ठहरकर उतर आए ।

ऑथर ऊखल इधर रख । ऋषभ सड़क पर डर मत ।

आँचल अब ऐनक पहनकर फलक पर ङ ञ अः त्र ळ ज्ञ पढ़ ।

कृति : बिंदुओं को जोड़कर चित्र पूर्ण करो और रंग भरो ।
दिए गए बिंदुओं पर पूरी वर्णमाला क्रम से लिखो ।

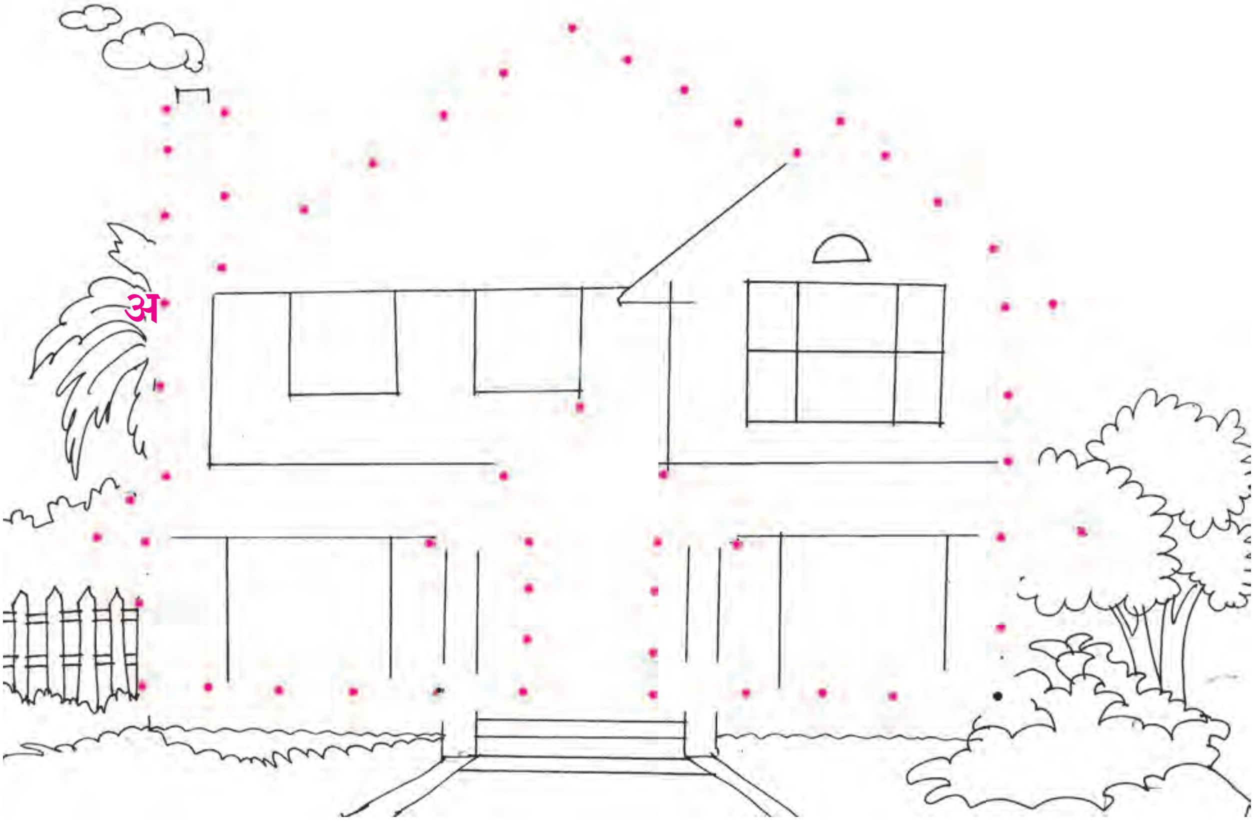

स्वाध्याय

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

(१) अपना घर साफ-सुथरा रखो ।

(२) फलक पर लिखे अक्षर ध्यान से पढ़ो ।

(३) छत पर धीरे-धीरे चढ़ो ।

(४) बगिया के फूल मत तोड़ो ।

२. प्राणियों की बोलियों की नकल करो :

मुर्गा कुत्ता बिल्ली शेर बकरी कौआ

३. घर में बनाए जाने वाले पेय पदार्थों के नाम बताओ :

....

४. 'चढ़' से चढ़ाई शब्द बना है । इसी तरह शब्द बनाओ और लिखो :

बड़	
बुन	
पढ़	
कट	

५. दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :

ओ	अं	ए	औ	ऑ	ऐ	अः	अँ
......	......	......	......	......	......	......	......

तुम्हारे घर में कौन-से पालतू जानवर हैं ?

QMWY64

संवाद – सुनो और दोहराओ :

५. सिग्नल

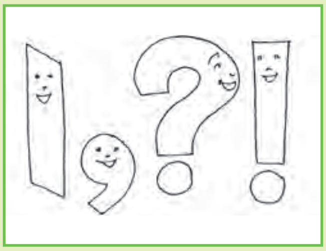

गौरांश : ताई जी, आज रविवार है ।
चलो ना, ताऊ जी के साथ कहीं घूमने जाएँगे ।

ताई जी : हाँ ठीक है । पड़ोस के मन्नु और रुक्की
को भी साथ ले जाएँगे ।

ताऊ जी : चलो, हम बस से गांधी पार्क जाएँगे ।

(सब बस में बैठते हैं, बस सिग्नल पर रुक जाती है ।)

मन्नु : बस क्यों रुक गई ?

ताऊ जी : लाल सिग्नल पर गाड़ियाँ रोकनी चाहिए ।

गौरांश : सिग्नल हरा होने पर हम आगे जा सकते हैं ।

रुक्की : सिग्नल पर पीला रंग क्यों होता है ?

ताऊ जी : पीला रंग बताता है कि सिग्नल हरे रंग से
लाल रंग में बदल जाएगा ।

ताई जी : हमें यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए ।

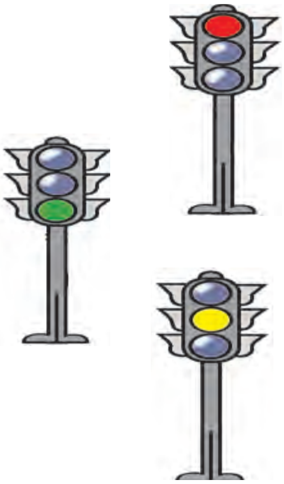

रुक्की : मेरे बड़े भैया कहते हैं कि,
"पैदल चलने वालों को जेब्रा क्रॉसिंग
से ही सड़क पार करनी चाहिए ।"

ताऊ जी : पैदल चलते समय फुटपाथ पर ही
चलना चाहिए ।

गौरांश : वाह ! बातें करते हुए हम सब
गांधी पार्क पहुँच गए ।

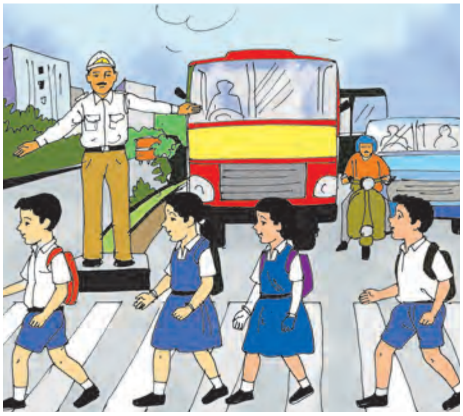

स्वाध्याय

१. किसने – किससे कहा, बताओ :

(१) चलो, हम बस से गांधी पार्क जाएँगे ।

(२) सिग्नल हरा होने पर हम आगे जा सकते हैं ।

(३) बस क्यों रुक गई ?

२. रंग कहते हैं, लिखो :

(१) लाल ....

(२) पीला ....

(३) हरा ....

३. दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :

ख	ङ	ग	घ	क
....	....	....	....	....

४. सुनो और समझो :

जेब्रा क्रॉसिंग का निशान सड़क पर होता है कारण –

पैदल चलने वालों को जेब्रा क्रॉसिंग से ही सड़क पार करना चाहिए ।

५. पैदल चलते समय किस पर चलना चाहिए ?

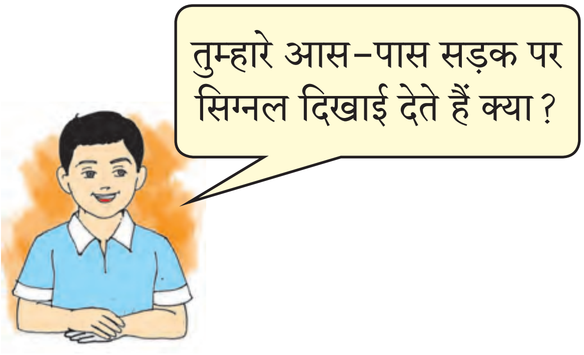
तुम्हारे आस-पास सड़क पर सिग्नल दिखाई देते हैं क्या ?

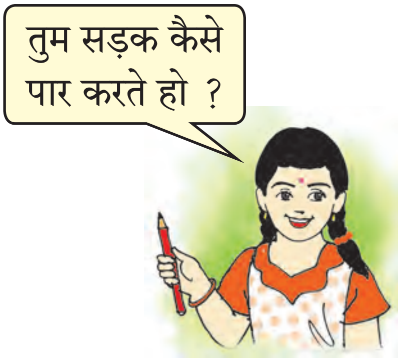
तुम सड़क कैसे पार करते हो ?

3JISUZ

कहानी – पढ़ो, समझो और बताओ :

६. मेरी बगिया

– *कमलेश तुली*

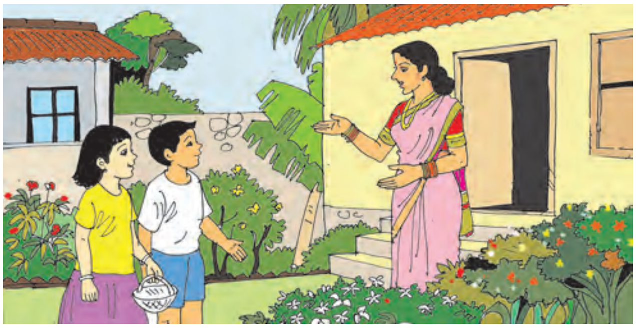

ऋतिक और अंकिता दोनों भाई–बहन बहुत ही समझदार थे । उनके पड़ोसी के आँगन में एक बहुत सुंदर बगिया थी । वे सोचते, काश ! उनके घर में भी ऐसी ही बगिया होती । पर उनके घर बगिया उगाने के लिए जगह ही कहाँ थी ? उनकी माँ को जब भी पूजा के लिए फूलों की जरूरत होती थी, दोनों को पड़ोस के घर भेजती । वे फूल ले आते । एक दिन जब वे दोनों फूल लेने गए तो पड़ोस की आंटी ने उनसे कहा, ''बेटा, रोज फूल कहाँ से आएँगे ? दो–चार फूल बचे हैं, ले जाओ ।''

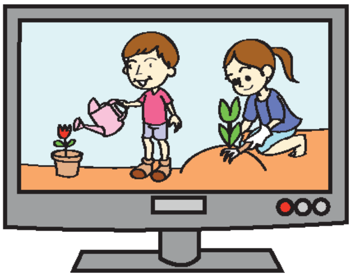

आंटी की बात सुनकर वे उदास हो गए । एक दिन दोनों ने दूरदर्शन पर देखा कि गमले में भी पौधे उगाए जा सकते हैं । वे बड़े खुश हुए । उन्होंने यह बात अपने माता–पिता को बताई । वे पौधे लगाने के लिए गमले ले आए ।

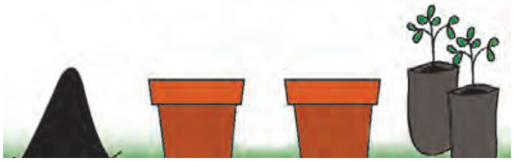

गमलों में दोनों ने मिट्टी डाली । उनमें खाद और पानी मिलाकर फूलों के पौधे लगा दिए । वे रोज पौधों की अच्छी तरह देखभाल करते थे ।

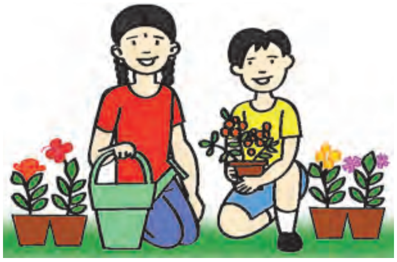

धीरे–धीरे पौधों में फूल खिलने लगे । गमलों में खिले फूल देखकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा । घर फूलों की खुशबू से महक उठा । उनकी बगिया देखने पड़ोस वाली आंटी और अंकल भी आए । दोनों को शाबासी देते हुए अंकल ने कहा, ''सचमुच, जहाँ चाह, वहाँ राह ।''

स्वाध्याय

१. निम्नलिखित वाक्यों का घटना के अनुसार क्रम लगाओ :

(१) घर फूलों की खुशबू से महक उठा ।
(२) गमले में भी पौधे उगाए जा सकते हैं ।
(३) वे रोज पौधों की अच्छी तरह देखभाल करते थे ।
(४) पड़ोसी के आँगन में एक बहुत सुंदर बगिया थी ।

२. किसने किससे कहा :

(१) बेटा, रोज फूल कहाँ से आएँगे?
(२) ''सचमुच, 'जहाँ चाह, वहाँ राह ।''

३. चित्र देखकर दिए गए शब्दों की सहायता से वर्णन पूरा करो और पढ़ो :

(गमले, अंकुर, कलियाँ, पानी, बीज, फूल, खुश)

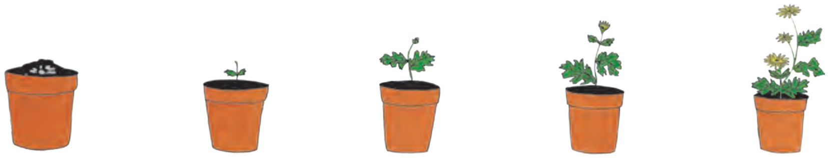

श्याम ने .... में मिट्टी डाली । मिट्टी में ...... बोए ।
गीता ने मिट्टी में ...... डाला । कुछ दिन बाद बीज से ..... निकले ।
धीरे-धीरे अंकुरों ने पौधों का रूप लिया ।
पौधों में ...... निकली । उन कलियों के सुंदर ...... बने ।
फूल देखकर बच्चे .... हो गए ।

४. चौखट में लिखो :

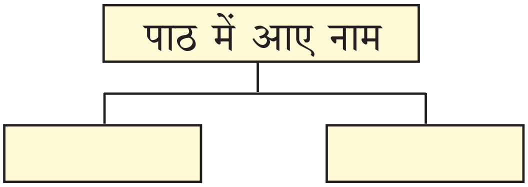

५. तुमने देखे हुए बगीचे का वर्णन सुनाओ ।

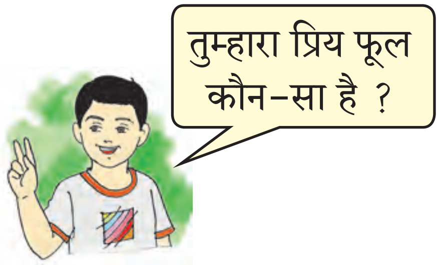
तुम्हारा प्रिय फूल कौन-सा है ?

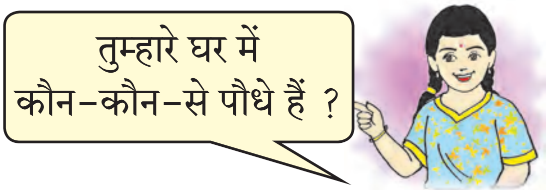
तुम्हारे घर में कौन-कौन-से पौधे हैं ?

FG5MJV

बालगीत – सुनो और दोहराओ :

७. चंदामामा

– शंकर विटणकर

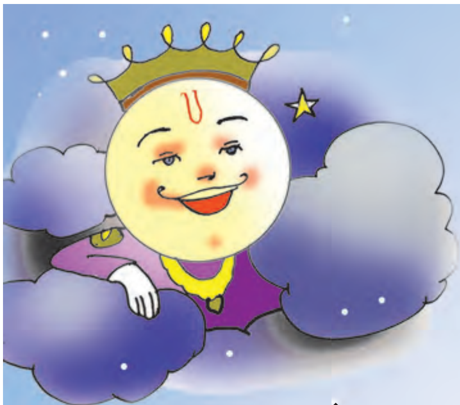

नील गगन के चंदा जी
ठाठ बड़ा दिखलाते हो,
सोने जैसा रूप लिए
राजा बन इठलाते हो ।

पंख नहीं तुमको फिर भी
पंछी बन उड़ पाते हो,
झुंडों बीच सितारों के
पंछीराज बन जाते हो ।

जंगल–नदी–पहाड़ों पर
घूमते रात बिताते हो,
याद से फिर भी हम सबके
छत पर खेलने आते हो ।

भैया तुम धरती माँ के
मामा हमको लगते हो,
इसीलिए क्या प्यार से तुम
देख हमें मुसकाते हो ।

स्वाध्याय

१. समझो और बताओ :

(अ) इनका रूप सोने जैसा ....

(आ) पंक्षी बन उड़ते ....

(इ) ये जंगल, नदी, पहाड़ों पर घूमते ....

(ई) बच्चों के मामा ....

२. पढ़ो और अनुलेखन करो :

डमडम	ढमढम	खटपट	लटपट
....	....	....	....
किलबिल	झिलमिल	अनबन	जनमन
....	....	....	....

३. दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :

छ	झ	ञ	ज	च
....	....	....	....	....

४. सुनो और दोहराओ :

पीले-पीले पत्तों में पकता पपीता, पके-पके पपीता में पपलू का पिट्टा ।

५. चंदामामा और तारों के चित्र बनाओ, चित्र के आधार पर दो-दो वाक्य सुनाओ ।

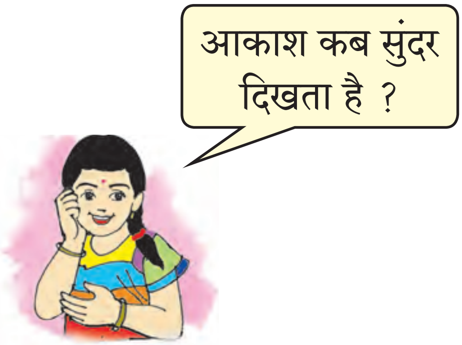
आकाश कब सुंदर दिखता है ?

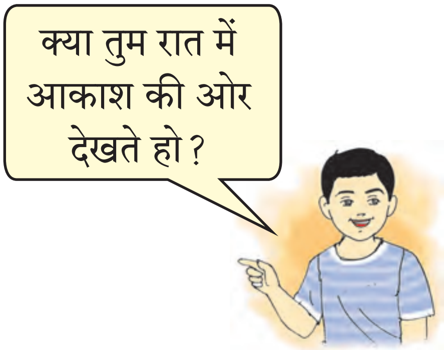
क्या तुम रात में आकाश की ओर देखते हो ?

SCRH9R

चित्र निरीक्षण – अंतर बताओ :

८. परी

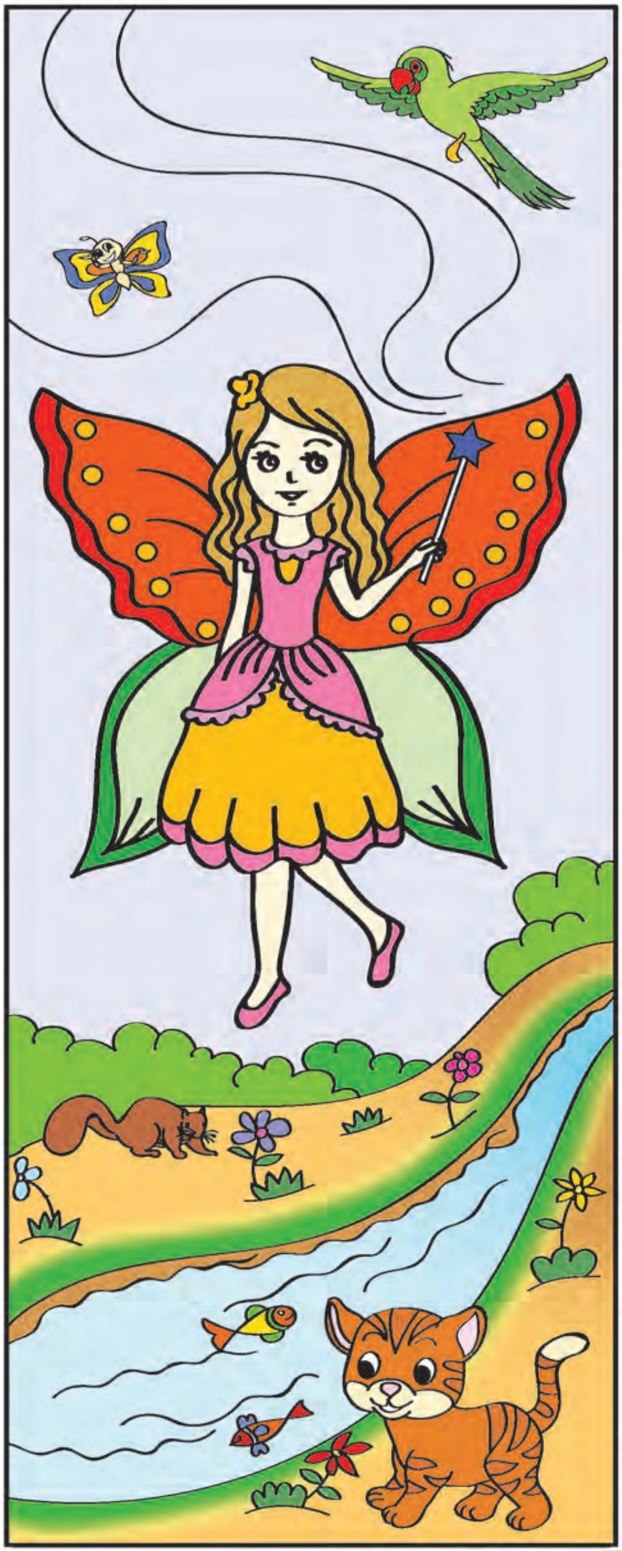

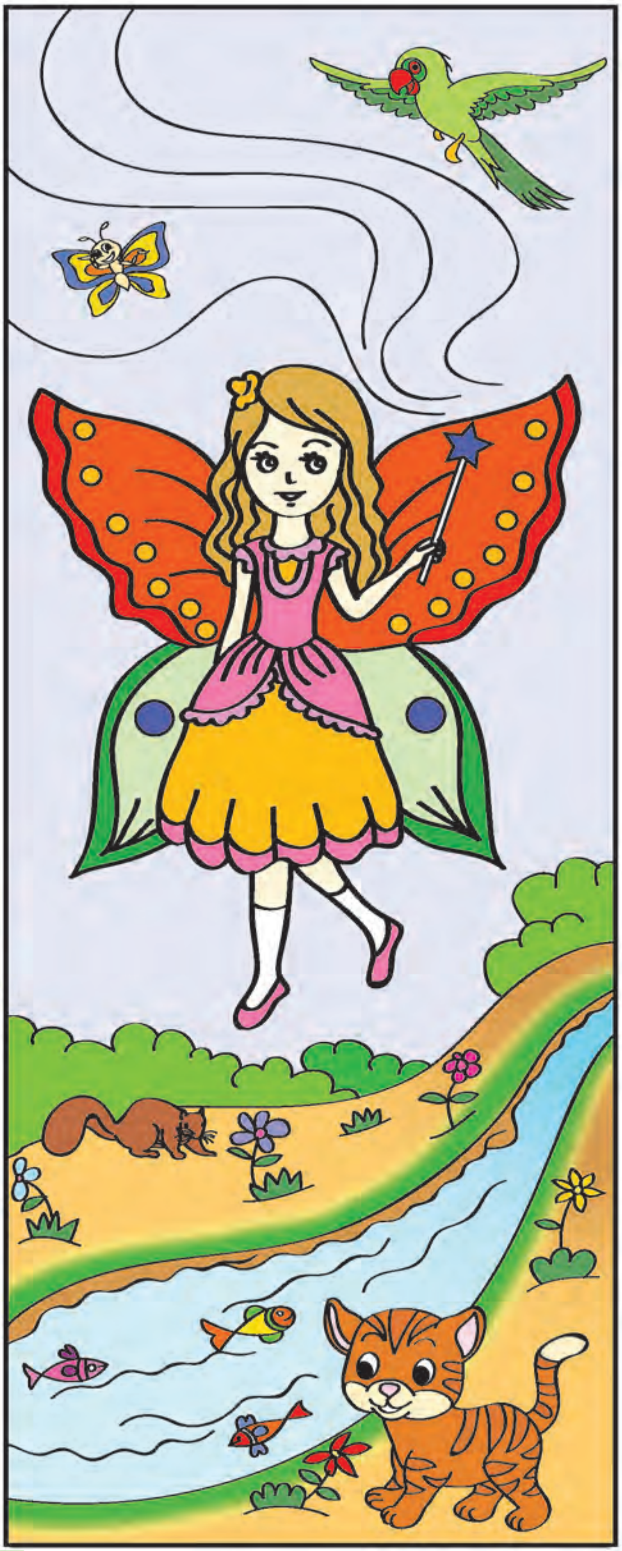

पुनरावर्तन–१

१. खाने–पीने की चीजों को चुनकर दूसरे घड़े पर लिखो :

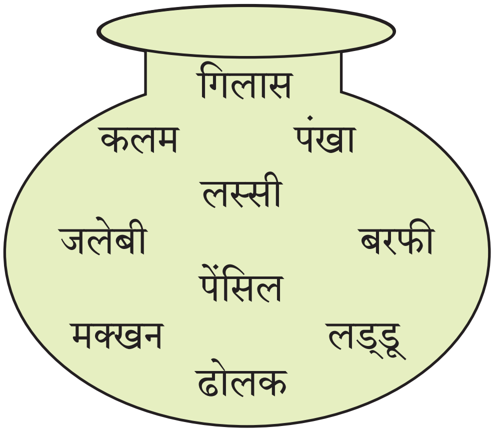
गिलास
कलम
पंखा
लस्सी
जलेबी
बरफी
पेंसिल
मक्खन
लड्डू
ढोलक

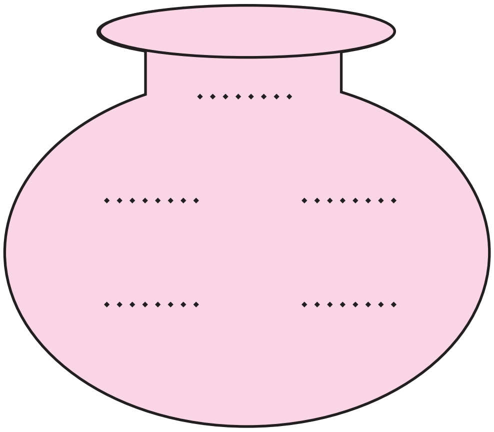

२. तारों में लिखे गए अक्षरों को मिलाकर नये–नये शब्द बनाओ और बताओ
(ध्यान रखें की रंगीन तारे में दिया गया अक्षर सभी शब्दों में आए ।)

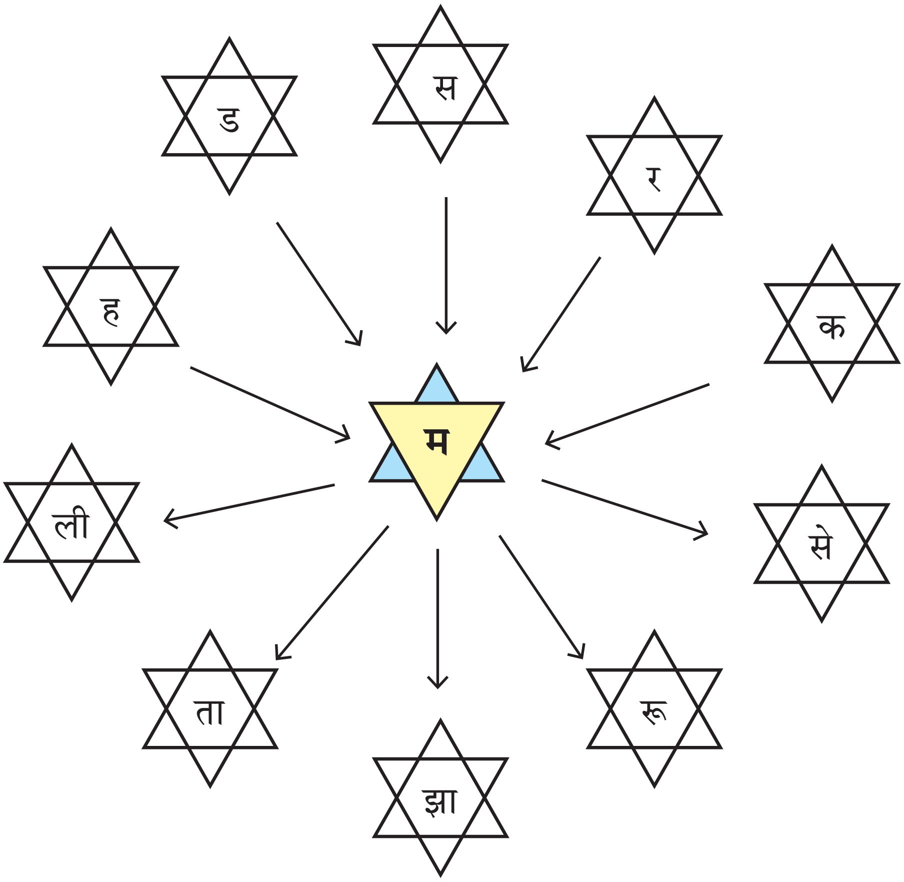
ड
स
र
ह
क
म
ली
से
ता
झा
रू

जैसे – सम, समझा

३. **नीचे कुछ आदतें दी गई हैं। उनमें से तुम कौन-सी आदतें अपनाते हो? उसके सामने सही ✓ निशान लगाएँ :**

(१) नाखून काटना। ☐ (२) देर तक सोना। ☐
(३) बड़ों का सम्मान करना। ☐ (४) खाना खाने से पहले हाथ धोना। ☐
(५) मित्रों से झगड़ना। ☐ (६) खुली चीजें खाना। ☐
(७) हरी सब्जियों का सेवन करना। ☐ (८) झूठ बोलना। ☐
(९) समय पर पाठशाला न आना। ☐ (१०) मीठे बोल बोलना। ☐

४. **शब्दों की अंताक्षरी खेलो :**

गुड़िया - यज्ञ - ज्ञानी - नल - लड़का ....

५. **घर से पाठशाला आते समय दिखाई देने वाली दुकानों के फलक पढ़ो और लिखो :**

....

....

....

६. **नीचे दिए गए शब्दों को सही तालिका में लिखो :**

पेंसिल मंथन बस्ता हिरन खुशी खरगोश चूड़ियाँ
कमला जूता भालू सायली जिराफ कुर्सी कंचन शेर

प्राणी	वस्तु	नाम

पूर्वानुभव – देखो और बताओ :

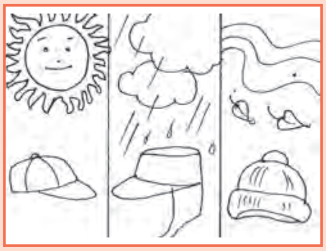

* ऋतुएँ

– *प्रतीक साकेत*

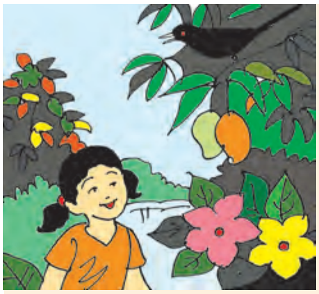

कोयल गाए मधुर तराना, ऋतु बसंत जब आए,
पेड़ पौधे फूल पत्तियाँ, मन को बहुत सुहाए ।

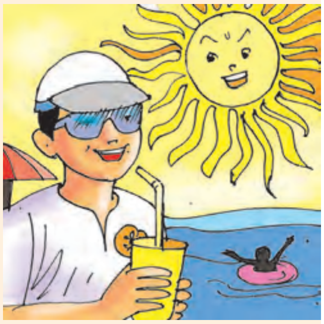

ग्रीष्म ऋतु में तपता सूरज, देखो आँख दिखाए,
कोई ठंडा शरबत पीता, डुबकी कोई लगाए ।

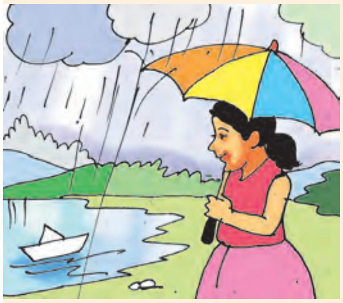

वर्षा ऋतु में छाता भाए, ठंडी बौछारों से बचाए,
कागज की जब नाव चले, बिटिया गदगद हो जाए ।

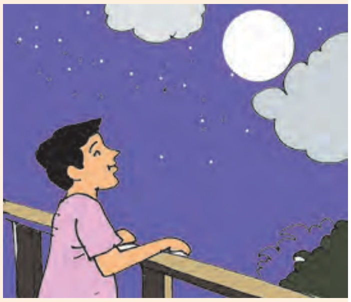

ऋतु शरद की पूनम आई, चाँद बहुत मुसकाए,
शीतलता नभ से बरसे है, मन की प्यास बुझाए ।

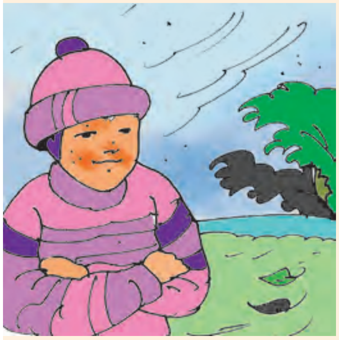

ऋतु हेमंत की बेला के संग, मंद हवा ने ठंड बढ़ाई,
स्वेटर पहनो, टोपी पहनो, सारे ओढ़ो गरम रजाई ।

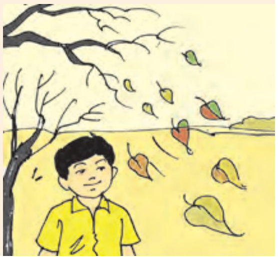

ऋतु शिशिर ने करी घोषणा, पतझड़ आया, पतझड़ आया,
तेज हवा ने तब झकझोरा, पेड़ों से पत्तों को झड़ाया ।

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

१. हमारे त्योहार

घर–घर दीप जलाएँ, प्रकाश का पर्व मनाएँ ।

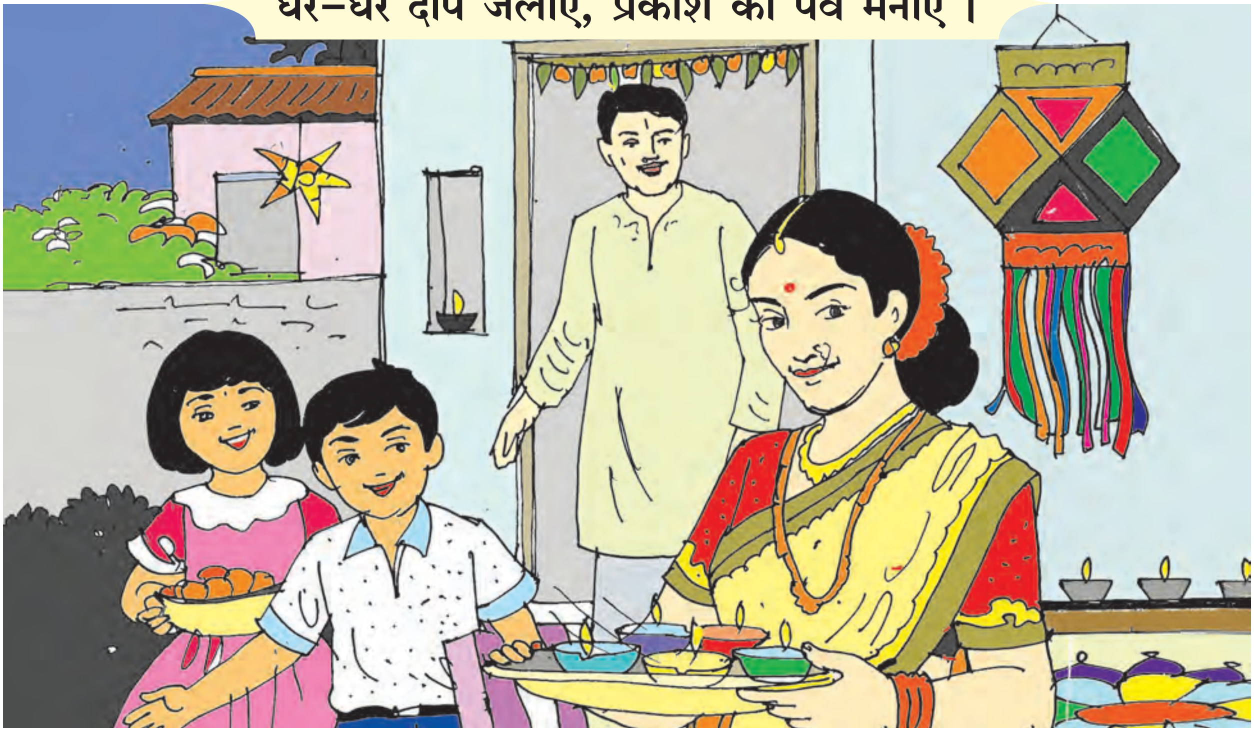

शीर–खुरमे का स्वाद, ईद रहे सदा याद ।

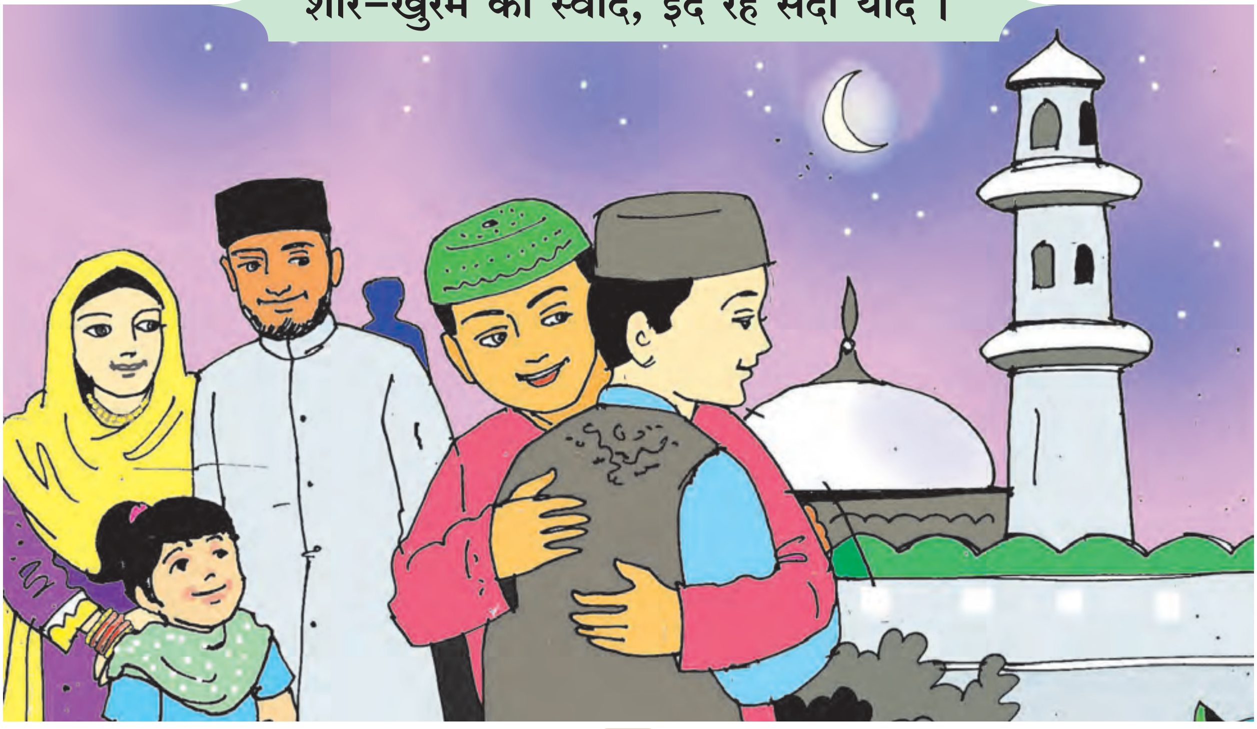

दूसरी इकाई

सांता आया, उपहार लाया ।

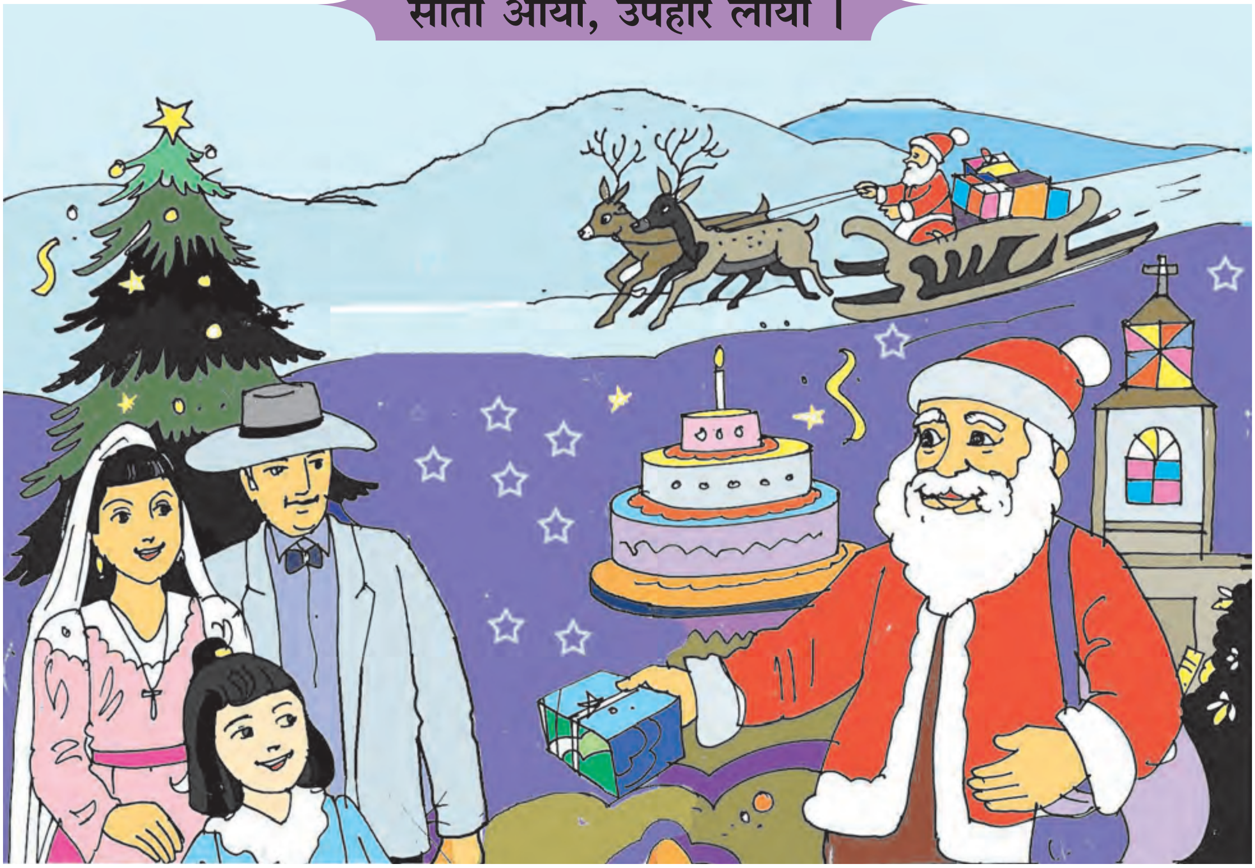

आया बैसाखी का त्योहार, घर-घर भांगड़े की बहार ।

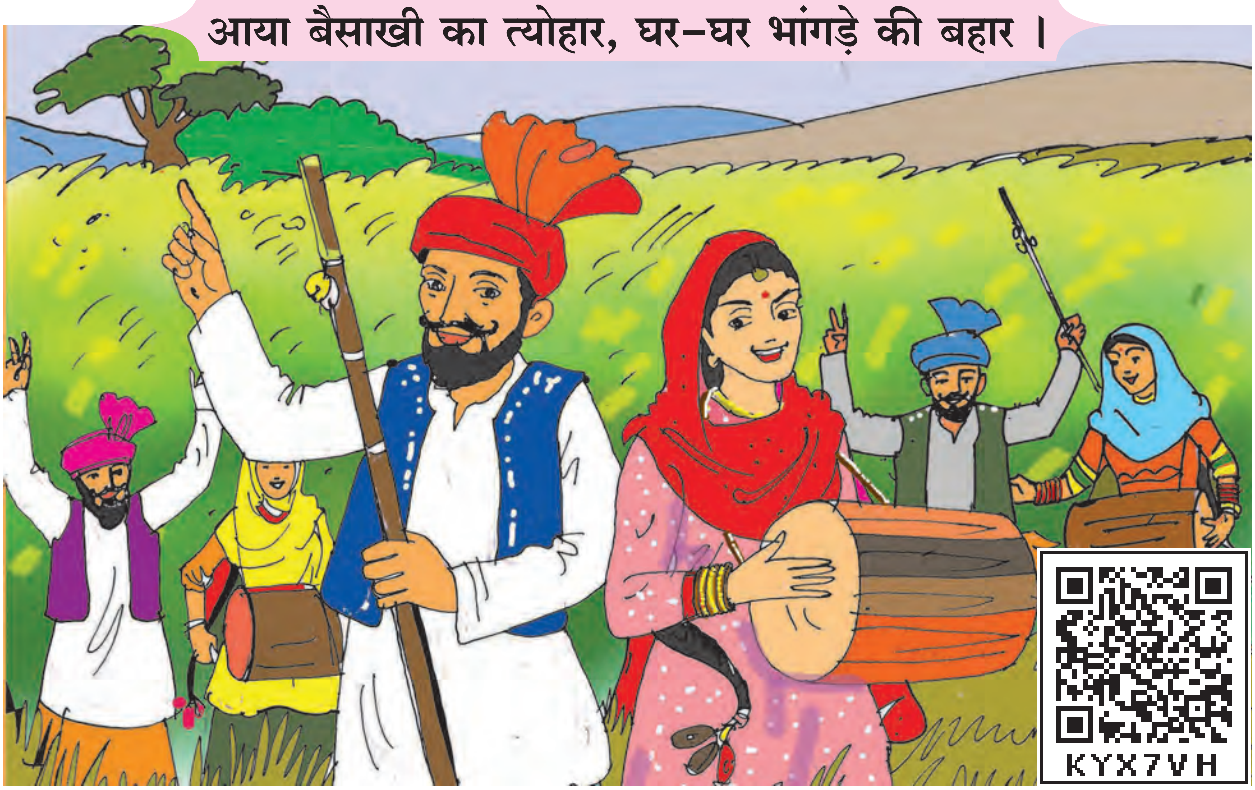

KYX7VH

कविता – सुनो, दोहराओ और गाओ :

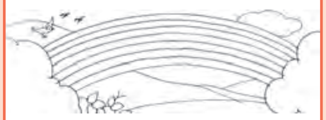

२. इंद्रधनुष

– *घमंडीलाल अग्रवाल*

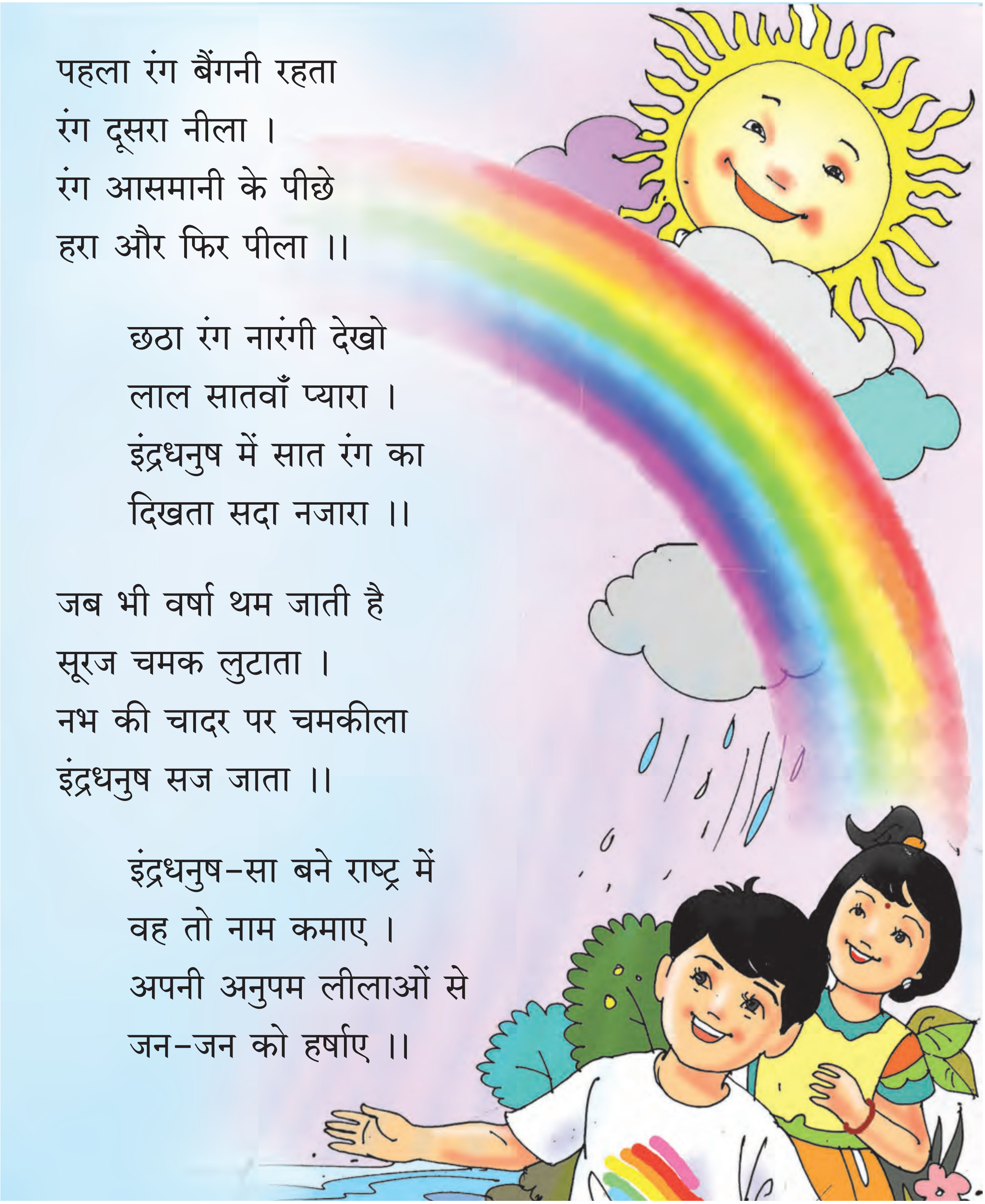

पहला रंग बैंगनी रहता
रंग दूसरा नीला ।
रंग आसमानी के पीछे
हरा और फिर पीला ।।

छठा रंग नारंगी देखो
लाल सातवाँ प्यारा ।
इंद्रधनुष में सात रंग का
दिखता सदा नजारा ।।

जब भी वर्षा थम जाती है
सूरज चमक लुटाता ।
नभ की चादर पर चमकीला
इंद्रधनुष सज जाता ।।

इंद्रधनुष-सा बने राष्ट्र में
वह तो नाम कमाए ।
अपनी अनुपम लीलाओं से
जन-जन को हर्षाए ।।

स्वाध्याय

१. चंद्रबिंदुयुक्त (ँ)शब्दों को सुनो और दोहराओ :

माँ	हाँ	आँचल	दाँत
पहुँच	जाऊँगा	धुआँ	परियाँ

२. उत्तर बताओ :

(१) इंद्रधनुष के कुल रंग – ....

(२) इंद्रधनुष यहाँ दिखाई देता है – ....

(३) इंद्रधनुष का पहला रंग – ....

३. पढ़ो, समझो और नीचे दिए रंगों की एक वस्तु बताओ :

इंद्रधनुष के रंगों का क्रम (बैं नी आ ह पी ना ला)

४. नाम लिखो :

(१) चमक लुटाता है । →

(२) सज जाता । →

५. दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :

ठ	ढ	ड़	ढ़	ण	ड	ट
....	....	....	....	....	....	......

क्या तुमने इंद्रधनुष देखा है ?

इंद्रधनुष के बारे में बताओ ।

W6PIGQ

चित्रकहानी – पढ़ो और लिखो :

३. बातूनी कछुआ

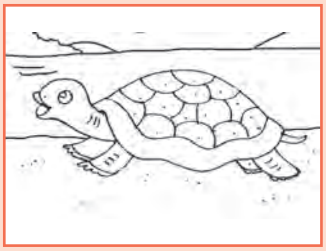

जंगल के बीच एक सुंदर 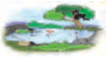 था । वहाँ 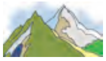 से दो 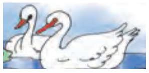 आते थे । उसी 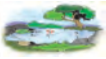 में एक 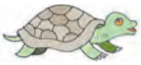 भी रहता था । वह हरदम बक-बक करता था । 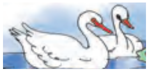 और 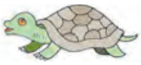 में मित्रता थी । 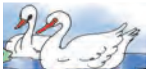 ने एक दिन 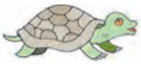 से कहा कि इस 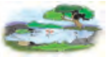 का पानी जल्दी ही सूखने वाला है । तुम्हें अपने लिए कुछ सोचना पड़ेगा । अब क्या करना है?

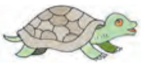 ने कहा, ''तुम ही कुछ सहायता करो ।'' 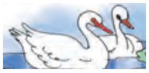 ने उसे अपने साथ बड़े 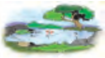 में चलने का सुझाव दिया । 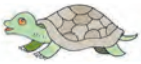 भी उनकी बात मान गया । उन्होंने 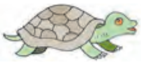 के सामने एक शर्त रखते हुए कहा कि तुम बहुत बातूनी हो, सफर में बिलकुल नहीं बोलना । 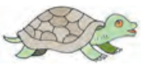 ने शर्त मान ली । 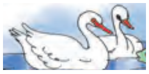 ने 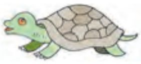 से एक लकड़ी को बीचोंबीच पकड़ने के लिए कहा और वे 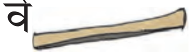 के दोनों सिरों को अपनी-अपनी 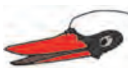 से पकड़कर उड़ चले ।

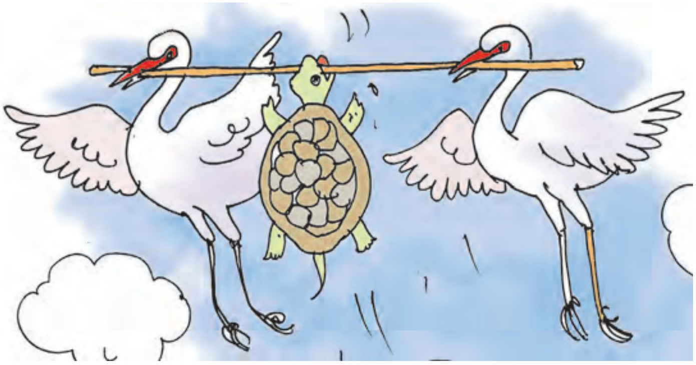

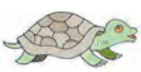 हंसों के साथ 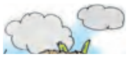 में उड़कर खुश हुआ । नीचे धरती के दृश्य देखकर अपने आप को रोक नहीं पाया, अचानक बोल पड़ा । जैसे ही वह बोला, उसके मुँह से 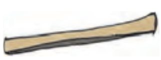 छूट गई और 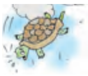 तालाब में गिर पड़ा ।

स्वाध्याय

१. **सही ✓ या गलत ✕ चिह्न लगाओ :**

(१) कछुआ हरदम बक-बक करता था । ☐

(२) हंस तथा कछुए में शत्रुता थी । ☐

(३) जंगल के बीच एक सुंदर तालाब था । ☐

(४) कछुए ने हंसों की शर्त नहीं मानी । ☐

२. **पशुओं तथा पक्षियों के अंगों को पहचानकर उनके नाम पढ़ो और जोड़ियाँ मिलाओ :**

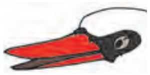
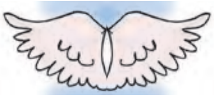
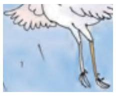
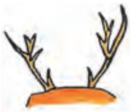
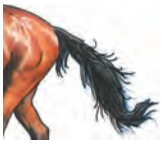
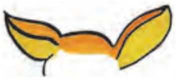

सींग पैर चोंच कान पंख पूँछ

३. **रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :**

(१) जंगल के बीच एक ····· तालाब था ।

(२) कछुआ ····· में रहता था ।

(३) कछुए ने कहा, ‘‘आप ही कुछ ····· करो ।’’

(४) कछुए के मुँह से ····· छूट गई ।

४. **कृति पूर्ण करो :**

पाठ में आए चित्रों के नाम

☐ ☐ ☐ ☐

५. **दूरदर्शन पर देखा हुआ शिक्षाप्रद विज्ञापन सुनाओ ।**

तुम्हारी कभी किसी ने सहायता की है ?
तुम अपने मित्र की सहायता कैसे करते हो ?

93BD6L

चित्र निरीक्षण – देखो, समझो और बताओ :

४. किसान एक अन्नदाता

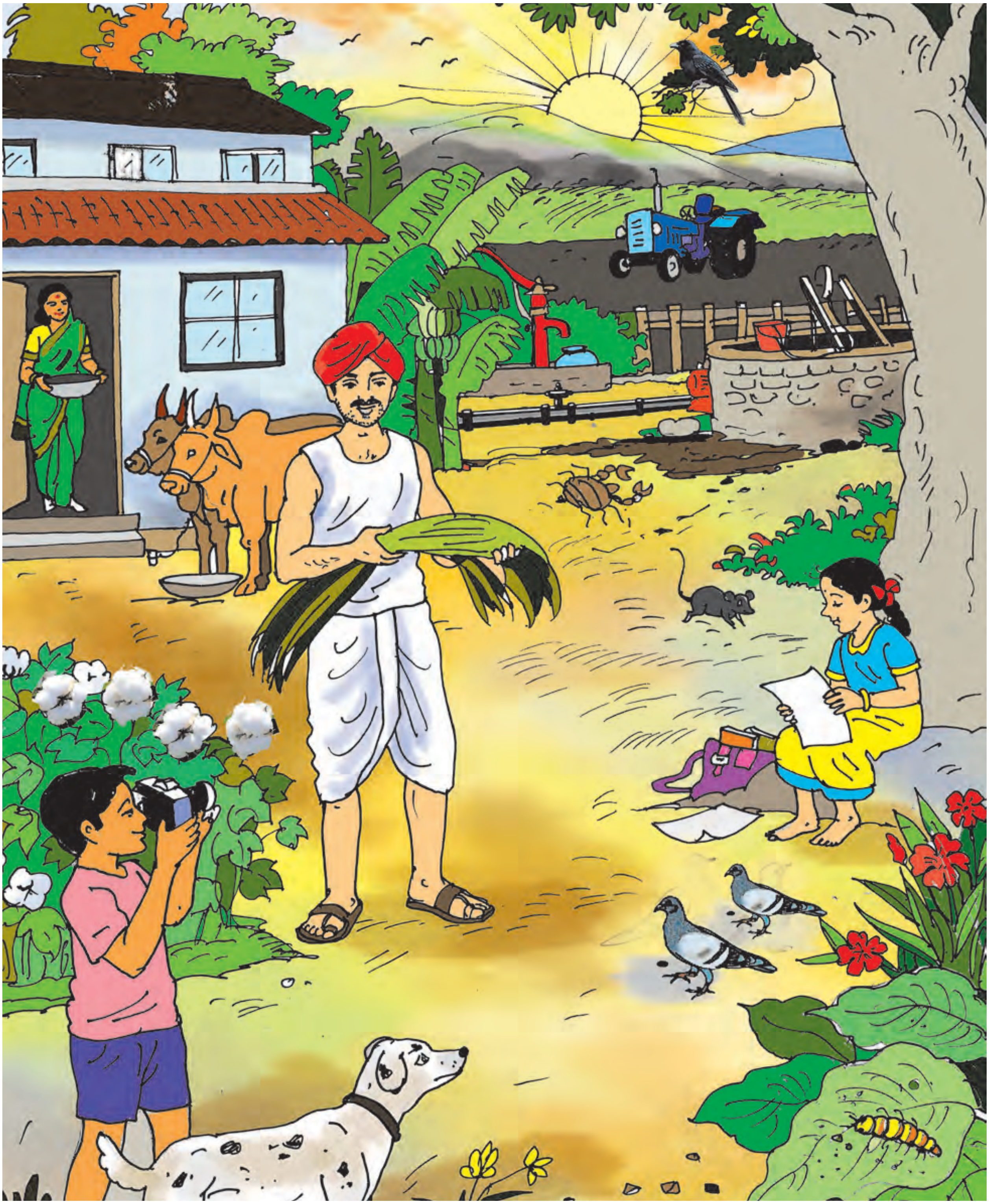

स्वाध्याय

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

कपास कागज किरण कीचड़ कुआँ

कूकना कृषक केकड़ा कैमरा कोमल

कौस्तुभ कंकड़ काँच कॉक मूषकः

२. पेड़ की आत्मकथा पढ़ो ।

३. दिए गए अधूरे शब्दों में उचित मात्रा चिह्न लगाकर शब्द पुनः लिखो :

(१) क ज : .... (२) अजीर : ....

(३) मनक्का : .... (४) ल ग : ....

(५) ज रा : .... (६) जतून : ....

(७) कसर : .... (८) मँगफली : ....

(९) अखर ट : .... (१०) कशमिश : ....

४. किसान से बातचीत करके उसकी दिनचर्या बताओ ।

५. दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :

थ	ध	न	द	त
....	....	....	....	....

तुमने खेत में क्या-क्या देखा ?

XVJ2KD

आत्मकथा – सुनो, समझो और पढ़ो :

५. जोकर

मैं एक जोकर हूँ । **रंग–बिरंगे** कपड़े पहनता हूँ । चेहरे पर सफेद रंग लगाता हूँ और नाक पर **लाल–लाल** गेंद चिपकाता हूँ । मेरे बाल **सफेद–काले** और घुँघराले हैं । मैं सदा **उछलता–कूदता**, **हँसता–हँसाता** हूँ । कभी **भागता–भगाता** हूँ । **चित्र–विचित्र हाव–भाव** कर कभी फिसलता तो कभी गिरता हूँ । मुझे देखकर **बाल–बच्चे** **हल्ला–गुल्ला** मचाते हैं ।

मैं **छोटे–बड़े** **गाँव–शहर** में जाता हूँ । मजेदार कलाबाजियाँ दिखाकर **अच्छे–भले** करतब करता हूँ । कभी **उल्टा–पुल्टा** तो कभी **आगे–पीछे** तो कभी **ऊपर–नीचे** छलाँगें लगाता हूँ । सीढ़ियों पर **सरसर–सरसर**, **चढ़ता–उतरता** हूँ । **गोल–गोल** रिंग से **आर–पार** हो जाता हूँ । हँसाना मेरा काम है । जोकर मेरा नाम है ।

स्वाध्याय

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

धीरे-धीरे	सुख-दुख	खेलते-कूदते	ठीक-ठाक
हँसी-खुशी	पढ़ाई-लिखाई	घर-परिवार	आते-जाते

२. ‘जोकर’ की विशेषताओं पर चर्चा करो ।

३. लिखो :

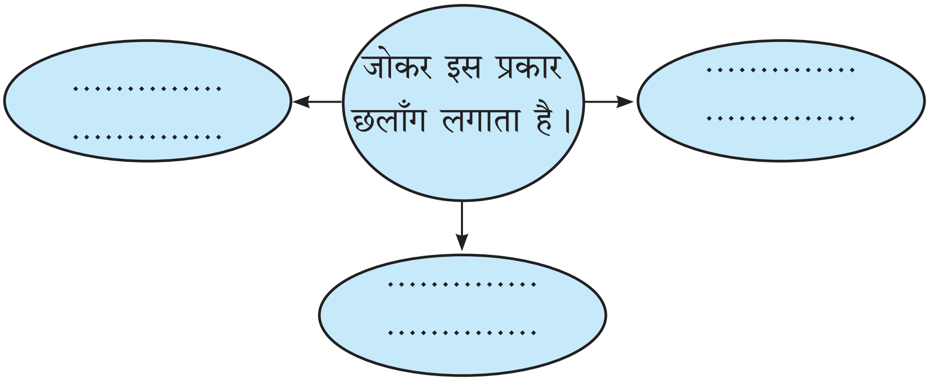

जोकर इस प्रकार छलाँग लगाता है।

....
....

....
....

....
....

४. पहचानो और चेहरे के भाव बताओ :

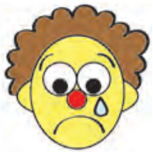

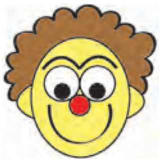

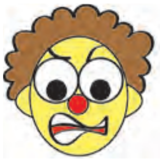

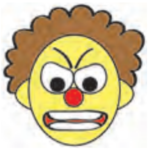

५. दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :

फ	भ	म	ब	प
....	....	....	....	....

क्या तुमने जोकर को देखा है ?

तुम्हें जोकर का कौन-सा करतब पसंद आया ?

AS5WA9

बाल कहानी – सुनो, समझो और पढ़ो :

६. जल्दबाजी

– पूनम श्रीवास्तव

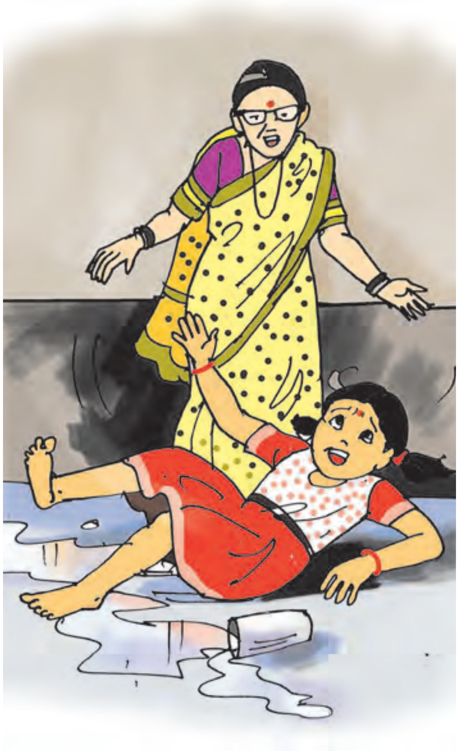

संजना नाम की एक लड़की थी । वह दूसरी कक्षा में पढ़ती थी । बहुत चुलबुली और चंचल स्वभाव की थी । वह बहुत होशियार भी थी । पास-पड़ोस में सभी की मदद करती थी परंतु उसे हर काम जल्दबाजी में करने की आदत थी । इसी गड़बड़ी में उसके सारे काम बिगड़ जाते थे ।

घर में भी हड़बड़ी में उसके हाथों से बर्तन गिरते थे । उसका किसी से टकराना तो आम बात थी । एक दिन जल्दी में वह दादी माँ से टकरा गई । खुद भी गिर गई और पानी का गिलास भी गिर गया । दादी माँ ने उसे समझाया कि हड़बड़ी ना करे ।

एक दिन की बात है, वह पाठशाला के सामने रिक्शे से उतर रही थी । जल्दबाजी में बस्ता रिक्शे में फँसकर फट गया । बस्ते से सारा सामान जमीन पर गिर गया । यह देखकर वह रोने लगी । रिक्शावाले काका ने उसे समझाया, ‘‘बेटी संजना, कोई काम जल्दबाजी में नहीं करना चाहिए । इससे काम बिगड़ जाता है ।’’ रिक्शेवाले ने अपने पास की एक थैली में उसका सारा सामान रखकर दे दिया ।

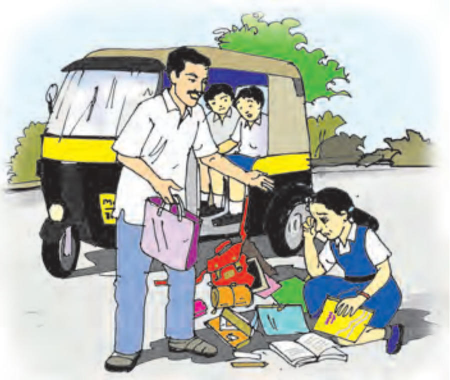

संजना ने कहा, ‘‘काका जी आप ने सही कहा । आज से मैं निश्चय करती हूँ कि कोई काम जल्दबाजी में नहीं करूँगी ।’’ रिक्शावाले काका जी को धन्यवाद देती हुई वह पाठशाला की ओर चल पड़ी ।

स्वाध्याय

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

बस्ता पुस्तक रबड़ पेंसिल खाने का डिब्बा

कॉपी कलम रंग कंपास पानी की बोतल

२. सुनो और बताओ :

एक वचन	बहुवचन	एक वचन	बहुवचन
(१) एक बेटी	अनेक बेटियाँ	(४) एक आम	ढेरों ....
(२) एक पुस्तक	कई	(५) एक कक्षा	कुछ ....
(३) एक तारा	सात	(६) एक चिड़िया	बहुत ....

३. दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :

र	व	ल	य
....	....	....	....

ष	ळ	ह	स	श
....	....	....	....	....

४. लिखो :

(१) लड़की का नाम : ....

(२) संजना की कक्षा : ....

(३) संजना का स्वभाव : (१) .... (२) ....

५. कक्षा में 'रिक्शावाले काका' पर चर्चा करो ।

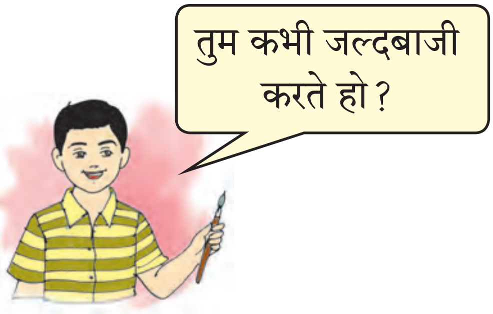
तुम कभी जल्दबाजी करते हो ?

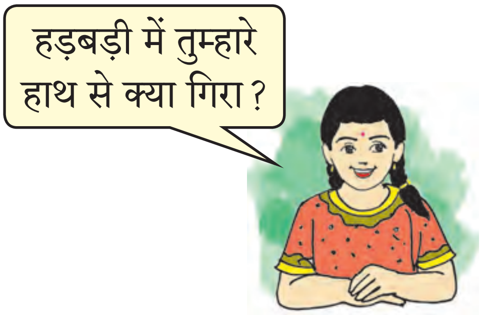
हड़बड़ी में तुम्हारे हाथ से क्या गिरा ?

MNRQZ5

हास्य कविता – सुनो, दोहराओ और गाओ :

७. इधर-उधर

– डॉ. रमेश मिलन

इधर-उधर दो भाई पेटू,
पहुँच गए ननिहाल ।
हलुवा, लड्डू, गरम जलेबी,
खूब छके तर माल ।

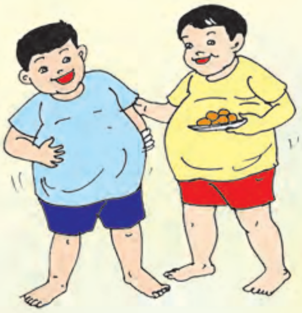

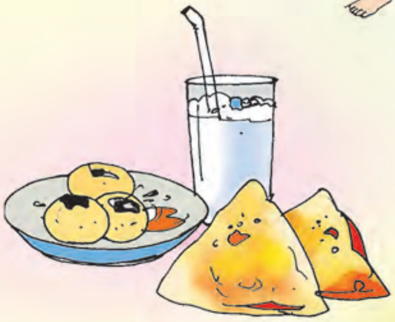

उछल इधर ने कूद उधर ने,
रबड़ी खूब उड़ाई ।
पानी पूरी गरम समोसे,
लस्सी और नरम मलाई ।

रसगुल्ले, बरफी खा-खाकर
हुए नगाड़े पेट ।
बजे दर्द के ढोल-ढमाके
गए वहीं पर लेट ।

देख डॉक्टर को दोनों में,
मच गई मारामारी ।
इधर को पकड़ा, उधर को जकड़ा,
सुई लगाई भारी ।

कान पकड़कर इधर-उधर अब,
बोले राम दुहाई ।
है जी का जंजाल मिठाई,
समझ हमें अब आई ।

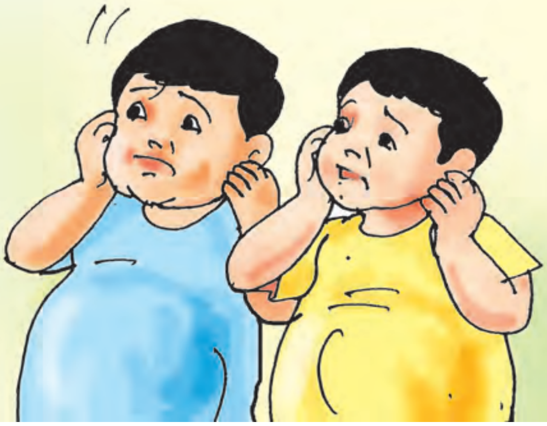

स्वाध्याय

१. शब्दों की अंताक्षरी खेलो :

जैसे : खेत – तारा – रानी – नीला – ...... – ...... – ......

२. लययुक्त शब्दों को सुनो और समझो :

चूड़ियों की	–	खनखनाहट	हवा की	–	सरसराहट
पत्तों की	–	खड़खड़ाहट	बादलों की	–	गड़गड़ाहट
पायल की	–	छम-छम	पानी की	–	कलकल

३. दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :

त्र	श्र	ज्ञ	क्ष
....	....	....	....

४. सोचो और लिखो :

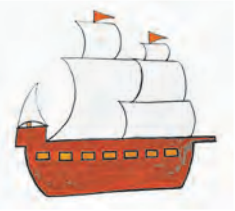

		त		ला
		बू		
	हा			

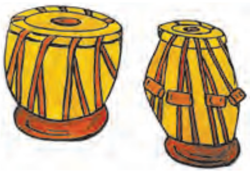

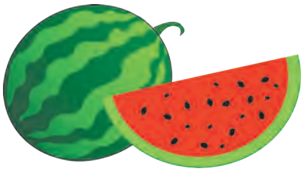

५. सब्जियाँ खाने का महत्त्व माँ से जानो और बताओ ।

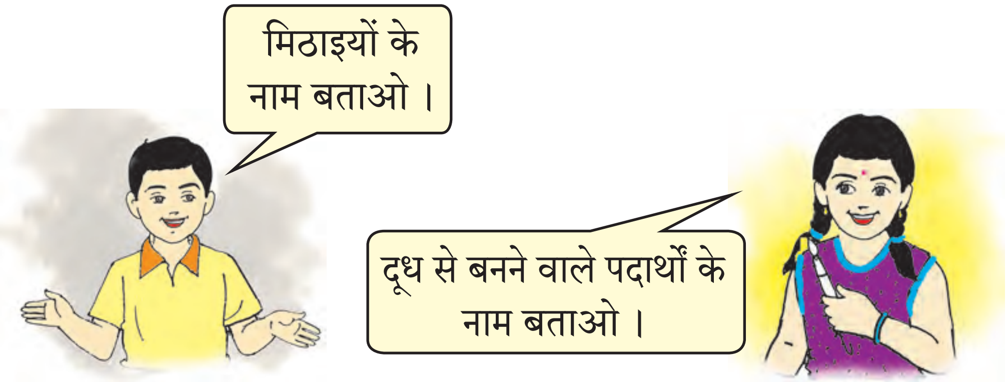
मिठाइयों के नाम बताओ ।
दूध से बनने वाले पदार्थों के नाम बताओ ।

2A84SN

वाचन – पढ़ो, समझो और बनाओ :

८. बंदनवार

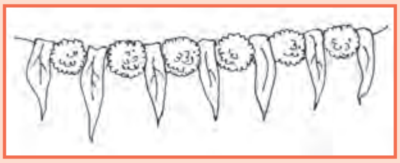

आओ, बड़ों की सहायता से गेंदे के फूलों का बंदनवार बनाओ ।

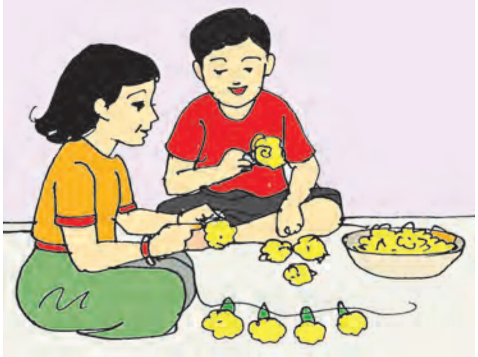

सामग्री : गेंदे के फूल और मोटा धागा ।

विधि :

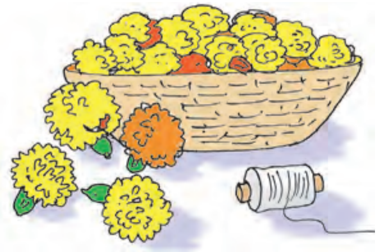

(१) कुछ गेंदे के फूल लो ।

(२) मोटा धागा लो ।

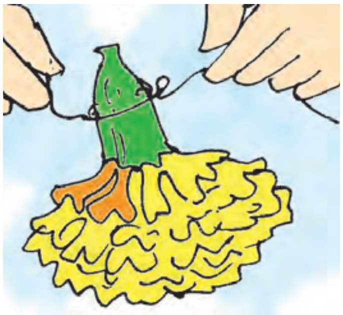

(३) गेंदे के फूल के डंठल को पकड़ो ।

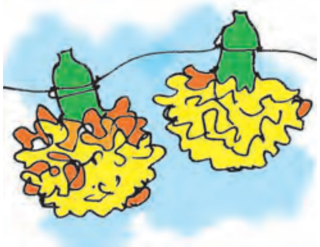

(४) धागे की सहायता से डंठल पर गाँठ बाँधो ।

(५) दूसरा फूल लो, उसके डंठल पर भी गाँठ बाँध लो ।

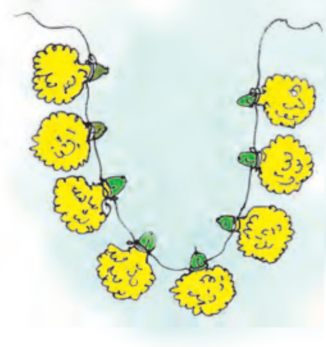

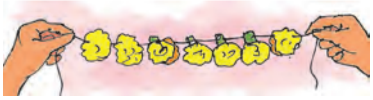

(६) ऐसे ही एक-एक करके फूलों की डंठल पर गाँठ बाँध लो ।

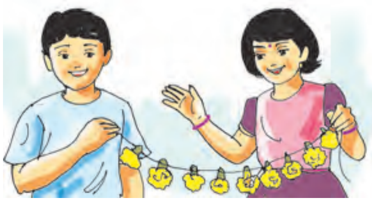

(७) इसी तरह से फूलों का बंदनवार पूरा करो ।

लो, बन गया बंदनवार ।

पुनरावर्तन-२

१. सुनो और बार-बार बोलो :

(१) हमें हर जगह स्वच्छता रखनी चाहिए ।

(२) बड़ों का आदर करना चाहिए ।

(३) पानी बचाना चाहिए ।

(४) समय का सदुपयोग करना चाहिए ।

(५) गरीबों की सहायता करनी चाहिए ।

२. बताओ और लिखो :

(१) परिवार में सदस्यों की संख्या ....

(२) माता जी का नाम ....

(३) पिता जी का नाम ....

(४) तुम्हारी पसंद के खेल .... , ...

(५) तुम्हारे प्रिय फल .... , ...

(६) तुम्हारी पसंद के प्राणी .... , ...

३. चित्रों के आधार पर कहानी सुनाओ :

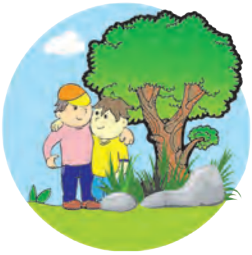

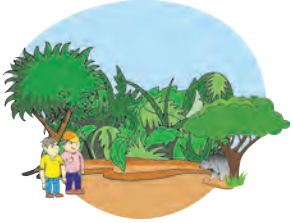

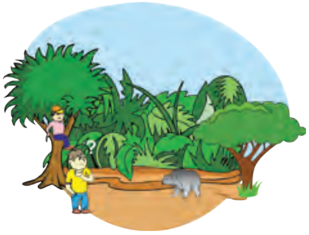

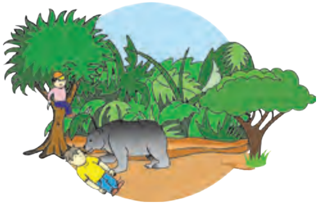

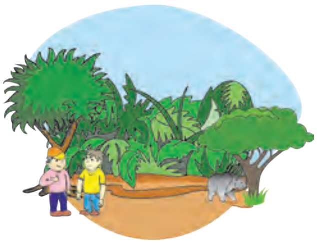

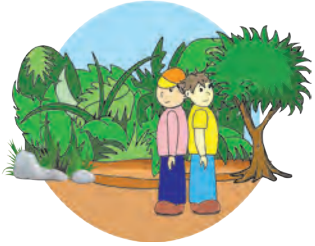

४. खेल–खेल में शब्द बनाओ :

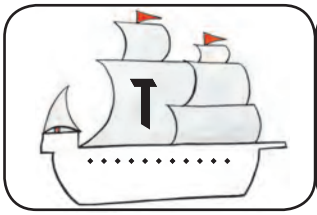

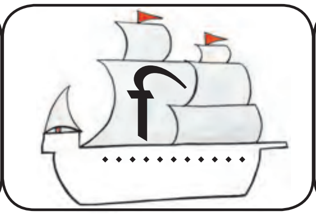

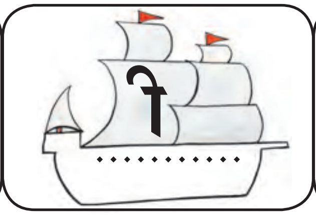

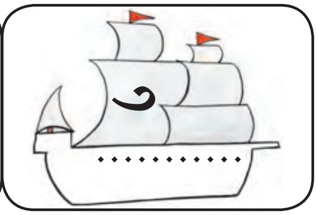

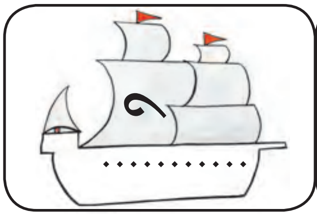

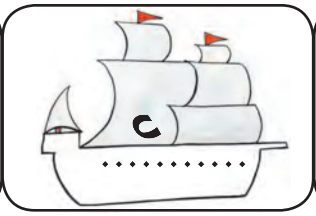

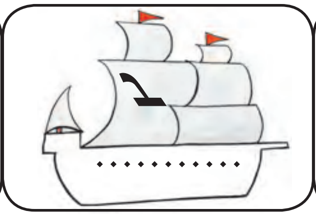

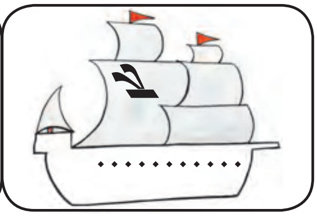

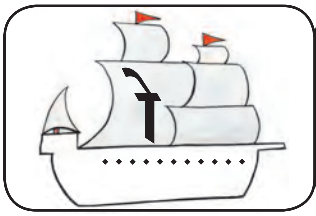

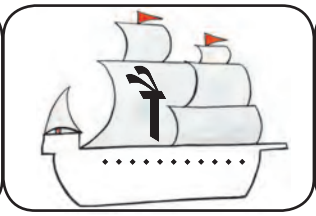

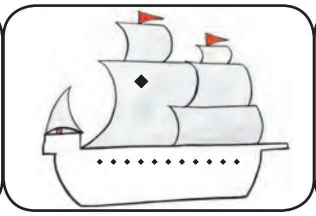

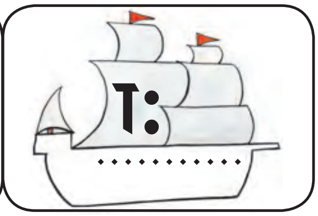

५. पढ़ो और समझो :

गाना	चिड़िया	लीची	कुमार
नुपूर	कृति	पेड़	पैसे
ओजस	नौरोज	अंबर	प्रात:

६. देखें कितना जानते हो ?

(१) सप्ताह में कितने दिन होते हैं?

(२) मुख्य दिशाएँ कितनी होती हैं?

(सात/चार)

(३) जून माह में कितने दिन होते हैं?

(४) जनवरी माह में कितने दिन होते हैं?

(३०/३१)

(५) किस वाहन में अधिक लोग बैठ सकते है?

(६) पानी में चलने वाला वाहन कौन–सा है?

(बस/नौका)

पूर्वानुभव – देखो, बताओ और पढ़ो :

* वनभोज

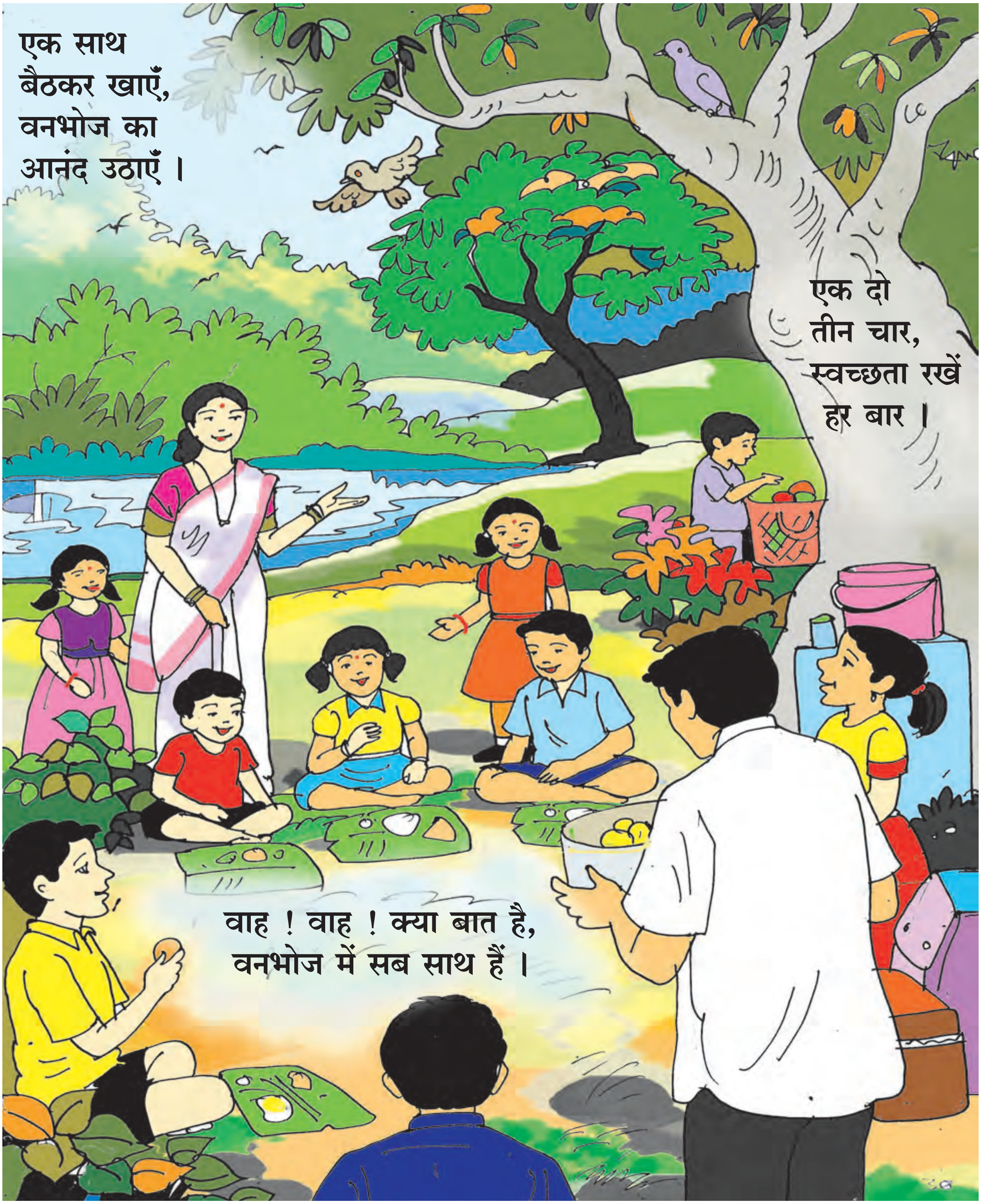

एक साथ
बैठकर खाएँ,
वनभोज का
आनंद उठाएँ ।

एक दो
तीन चार,
स्वच्छता रखें
हर बार ।

वाह ! वाह ! क्या बात है,
वनभोज में सब साथ हैं ।

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

१. हमें पहचानो

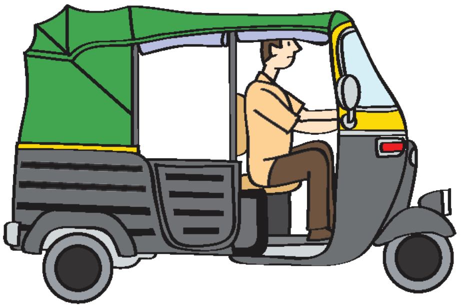

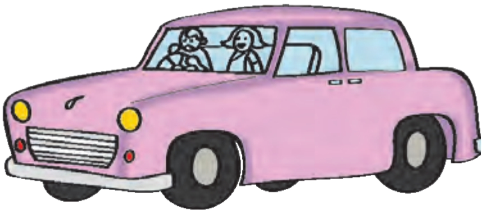

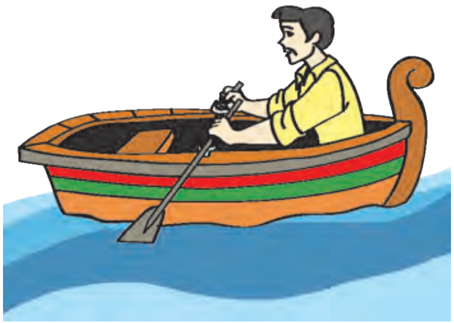

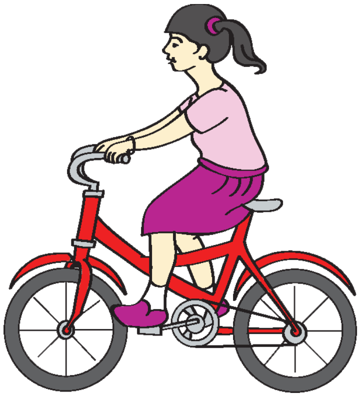

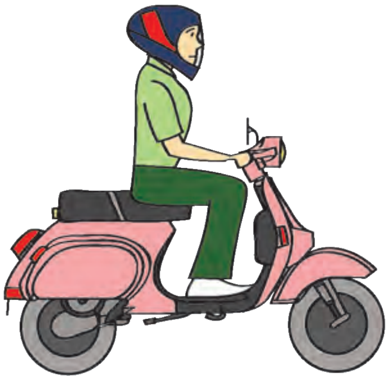

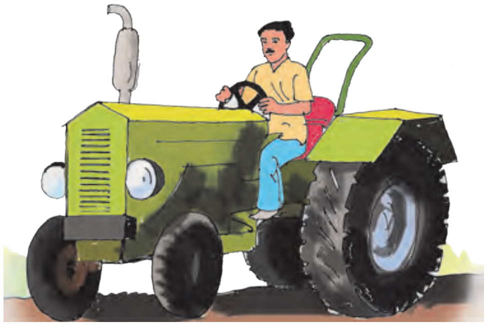

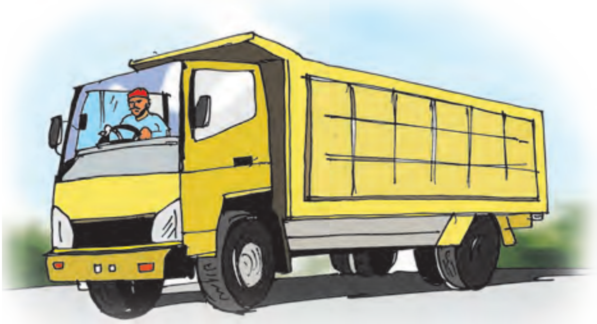

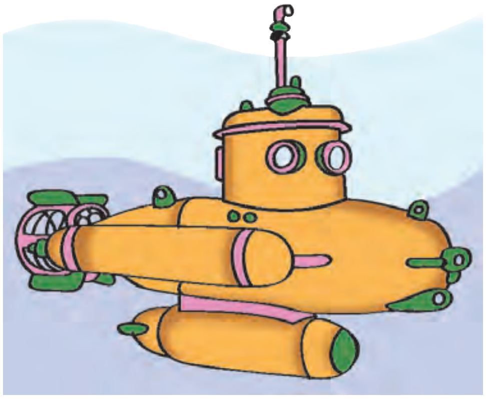

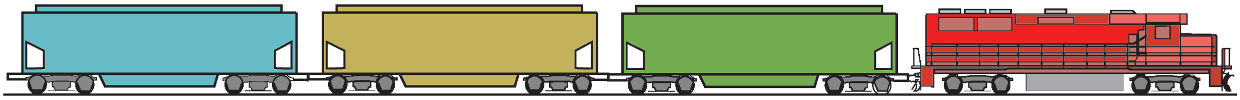

तीसरी इकाई

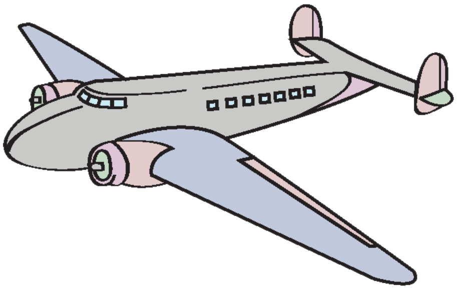

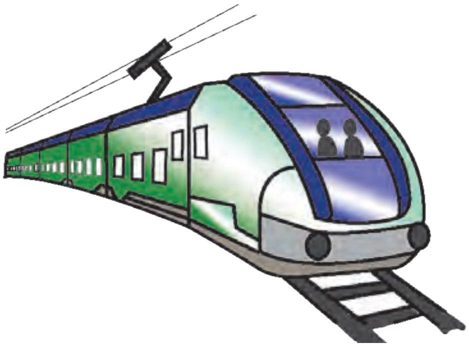

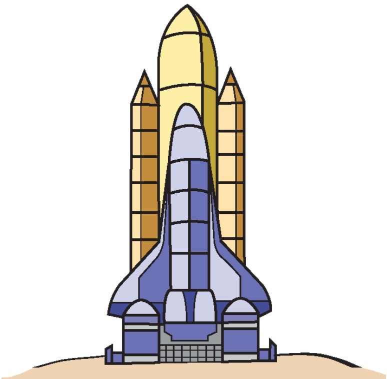

CGZFDW

गीत – पढ़ो और गाओ :

२. बेमिसाल

– डॉ. शेरजंग गर्ग

जो कुछ भी हो बेमिसाल हो,
सुलझा-सुलझा हर सवाल हो,
नया रंग हो, नया हाल हो,
नए साल में यह कमाल हो ।

सच्चे जीतें, झूठे हारें,
देश-जाति का रूप निखारें,
सबका स्वागत करें बहारें,
केवल अच्छी बात विचारें ।

जो कुछ भी हो बेमिसाल हो,
नए साल में यह कमाल हो ।

पर क्या होगा, कहना मुश्किल,
मिल पाएगी कैसे मंजिल,
टूटेगा या खुश होगा दिल,
फिर भी सोचे-चाहे हिलमिल ।

जो कुछ भी हो बेमिसाल हो,
नए साल में यह कमाल हो ।

स्वाध्याय

१. सुनो और श्रुतलेखन करो :

(१) सवाल - हाल - कमाल

(२) हारें - निखारें - बहारें - विचारें

२. सुनो और दोहराओ :

(१) बेटा-बेटी एक समान ।

(२) लालच बुरी बला है ।

(३) सुंदर अक्षर एक अलंकार है ।

(४) जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान ।

३. सही शब्द चुनकर वाक्य पढ़ो :

(१) यह / ये चट्टान है । ....

(२) वह / वे खड़ा है । ....

(३) यह / ये कमीजें हैं । ....

(४) वह / वे लड़कियाँ हैं । ....

४. उचित शब्द बनाकर लिखो :

(१) स आ न मा = ...

(२) गि ब या = ...

(३) त या ता या = ...

(४) ग ब द र = ...

५. नया साल कब मनाते हो, बताओ ।

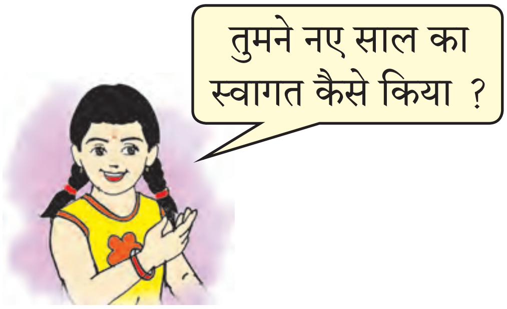
तुमने नए साल का स्वागत कैसे किया ?

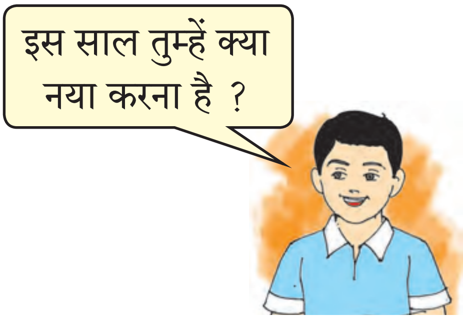
इस साल तुम्हें क्या नया करना है ?

PDLA3S

लेखन – देखो, समझो और लिखो :

३. ऊँट

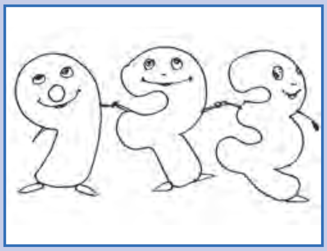

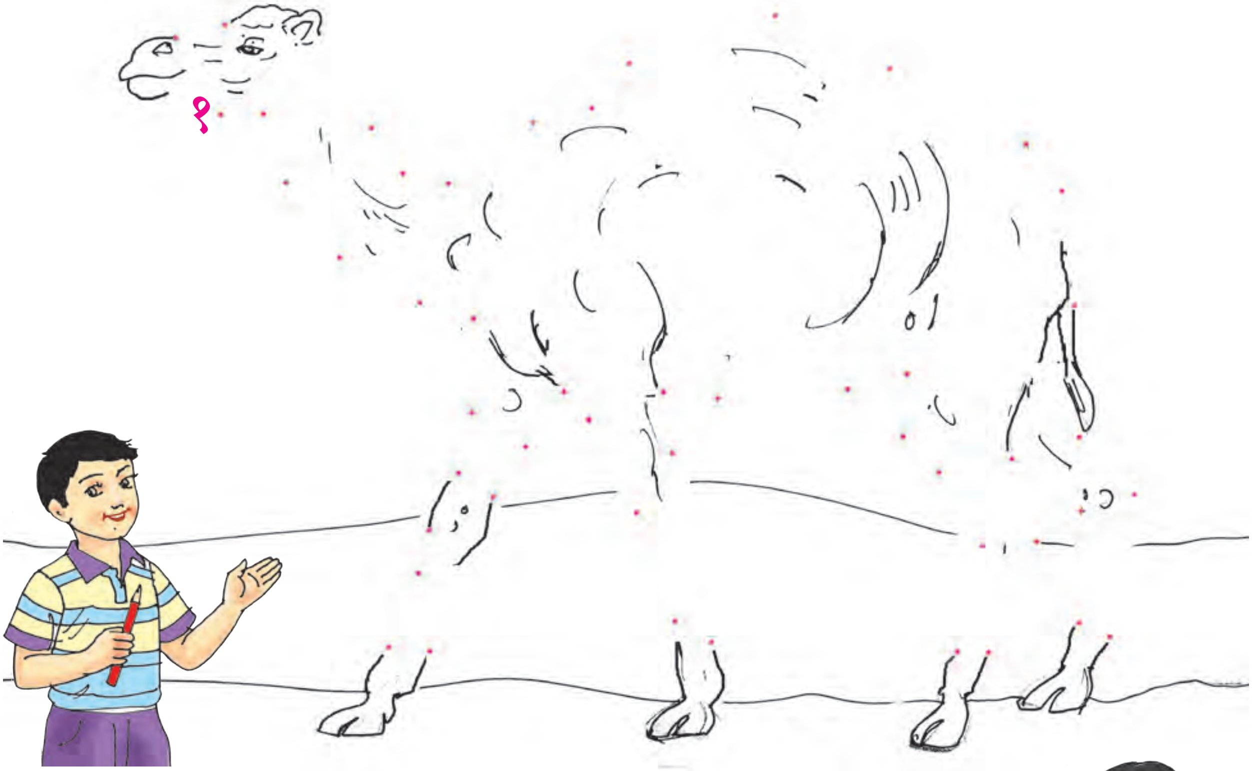

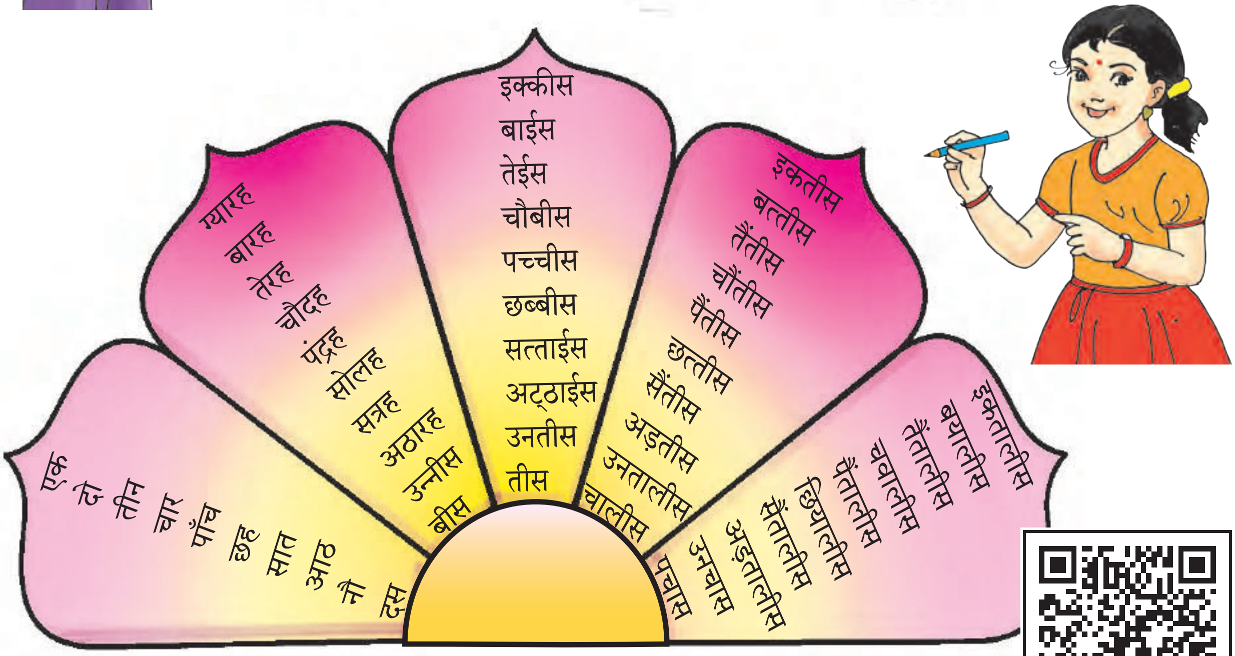
एक
दो
तीन
चार
पाँच
छह
सात
आठ
नौ
दस
ग्यारह
बारह
तेरह
चौदह
पंद्रह
सोलह
सत्रह
अठारह
उन्नीस
बीस
इक्कीस
बाईस
तेईस
चौबीस
पच्चीस
छब्बीस
सत्ताईस
अट्ठाईस
उनतीस
तीस
इकतीस
बत्तीस
तैंतीस
चौंतीस
पैंतीस
छत्तीस
सैंतीस
अड़तीस
उनतालीस
चालीस
इकतालीस
बयालीस
तैंतालीस
चवालीस
पैंतालीस
छियालीस
सैंतालीस
अड़तालीस
उनचास
पचास

HZRZPI

पहेली – पढ़ो और बताओ :

४. मैं कौन?

वर्षा में या धूप में,
आऊँ सबके काम,
मुझको सिर पर तानते,
बूझो मेरा नाम ।

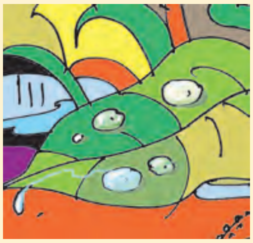

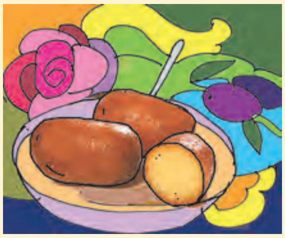

बाहर से साधु जैसी,
जटाधारी काया,
देह भले ही सख्त,
भीतर कोमल मन है पाया ।

सब लोगों का साथ सच्चा,
पूरे घर की करता रक्षा,
नाम है क्या मेरा तुम बोलो,
घर आओ तब मुझ को खोलो ।

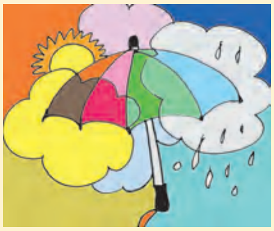

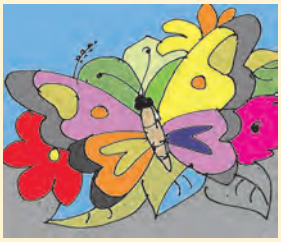

खुली रात में पैदा होती,
हरी घास पर सोती,
मोती जैसी मूरत मेरी,
बादल की मैं पोती ।

छह अक्षर का मेरा नाम,
आता हूँ खाने में काम,
आधा मैं फूलों में रहता,
आधा मेरा फलों का नाम ।

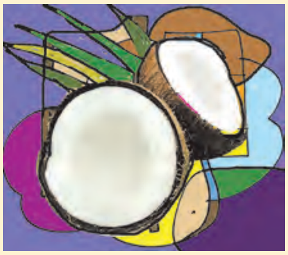

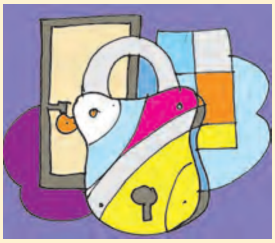

रंग-बिरंगी पोशाकों वाली,
फूल-फूल पर उड़ने वाली,
सब के मन को भाने वाली,
उड़ान है उसकी बड़ी निराली ।

चित्र निरीक्षण – देखो, समझो और बताओ :

५. दादी अम्मा की रसोई

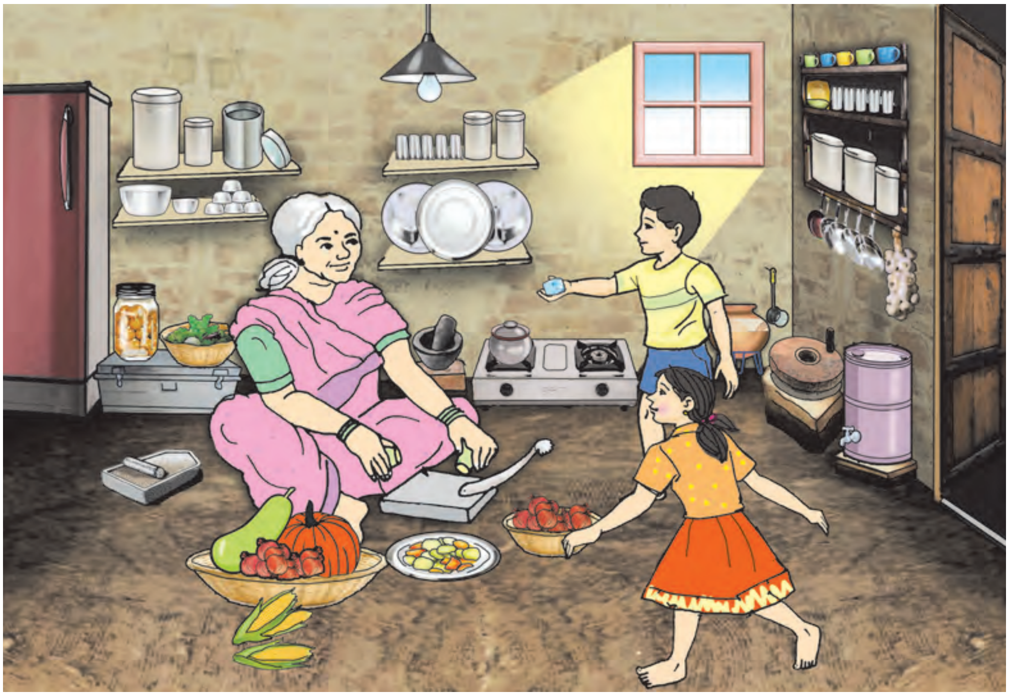

अम्मा : विट्ठल, मुस्कान आ गए तुम दोनों ?

मुस्कान : हाँ अम्मा ! प्रवीण और हर्ष भी हमारे साथ थे ।

विट्ठल : आज इफ्तिखार और अश्विन के साथ कबड्डी में आनंद आया ।

अम्मा : अच्छा ! मैं सब्जी काट रही हूँ । खाना बनाने में थोड़ा समय लगेगा ।

विट्ठल : जी अम्मा, तब तक हमें भुट्टा और डिब्बे में रखे लड्डू दे दो ।

अम्मा : हाँ ! ले लो न ! मैं चूल्हे पर कद्दू की सब्जी और भाकरी बनाती हूँ ।

मुस्कान : मुझे चटनी भी चाहिए, अम्मा ।

अम्मा : मुस्कान, सिलबट्टे पर चटनी कल बनाऊँगी ।

विट्ठल : मैंने ड्रम के पास रखे घड़े से पानी ले लिया ।

अम्मा : मुस्कान, घड़े का ढक्कन ठीक से रखना ।
बच्चो, भरपेट खाना खाकर अपनी पढ़ाई करो ।

स्वाध्याय

१. सुनो समझो और दोहराओ :

कद्दू चूल्हा भुट्टा ड्रम बर्फ मुस्कान
लड्डू चम्मच फ्रिज प्याज गुप्ती विट्ठल
हर्ष ढक्कन पत्ते प्रवीण सब्जी ट्रंक

२. पढ़ो और समझो :

(१) खुले में रखे खाद्य पदार्थ न खाएँ ।
(२) तली हुई चीजों का अधिक सेवन न करें ।
(३) सदैव स्वच्छ एवं भरपूर पानी पीएँ ।
(४) प्रतिदिन व्यायाम करें ।

३. संजाल पूर्ण करो :

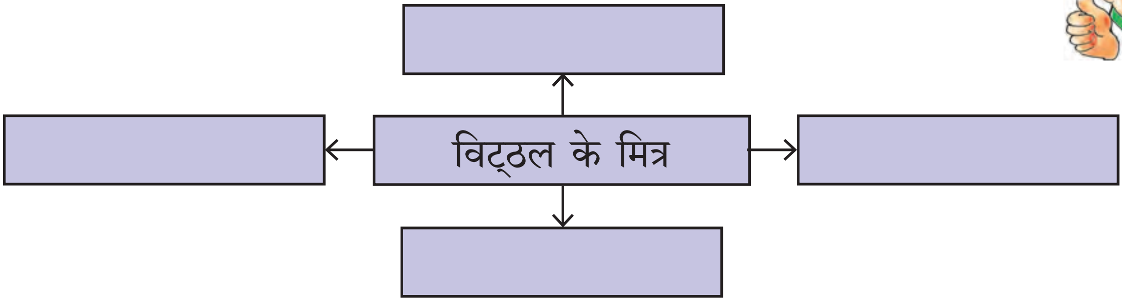

४. उत्तर लिखो :

(१) कल सिलबट्टे पर बनेगी –
(२) बच्चों ने खाने के लिए माँगा –

५. तुम अपने घर के कामों में सहायता करते हो, चर्चा करो ।

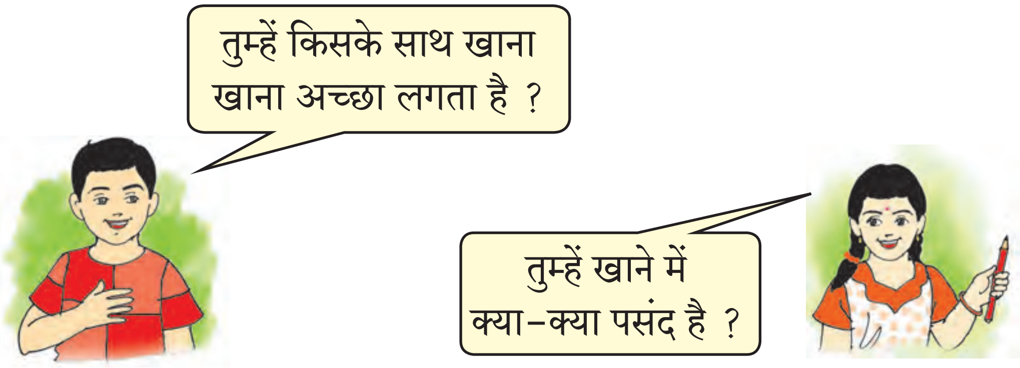
तुम्हें किसके साथ खाना खाना अच्छा लगता है ?
तुम्हें खाने में क्या-क्या पसंद है ?

निबंध – पढ़ो और समझो :

६. बरगद

– *तेजल*

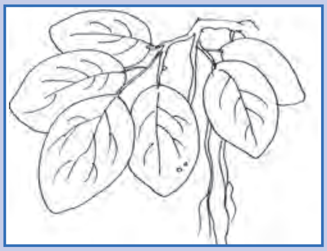

बरगद एक विशाल वृक्ष है । इसका तना सीधा एवं कठोर होता है । इसकी शाखाओं से जटाएँ निकलकर हवा में लटकती हैं । इनको बरोह भी कहते हैं । इसकी पत्तियाँ दस से बीस सेंटीमीटर लंबी होती हैं । इसके पत्तों को तोड़ने पर सफेद और गाढ़ा दूध निकलता है । पत्तियाँ चौड़ी और लगभग अंडाकार होती हैं । इसका फल छोटा गोलाकार एवं लाल रंग का होता है । इसके अंदर बीज पाया जाता है । बरगद की जड़, जटा, छाल, पत्ता, फूल और फल सभी का उपयोग कर सकते हैं । इस पेड़ के सभी हिस्से औषधि गुण से भरपूर होते हैं । इसे सदाबहार वृक्षों की श्रेणी में रखा जाता है । यह पेड़ सैकड़ों वर्षों तक जीवित रहता है । इसकी उँचाई लगभग इक्कीस मीटर लंबी हो सकती है ।

भारतीय समाज में बरगद के पेड़ को अमरता का वृक्ष कहा जाता है । इसके जीवन को बढ़ाने वाली जड़े बहुत लंबी होती हैं और वे इसकी शाखाओं को भी सहारा देती हैं । आयुर्वेद में बहुत-सी बीमारियों के उपचार के लिए बरगद के पेड़ का उपयोग होता है । पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा होने के कारण बरगद के पेड़ से हमें स्वास्थ्य लाभ होता है । इसकी विशाल छाया में सैकड़ो मनुष्य और पशु-पक्षी भी विश्राम करते हैं । बरगद हमारा राष्ट्रीय वृक्ष है । इसे बर, वड, बट, वट आदि नामों से भी जाना जाता है । हमें बरगद का रोपण और रक्षण करना चाहिए ।

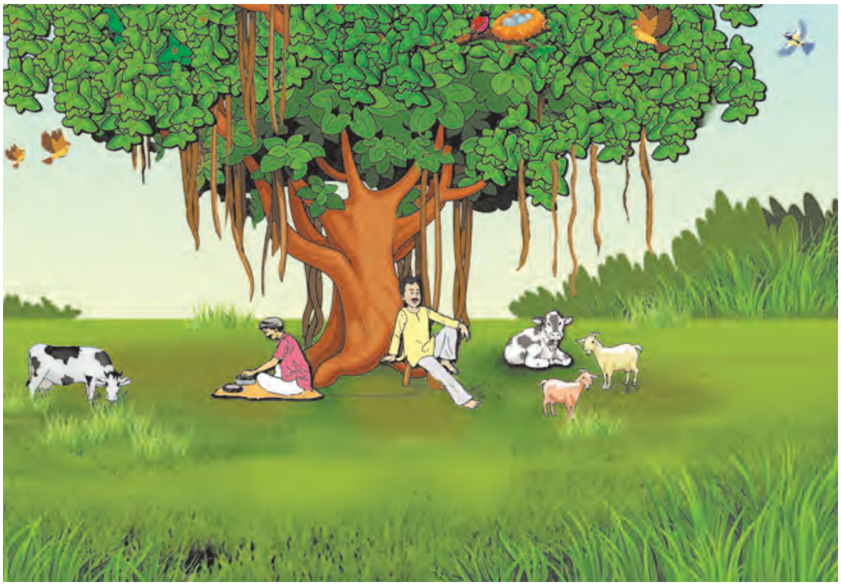

स्वाध्याय

१. सुनो और समझो :

नीम
सुपारी
अशोक
बबूल
कदंब
इमली
पलाश
बादाम
तुलसी
जामुन
पीपल
मोगरा
नारियल
गुलमोहर
अडुळसा

२. पेड़ के अंगों के नाम बताओ :

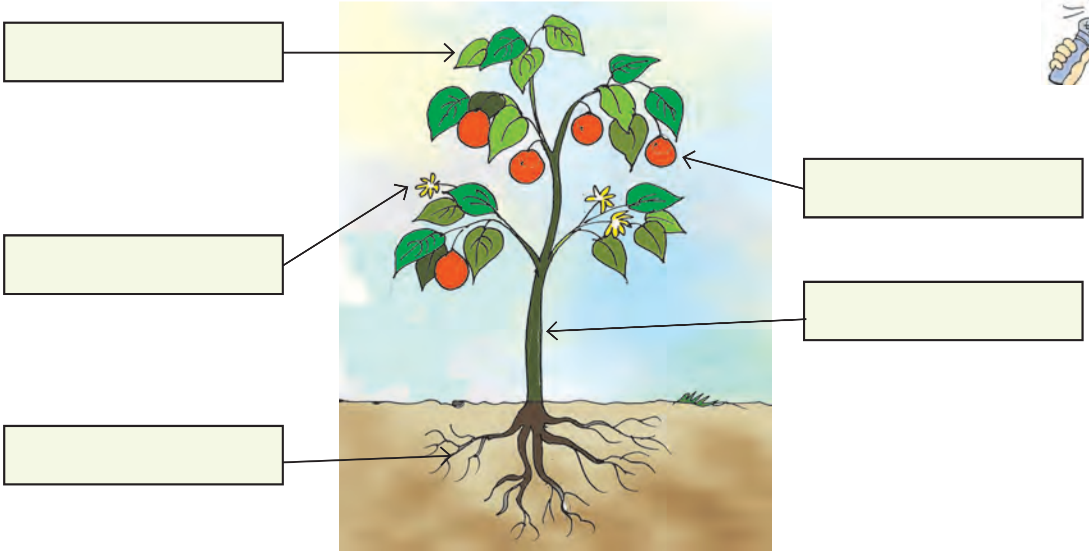

३. आकृति में लिखो :

बरगद के अन्य नाम

४. पेड़ का महत्व पढ़ो ।

५. किसी भी पेड़ से संबंधित दो पंक्तियाँ सुनाओ और लिखो :

....

....

तुमने कौन-सा पौधा लगाया है ?

UWDUEE

जातक कथा – सुनो, समझो और पढ़ो :

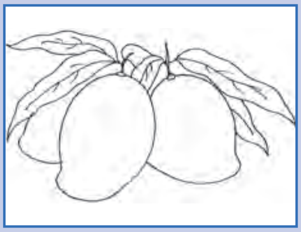

७. परोपकार का फल

– अरविंद

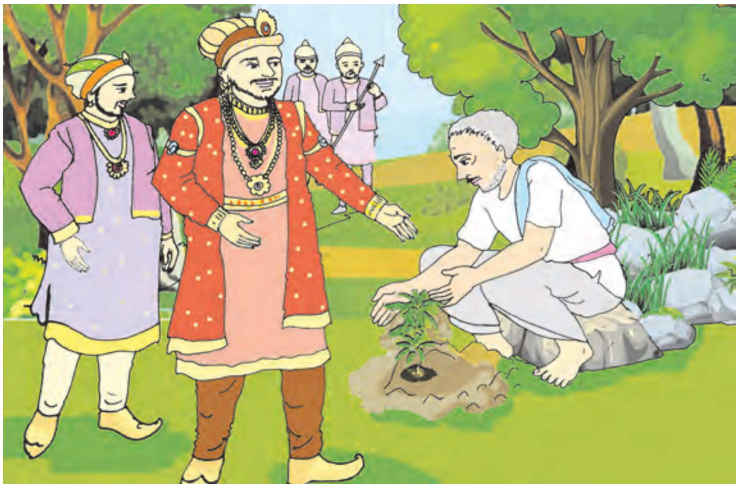

एक राजा था । वह बड़ा ही न्यायप्रिय और दानी था । उसके कार्यों की चर्चा दूर-दूर तक थी । वह गुणी लोगों का आदर करता था ।

एक दिन राजा अपने विद्‌वान मंत्री के साथ जनता का हाल-चाल जानने निकला । उसने एक बूढ़े आदमी को आम का पौधा लगाते देखा । राजा जानता था कि यह आम का पौधा लगभग दस वर्षों के बाद फल देगा । कौतूहलवश उस व्यक्ति के पास जाकर राजा ने कहा, ‘‘बाबा ! यह तो आम का पौधा है । इसमें फल आने तक क्या आप जीवित रहेंगे ?’’

राजा की बात सुनकर बूढ़ा आदमी मुस्कुरा दिया । बड़ी सादगी के साथ उसने उत्तर दिया, ‘‘मैं अब तक दूसरों के लगाए पेड़ के मीठे फल खाता रहा । अब मेरी बारी है । मुझे भी दूसरों के लिए पेड़ लगाने चाहिए । सिर्फ अपने खाने के लिए पेड़ लगाना ठीक नहीं । हमें दूसरों के बारे में भी सोचना चाहिए ।’’

बूढ़े आदमी के उत्तर से राजा बहुत खुश हुआ । उसने तुरंत सोने के दस चमचमाते सिक्के उसे इनाम में दिए । मुस्कुराते हुए बाबा ने कहा, ‘‘देखो न, पेड़ लगाए देर न हुई । इस पेड़ ने तो मुझे अभी फल दे दिया ।’’

सच है, परोपकारी व्यक्ति महान होता है । उसे हर जगह यश और सम्मान मिलता है ।

स्वाध्याय

१. सुनो और समझो :

(१) शहर – मुंबई, नागपुर, पुणे, नाशिक ।

(२) पाठशाला – श्यामपट्ट, कक्षा, स्वच्छतागृह, मैदान ।

(३) जंगल – जानवर, पेड़, पक्षी, पहाड़ ।

(४) बरतन – थाली, गिलास, कटोरी, चम्मच ।

२. सही वाक्य बनाकर लिखो :

(१) गुरु जी घर आओ/आइए । ....

(२) तुम मेरे साथ पढ़ो/पढ़िए । ....

(३) आप मुझे पेंसिल दो/दीजिए । ....

(४) हाथ जोड़कर नमस्ते करो/करिए । ....

३. राजा और बूढ़े आदमी के संवाद कक्षा में कहलवाएँ ।

४. पढ़ो और लिखो :

(१) एक अक्षर के शब्द – माँ, ... , ...

(२) दो अक्षर के शब्द – बेटा, ... , ...

(३) तीन अक्षर के शब्द – भारत, ... , ...

५. आकृति में लिखो :

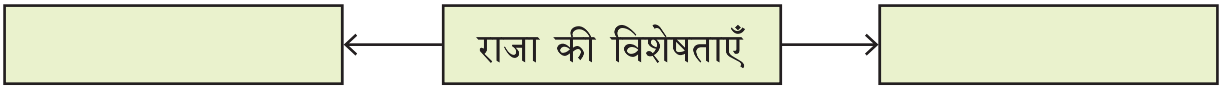

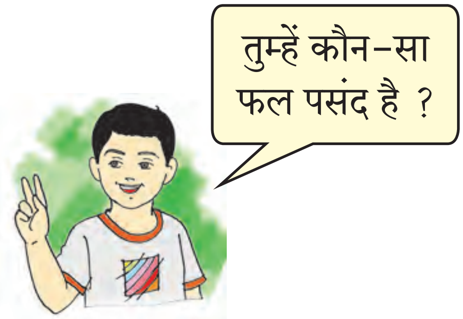
तुम्हें कौन-सा फल पसंद है ?

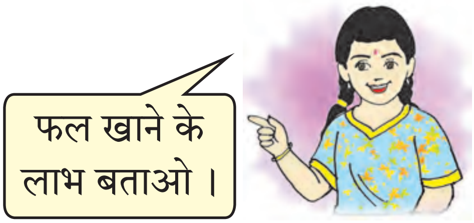
फल खाने के लाभ बताओ ।

7SZP4A

लोरी – पढ़ो और गाओ :

८. सो जा, सो जा नन्ही मुनिया

– *सूर्यकुमार पांडेय*

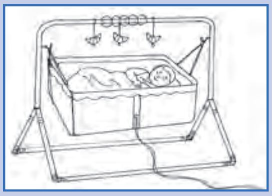

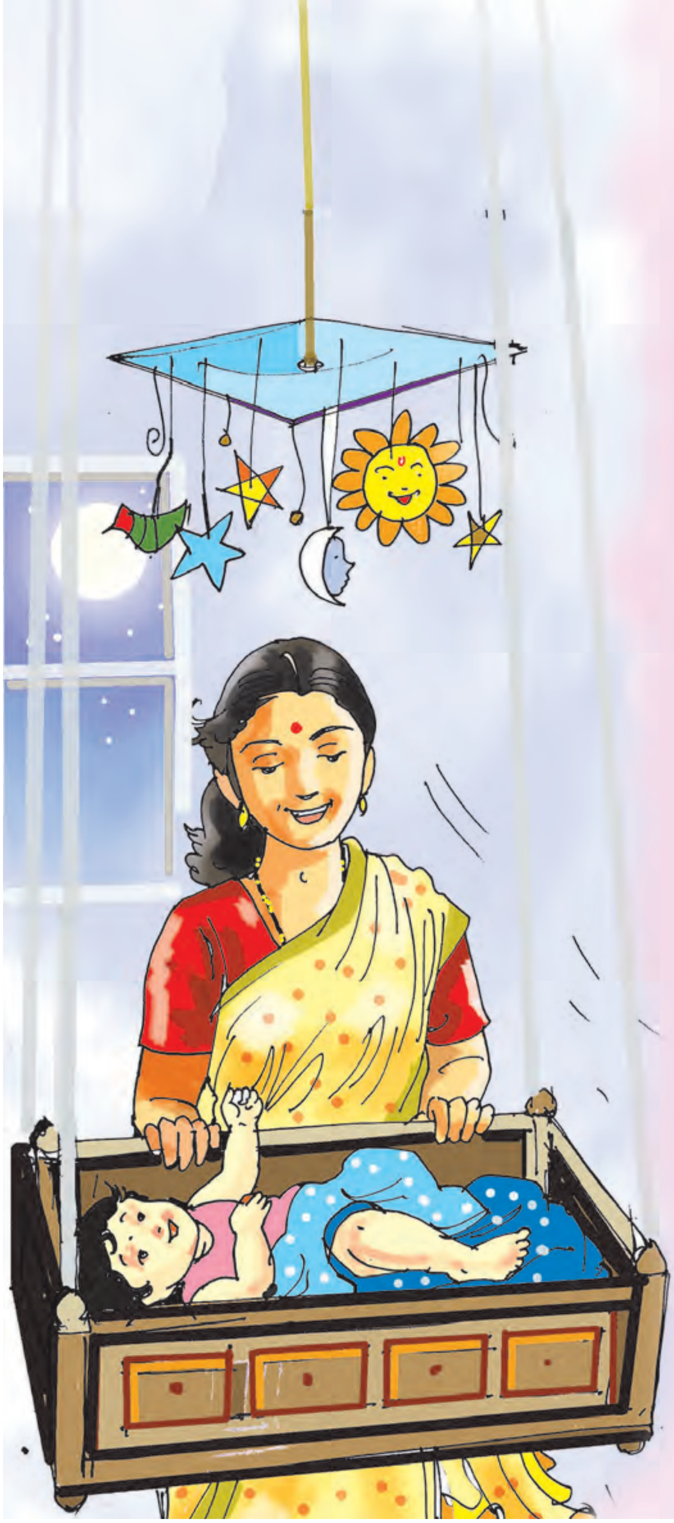

नयनों में सपनों की परियाँ,
हर पल करें बसेरा ।
सो जा, सो जा नन्ही मुनिया,
प्यारा बचपन तेरा ।

तेरी पलकों पर खुशियों के,
फूल हजारों डोलें ।
कदम-कदम पर मिले सफलता,
अपनी बाँहें खोले ।

तुझको देख लौट आता है,
फिर से बचपन मेरा ।
सो जा, सो जा नन्ही मुनिया,
प्यारा बचपन तेरा ।

इस दुनिया के सुख-दुख से,
अनजानी तेरी बातें ।
तू खुश है, तो ममता खुश है,
दिन खुश है, खुश हैं रातें ।

शाम सुनाए लोरी तुझको,
गाए गीत सवेरा ।
सो जा, सो जा नन्ही मुनिया,
प्यारा बचपन तेरा ।

स्वाध्याय

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

क्ष	त्र	ज्ञ	श्र
क्षमा अक्षय	त्रिवेणी मित्र	ज्ञान विज्ञान	श्रवण विश्राम

२. पढ़ो और उनके नाम बताओ :

(१) जादू दिखानेवाला – ....

(२) मूर्तियाँ बनानेवाला – ....

(३) गीत गानेवाला – ....

३. पढ़ो और रंगीन शब्दों को समझो :

(१) मैं दूसरी कक्षा में पढ़ रहा हूँ ।

(२) माँ ने पूछा, ‘‘कहाँ गई थी?’’
मुनिया ने कहा ‘‘मैं खेलने गई थी ।’’

(३) बिल्ली चूहे की ओर लपकी और वह भाग गया ।

(४) सोनू खेल रही है । उसकी सहेलियाँ बैठी हैं ।

४. एक शब्द में उत्तर लिखो :

(१) गीत गाए – ....

(२) सपनों में आती – ....

५. तुमने देखा हुआ कोई सपना कक्षा में सुनाओ ।

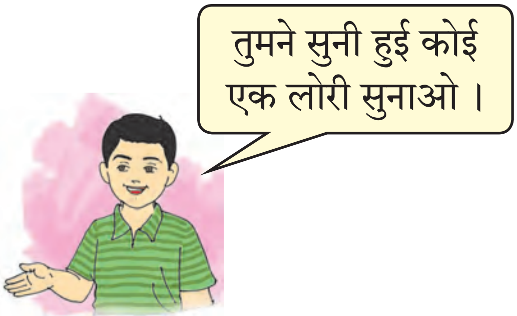
तुमने सुनी हुई कोई एक लोरी सुनाओ ।

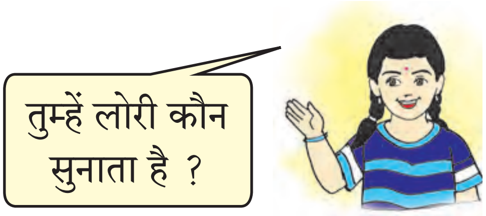
तुम्हें लोरी कौन सुनाता है ?

JPLIT6

कृति – देखो, समझो और बनाओ :

९. बधाई पत्र

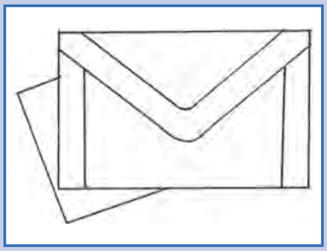

दि.   /   /

प्रिय मित्र / सहेली,

हर्ष / पूनम

तुम्हारे जन्मदिन के अवसर पर

हार्दिक शुभकामनाएँ !

तुम्हारा / तुम्हारी

....

....

....

....

....

....

....

....

पुनरावर्तन-३

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

(१) अपना सामान सहेजकर रखो ।
(२) मैदान में ही खेल खेलो ।
(३) कतार से कक्षा में जाओ ।
(४) नियमित पाठशाला जाओ ।
(५) कक्षा में शांति बनाए रखो ।

२. सोचो और बताओ :

आज सोमवार है तो आने वाला कल, परसों, नरसों और बीता हुआ कल, परसों और नरसों दिन के नाम बताओ :

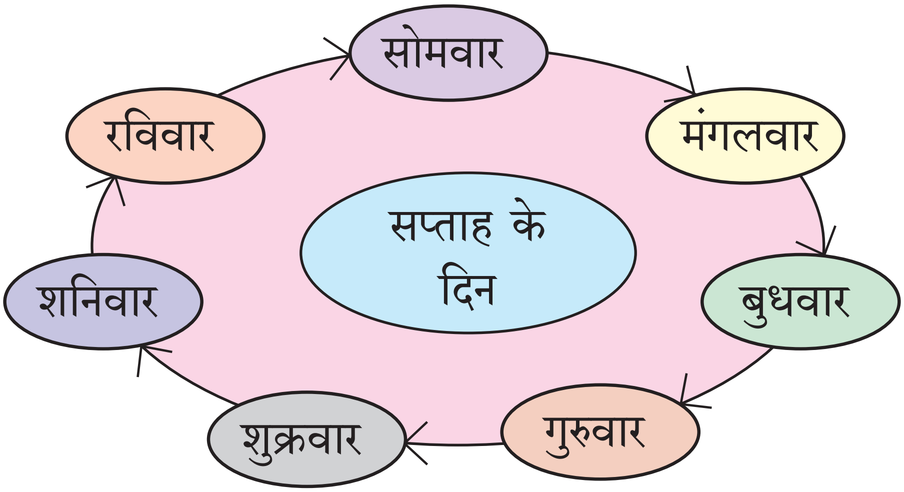
सोमवार
मंगलवार
बुधवार
गुरुवार
शुक्रवार
शनिवार
रविवार
सप्ताह के दिन

३. उचित वाक्य बनाकर पढ़ो :

यह वह मैं वे हम	परी परियाँ	है । हैं । हूँ ।	(१) .... (२) .... (३) .... (४) .... (५) ....

४. चित्र देखकर सब्जियों के नाम लिखो और अपनी पसंद की सब्जी चुनकर उसका रंग बताओ :

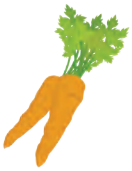	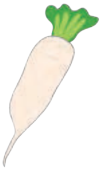	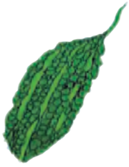 ....
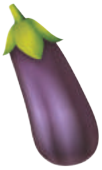	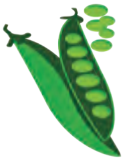	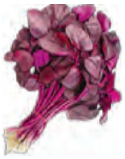 ....
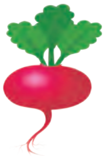	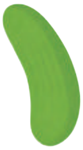	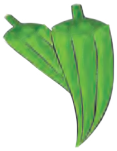 ....
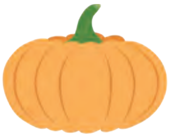	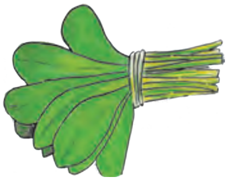	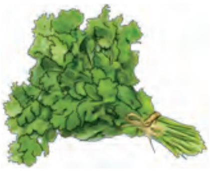 ....

५. पढ़ो और अक्षरों में लिखो :

५ ......
१० ......
१५ ......
२० ......
२५ ......

३० ......
३५ ......
४० ......
४५ ......
५० ......

पूर्वानुभव – देखो, बताओ और जोड़ो :

✻ मेरा निवास

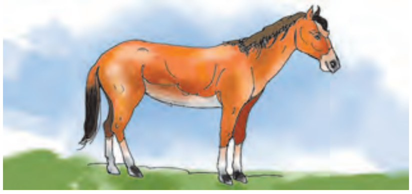	घोड़ा	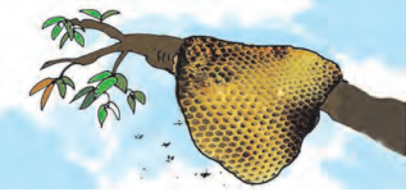	छत्ता
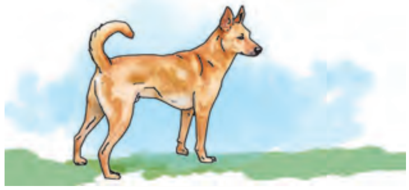	कुत्ता	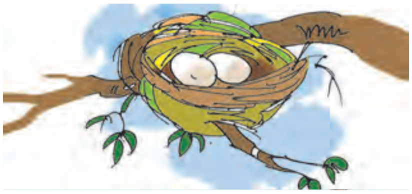	घोंसला
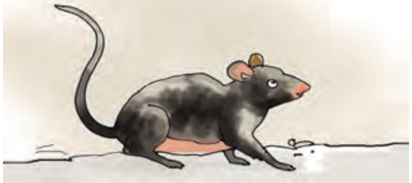	चूहा	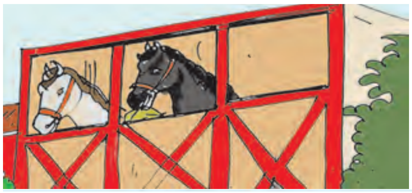	अस्तबल
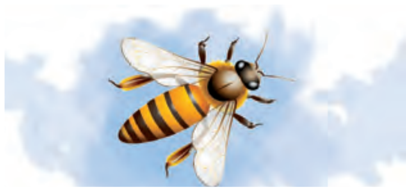	मधुमक्खी	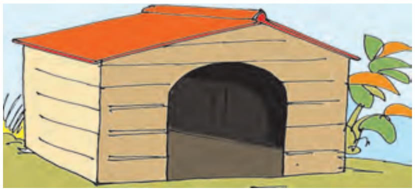	कैनल
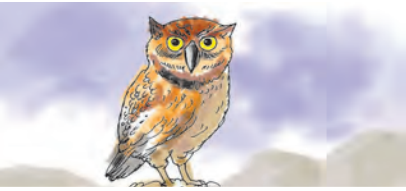	उल्लू	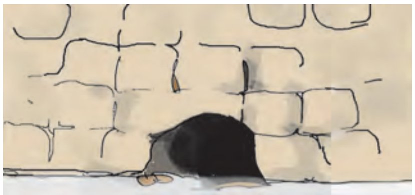	बिल
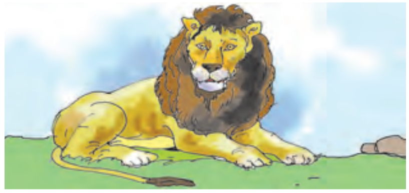	सिंह	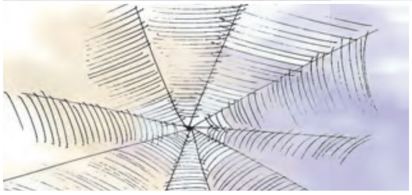	जाला
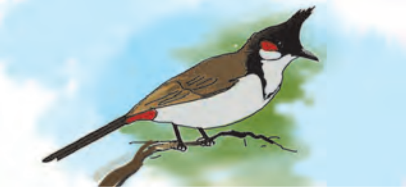	बुलबुल	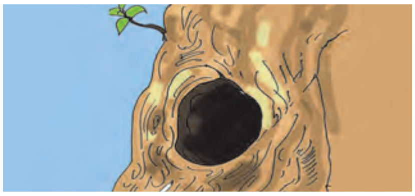	कोटर
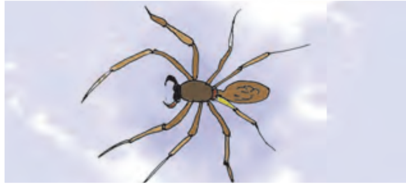	मकड़ी	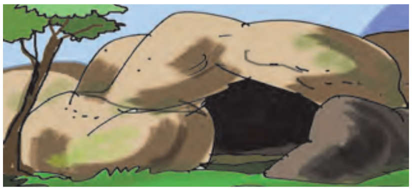	गुफा

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

१. सार्वजनिक स्थान

डाकघर : गाँव-गाँव में हमारी सेवा उपलब्ध है ।

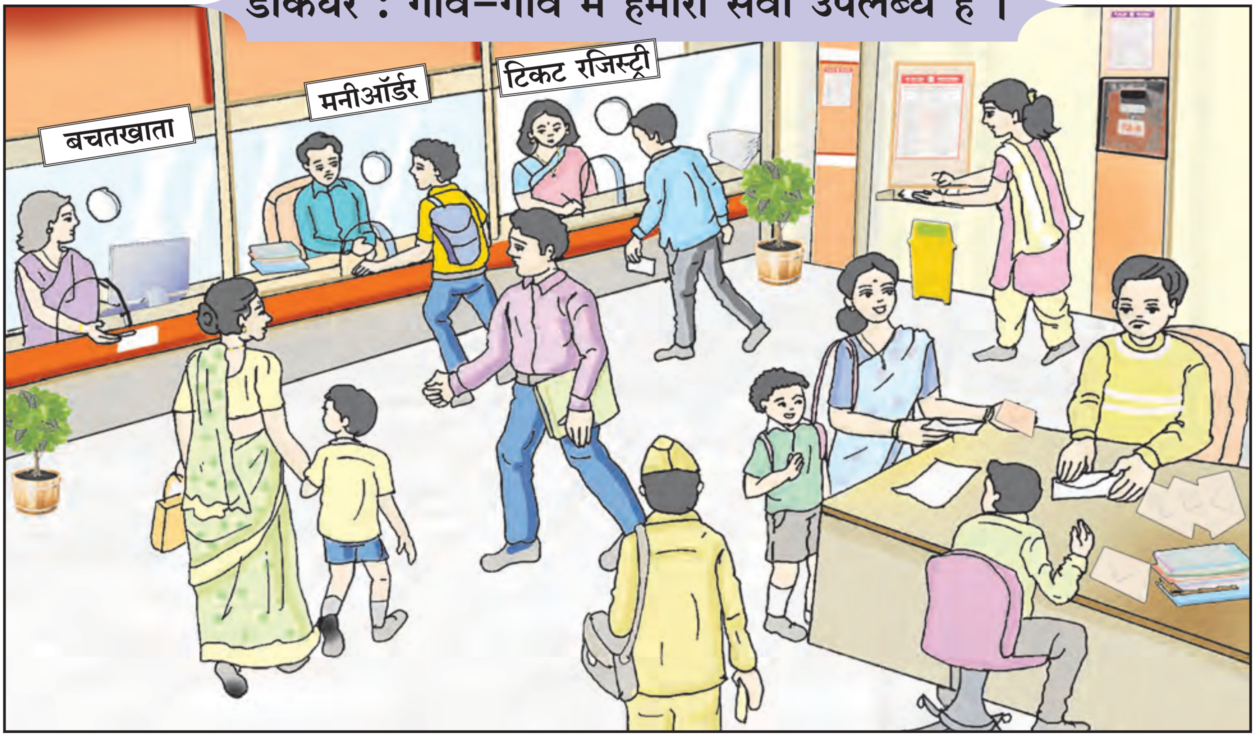
बचतखाता
मनीऑर्डर
टिकट रजिस्ट्री

बैंक : हम आपकी आवश्यकता समझते हैं ।

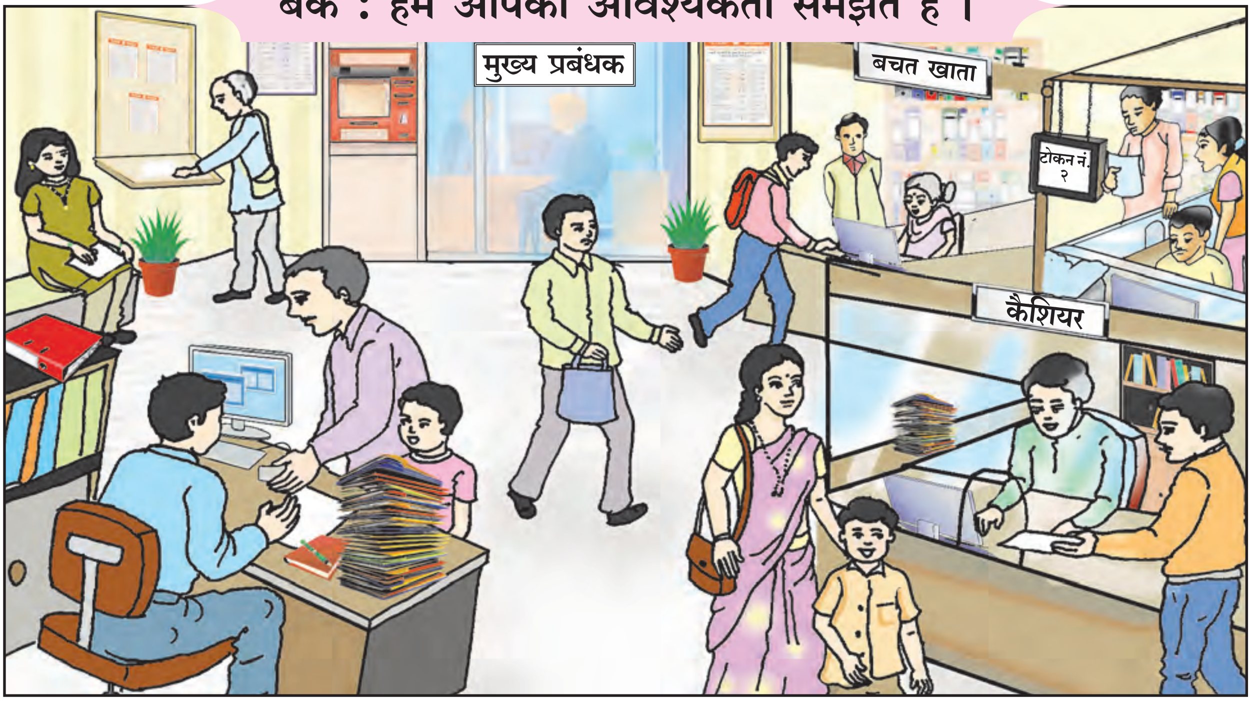
मुख्य प्रबंधक
बचत खाता
टोकन नं. २
कैशियर

WL8DI2

चौथी इकाई

ग्रामपंचायत : हम आपकी सहायता के लिए हैं ।

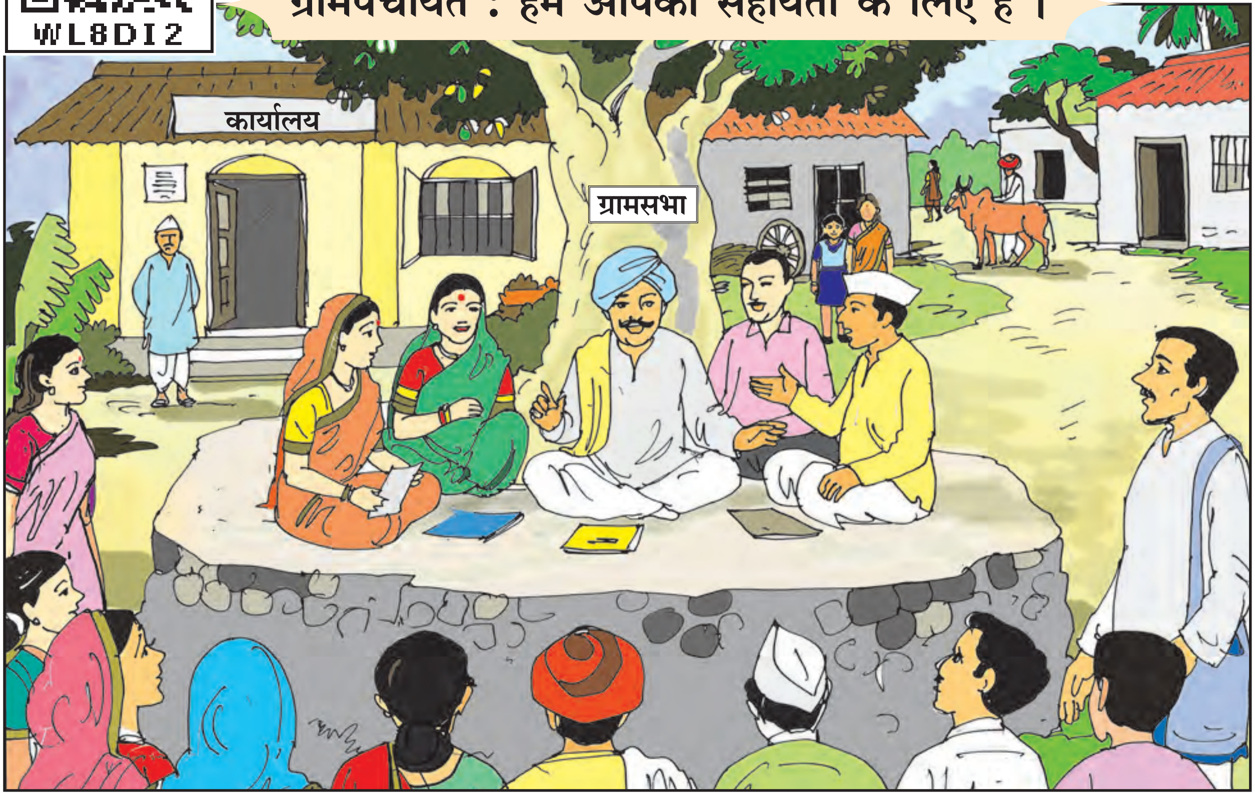
कार्यालय
ग्रामसभा

अस्पताल : जन-जन के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हैं ।

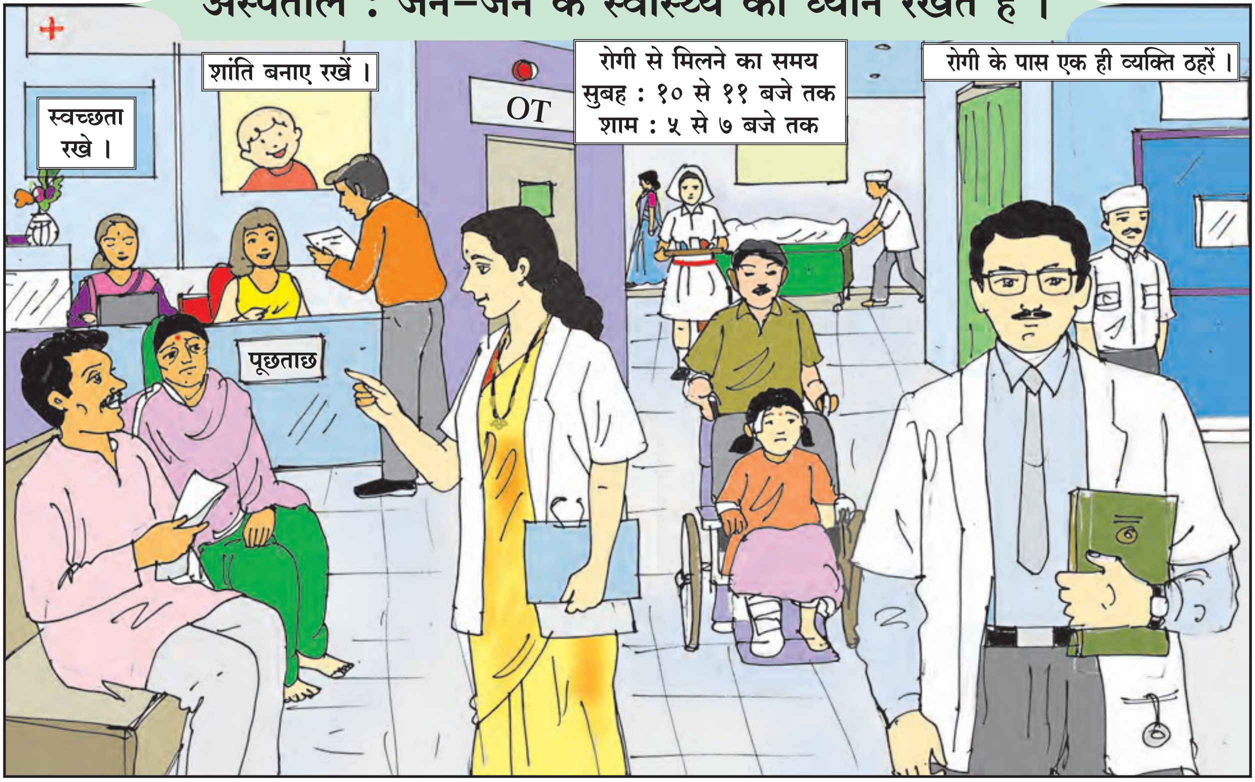
स्वच्छता रखे ।
शांति बनाए रखें ।
OT
रोगी से मिलने का समय
सुबह : १० से ११ बजे तक
शाम : ५ से ७ बजे तक
रोगी के पास एक ही व्यक्ति ठहरें ।
पूछताछ

गीत – पढ़ो, गाओ और बताओ :

२. मेरी खुशियाँ

– *सिद्धांत दीपक*

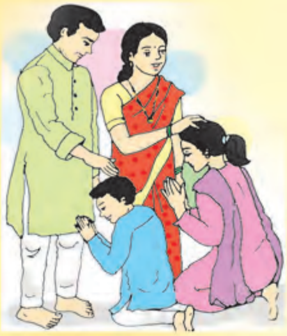

माता-पिता में बसती खुशियाँ,
जो मेरे जीवन का आधार,
जिसने यह संसार दिखाया,
नमन है उनको बारंबार ।

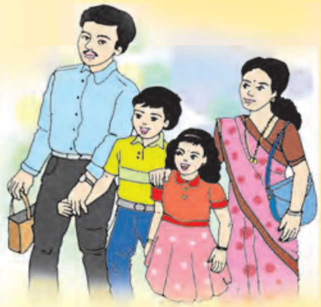

पहली सीख माँ से पाई,
पिता से पाया पहला प्यार,
माता-पिता दोनों ने मिलकर,
जीवन में भरे रंग हजार ।

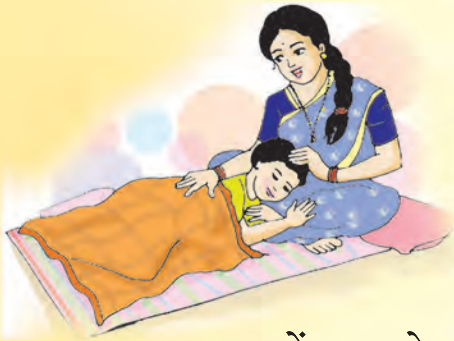

माँ ने मुझको प्राण पिलाकर,
अपने तन को सुखाया है,
अपनी नींद खोकर उसने,
सारी खुशियों को लुटाया है ।

बचपन में मुझको अपने,
हाथों से खाना खिलाया है,
पिता ने निर्झर जल बनकर,
मेरे जीवन को हर्षाया है ।

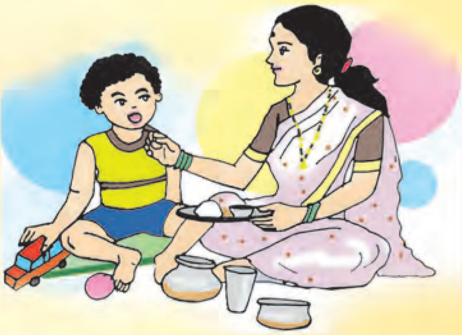

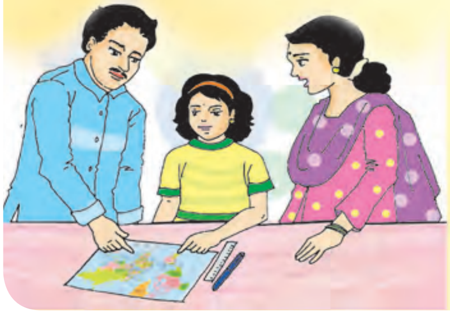

जिसके सिर पर बड़ों का,
साया बना रहा जीवन में,
जीते वही हैं सुखमय जीवन,
खुशहाली होती उसके मन में ।

स्वाध्याय

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

डॉल बॉल डॉक्टर ऑन ऑटो शॉक

बॉटल ऑफ ऑफिस टॉप टॉमी शॉप

२. पहली कक्षा की कोई एक कहानी सुनाओ ।

३. पढ़ो और समझो :

छत-छत्र दान-धान हर-हार शेर-सेर पढ़ना-लड़ना

सात-साथ पता-पत्ता डाल-ढाल सेर-सैर कलम-कमल

४. कृति पूर्ण करो :

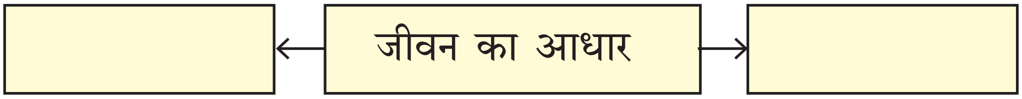

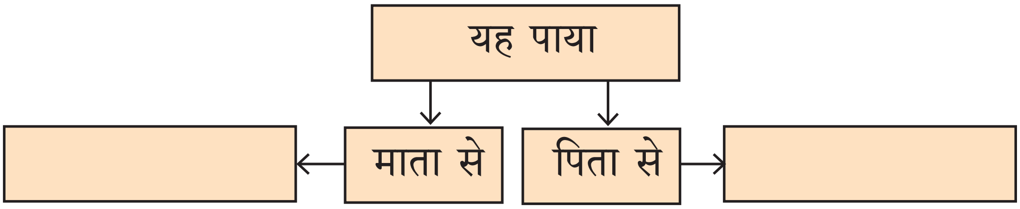
यह पाया
माता से
पिता से

५. क्या तुमने वार्षिक स्नेह सम्मेलन में भाग लिया था?

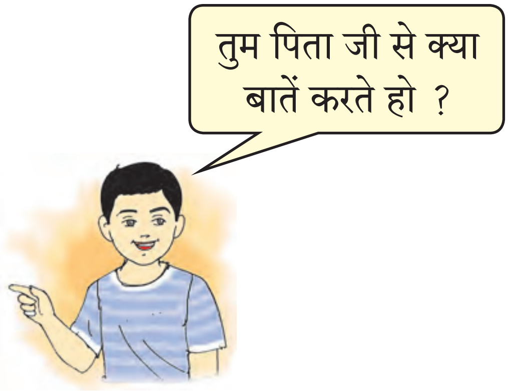
तुम पिता जी से क्या बातें करते हो ?

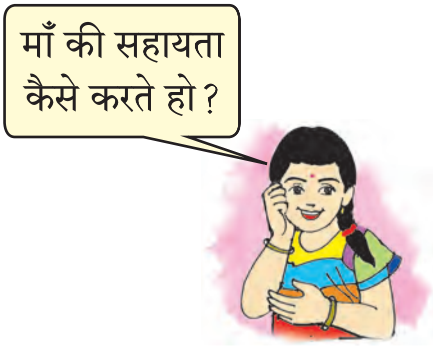
माँ की सहायता कैसे करते हो ?

9HU87X

वाचन – पढ़ो और समझो :

३. समान–असमान

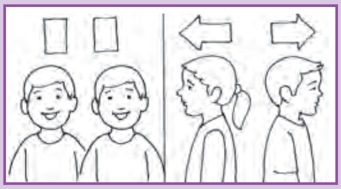

आकाश 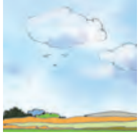 गगन	लड़की 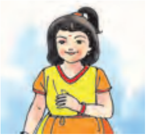 बालिका	वन 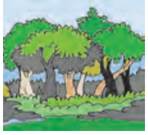 जंगल	गुब्बारा 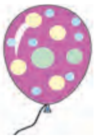 फुग्गा
पाठशाला 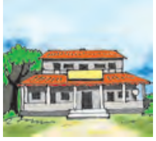 विद्‌यालय	सूरज 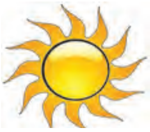 सूर्य	फूल 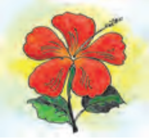 पुष्प	हाथ 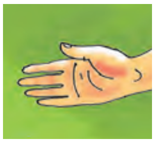 कर
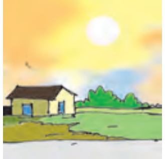 उजाला	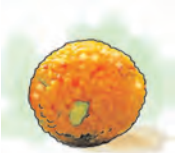 मीठा	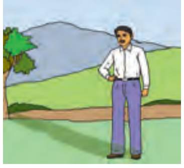 लंबा	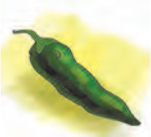 मोटी
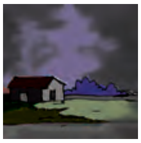 अँधेरा	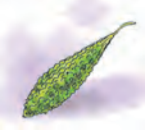 कड़वा	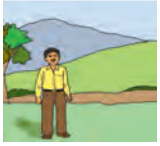 ठिंगना	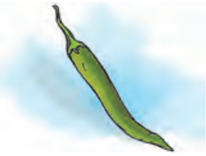 पतली
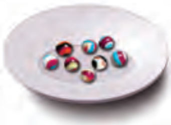 थोड़ा	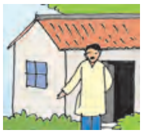 पास	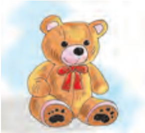 नया	
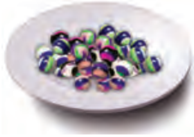 अधिक	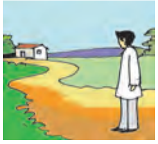 दूर	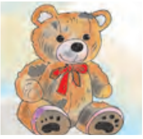 पुराना	LEG2WT

वाचन – पढ़ो और समझो :

४. आओ मिलकर हँसे

चिंटू : अच्छा बताओ, लोहा पानी में क्यों नहीं तैरता ?
पिंटू : क्योंकि लोहे को तैरना नहीं आता ।

बबली : सबसे पहले सुरंग किसने बनाई ?
छकुली : चूहों ने ।

सोनू : ‘‘अक्ल बड़ी की भैंस ?’’
मोनू : पहले दोनों की जन्मतिथि बताओ,
तभी तो पता चलेगा ।

माँ : अरे बेटा ! बाजार से गरम मसाला ले आओ ।
बेटा : (वापस आकर) माँ मैंने सभी दुकानों पर मसालों
को छूकर देखा । कोई भी मसाला गरम नहीं था ।

टीटू : पापा, क्या आप मुझे एक ढोलक खरीद देंगे ?
पिता जी : नहीं बेटा ! तू ढोलक बजाकर मुझे तंग किया करेगा ।
टीटू : नहीं पापा, मैं तो ढोलक तब बजाऊँगा,
जब आप सो जाया करेंगे ।

F1LSIJ

खेल – देखो, समझो और बताओ :

५. शब्दों का संजाल

सु	अं	ब	र	कं	त	चं	पं
गं	मं	ज	ड़	छि	ठि	डि	खु
धा	थ	चं	च	ल	की	का	ड़ी
त्र	रा	पा	ह	कँ	नं	दि	नी
बा	गुं	फ	न	ग	टी	इं	पं
बं	ज	अं	ज	ना	थ	दू	ढ
टी	न	कु	रं	भा	मं	ज	री
रू	ढ़	श	अं	त	रा	नं	दू

चुन-चुनकर पढ़

वर्ग	पंचमाक्षर ध्वनि	शब्द	वाक्य
क	ङ्	कंगन	मुझे **कंगन** बहुत प्रिय हैं ।
च	ञ्	चंचल	मुक्ता बहुत **चंचल** है ।
ट	ण्	झंडा	**झंडा** ऊँचा रहे हमारा ।
त	न्	नंदन	**नंदन** अच्छा खिलाड़ी है ।
प	म्	मुंबई	**मुंबई** महानगरी है ।

स्वाध्याय

१. सुनो और दोहराओ :

अंकुश	चंचल	मंथरा	चंपा	अंतरा
पंखुड़ी	वांछित	गुंफन	बंटी	कंठिका

२. पढ़ो और समझो :

कंगन	गुंजन	सुगंधा	नंदू	अंबिका
घंटी	मंजरी	पंढरी	रंभा	चंडिका

३. संगणक और उसके भागों को देखो और चर्चा करो :

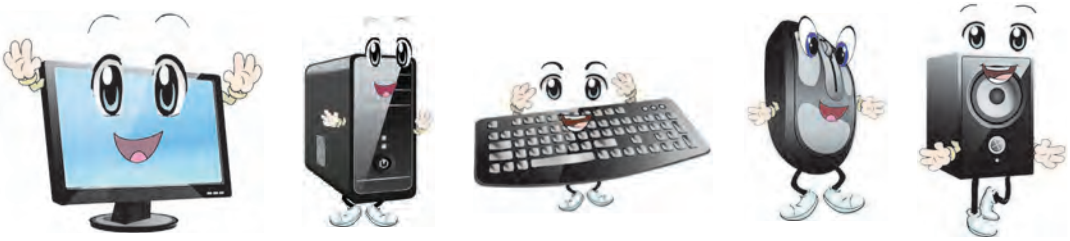

४. लिखो :

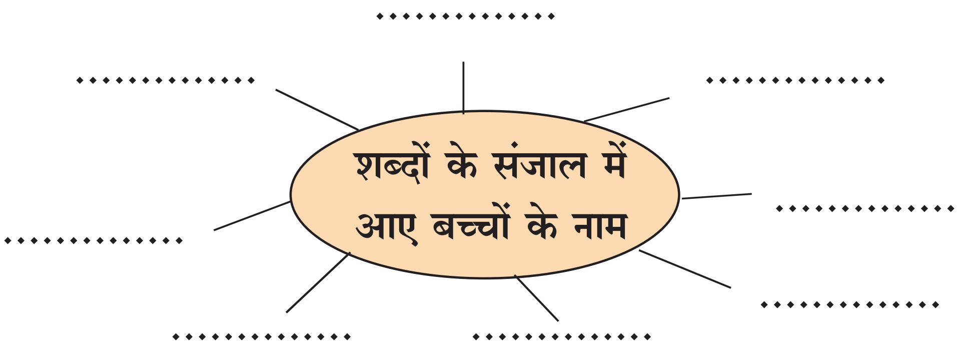
शब्दों के संजाल में आए बच्चों के नाम

५. पूरी वर्णमाला क्रम से सुनाओ ।

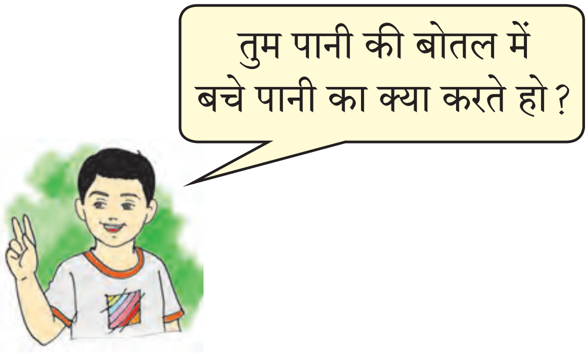
तुम पानी की बोतल में बचे पानी का क्या करते हो ?

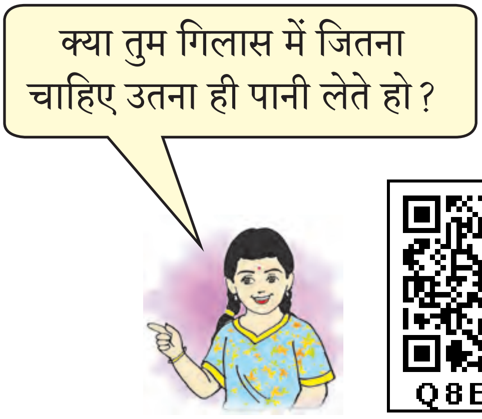
क्या तुम गिलास में जितना चाहिए उतना ही पानी लेते हो ?

Q8E44S

संवाद – पढ़ो और अनुलेखन करो :

६. तिरंगे का सम्मान

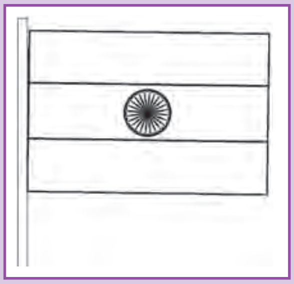

शिक्षक : सुनो तो, कौन-सा गीत बज रहा है ?
तेजस : गुरु जी, देशभक्ति का गीत बज रहा है ।
शिक्षक : हाँ, तीन दिनों के बाद गणतंत्र दिन है ।
बड़ी कक्षाओं के विद्यार्थी उसी की तैयारी कर रहे हैं ।

एंजिला : गुरु जी, हम भी तैयारी करेंगे ।
शिक्षक : जरूर ! तैयारी में क्या किया जाए ?
अंकुश : पहले तो हम कक्षा की सफाई करेंगे फिर उसे सजाएँगे ।
शिक्षक : अंकुश, तुम्हारा सुझाव अच्छा है ।
एंजिला : हाँ, हम सब मिलकर सफाई करेंगे ।
शैली : गुरु जी, क्या मैं श्यामपट्ट पर झंडे का चित्र बनाऊँ ?
तेजस : हम छोटे-छोटे तिरंगे झंडों का बंदनवार बनाएँगे ।
शिक्षक : श्यामपट्ट पर झंडे का चित्र जरूर बनाओ पर बंदनवार मत बनाओ ।
अंकुश : क्यों गुरु जी ?
शिक्षक : हमें हमेशा तिरंगे का सम्मान करना चाहिए ।
जब हम बंदनवार निकालते हैं तब छोटे-छोटे झंडे नीचे गिरते हैं ।
अंकुश : कुछ लोग छोटे-छोटे चक्री-झंडे खरीदते हैं, ...
शैली : झंडे का बिल्ला लगाते हैं ...
एंजिला : लेकिन बाद में उन्हें इधर-उधर फेंक देते हैं ।
तेजस : हमें उन्हें ठीक से रखना चाहिए । उसका अनादर नहीं करना चाहिए ।
शिक्षक : शाबास !

स्वाध्याय

१. सुनो और समझो :

राष्ट्रीय ध्वज – ....

राष्ट्रीय प्राणी – ....

राष्ट्रीय पक्षी – ....

राष्ट्रीय फूल – ....

२. समझो और बताओ :

(१) हमारा स्वतंत्रता दिन – ....

(२) हमारा गणतंत्र दिन – ....

(३) तिरंगे के तीन रंग – ...., ..., ...

३. शब्दों के अर्थ लिखो और पढ़ो :

(१) सुझाव = ... (२) सम्मान = ...

(३) शौक = ... (४) अनादर = ...

४. आकृति में लिखो :

गणतंत्र दिन के अवसर पर हम खरीदते हैं

....

....

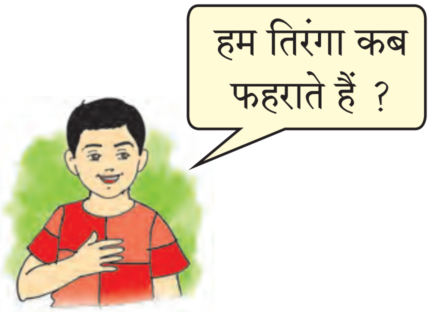
हम तिरंगा कब फहराते हैं ?

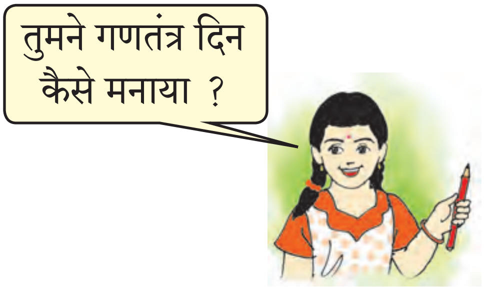
तुमने गणतंत्र दिन कैसे मनाया ?

कहानी – पढ़ो, समझो और बताओ :

७. जंगल में मंगल

– *रुबी फातेमा मोईन आळंदकर*

एक समय की बात है । नंदनवन के सभी प्राणी उदास बैठे थे । शेर राजा ने सबकी उदासी का कारण जानना चाहा । शेर ने हाथी से पूछा, ‘‘अरे ! सब उदास क्यों हैं?’’ हाथी खड़ा होकर बोला, ‘‘महाराज, मानव हमारे नंदनवन के पेड़ों की कटाई कर रहे हैं । हमारे भोजन और निवास की जगह कम हो रही है ।’’

शेर ने कुछ सोचकर कहा, ‘‘अरे, ये मानव धीरे-धीरे हमारा सब कुछ छीन रहे हैं ।’’ भालू बोला, ‘‘हमारी तो कई जातियाँ भी समाप्त हो गई हैं ।’’ सारे प्राणी अपनी-अपनी परेशानियाँ बताने लगे । मानव के सिर पर ही सारे दोष मढ़ने लगे । शेर ने सभी को रोकते हुए कहा, ‘‘शांत ! शांत ! इस तरह से कोई भी परेशानी हल नहीं होगी । आप धीरज बनाए रखें । हम इस विषय पर आज ही कुछ उपाय सोचते हैं । सभी अपने-अपने सुझाव एक-एक कर सामने रखें ।’’

हाथी बोला, ‘‘हमारे भी कुछ प्राणी मित्रों ने मानव बस्तियों में जा-जाकर उन्हें बहुत परेशान किया है ।’’ नटखट बंदर ने कहा, ‘‘हमें प्राणी मित्र संस्था को निवेदन भेजकर अपनी समस्या बतानी चाहिए और अपनी भी गलती स्वीकार करके माफी माँगनी चाहिए । वे जरूर कुछ करेंगे ।’’

यह बात सुनकर सभी प्राणियों के चेहरों पर आशा की किरण जग गई । ऐसा लग रहा था, ‘जंगल में फिर मंगल’ होने वाला है ।

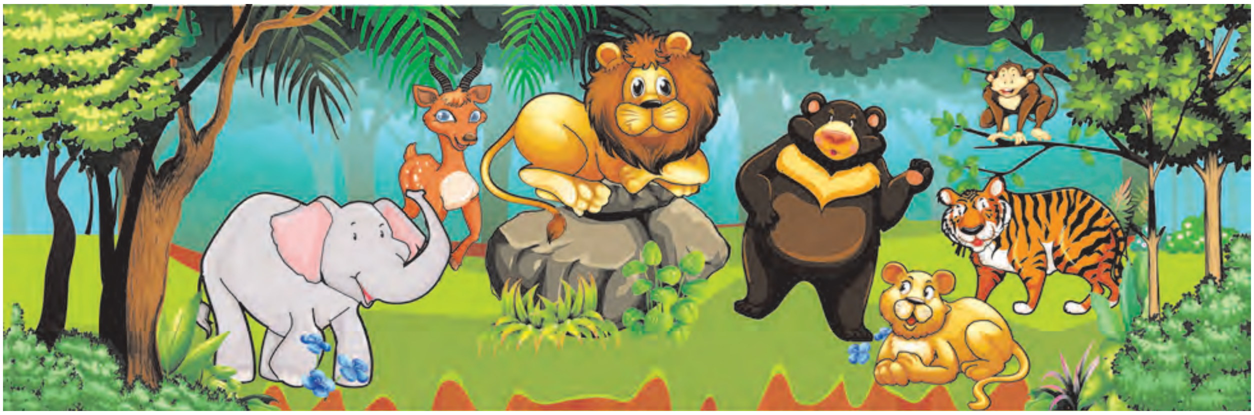

स्वाध्याय

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

(१) जल में रहने वाले प्राणी – मछली मगर केकड़ा मेंढक

(२) थल में रहने वाले प्राणी – बकरी बंदर हिरण सिंह

(३) नभ में उड़ने वाले प्राणी – भँवरा चिड़िया तोता बाज

२. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ और पढ़ो :

(१) नाक – ....

(२) पुस्तक – ....

(३) रथ – ....

(४) आनंद – ....

३. समझो और लिखो :

(१) उदास बैठे थे – **सभी प्राणी**

(२) खड़ा होकर बोला – ....

(३) सोचकर कहा – ....

४. कृति करो :

नंदनवन के प्राणी

....

५. पाँच पालतू और पाँच जंगली जानवरों के नाम बताओ ।

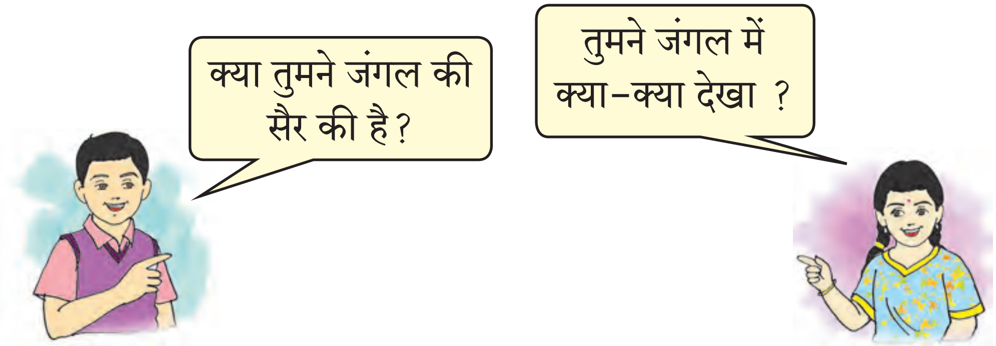
क्या तुमने जंगल की सैर की है?
तुमने जंगल में क्या-क्या देखा ?

RX8M8F

अभियान गीत – पढ़ो, गाओ और बताओ :

८. बच्चो बनो महान

– *सभाजीत मिश्र*

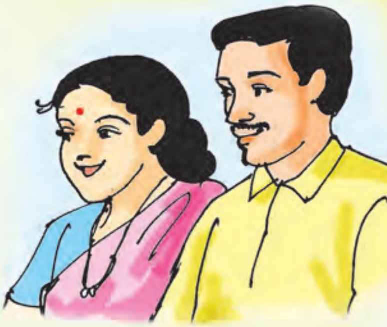

देश के बच्चो बनो महान
सत्य मार्ग पर चलना जानो
माता–पिता की आज्ञा मानो
गुरु का सदा करो सम्मान

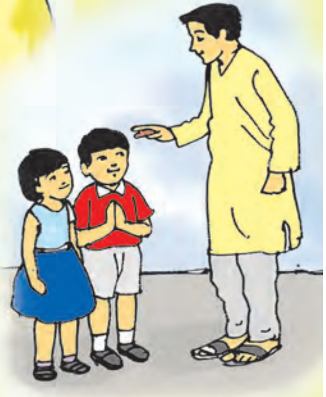

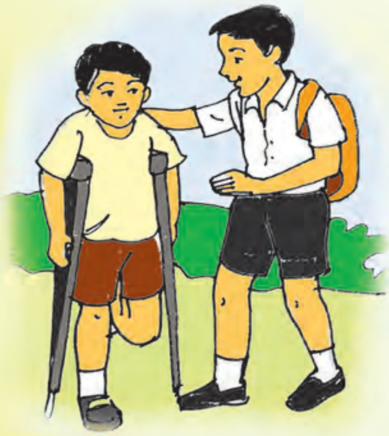

गुरु बिन मिले न ज्ञान
वतन के बच्चो बनो महान ।

निर्बल के तुम बनो सहायक
दुखियों के दुःख में सुखदायक
सबकी सेवा करने लायक

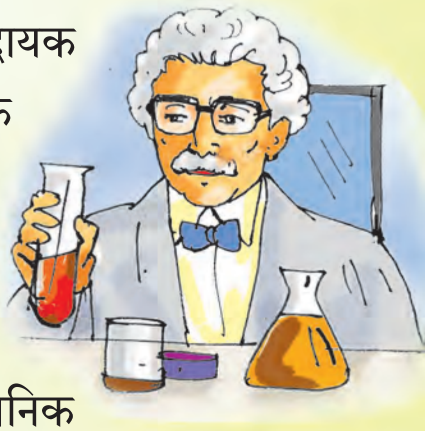

बनो वीर और गुणवान
देश के बच्चो बनो महान ।

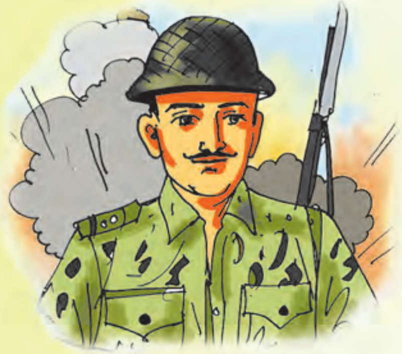

तुम कल के शिक्षक, वैज्ञानिक
देशभक्त, भारत के सैनिक
हरी–भरी धरती को करने

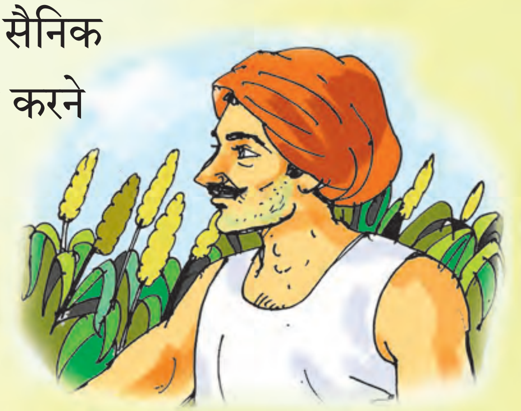

तुम मेहनत कश बनो किसान
देश के बच्चो बनो महान ।

स्वाध्याय

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

प्राय:　　प्रात:　　अत:　　सामान्यत:　　मुख्यत:

स्वत:　　पुन:　　नि:शुल्क　　नि:संकोच　　प्रथमत:

२. पढ़ो और समझो :

(१) ''तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा ।''

(२) ''आराम हराम है ।''

(३) ''वंदे मातरम् ।''

(४) ''स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है ।''

३. पंक्ति पूर्ण करो :

(१) निर्बल के तुम बनो　　........................

(२) दुखियों के दु:ख में　　........................

(३) गुरु का सदा करो　　........................

४. इनके कार्य बताओ :

(१) वैज्ञानिक – ....　　(२) शिक्षक – ....

(३) किसान – ....　　(४) सैनिक – ....

५. प्रस्तुत कविता से हमें क्या प्रेरणा मिलती है, लिखो :

....

....

....

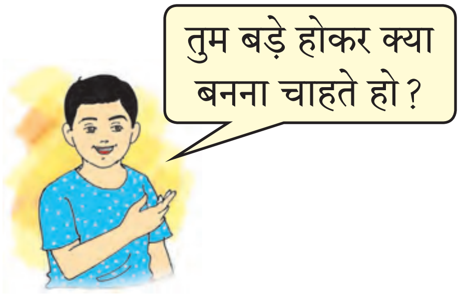
तुम बड़े होकर क्या बनना चाहते हो ?

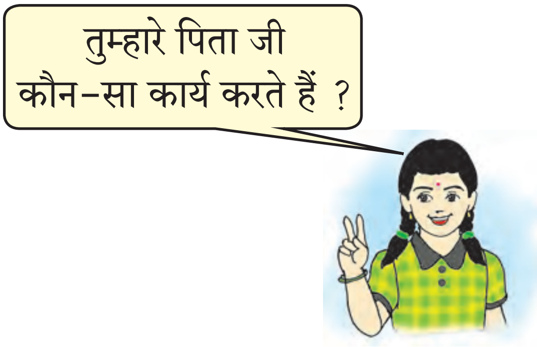
तुम्हारे पिता जी कौन-सा कार्य करते हैं ?

4TUGXB

कृति – देखो, समझो और बनाओ :

९. छाप

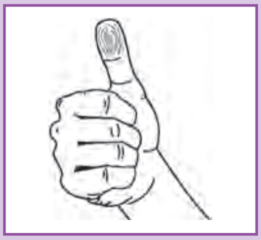

सामग्री – कोरा कागज, स्केच पेन और प्राकृतिक रंग ।

कृति –

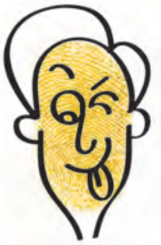

- एक कोरा कागज लो ।
- अँगूठे को रंग लगाओ ।
- रंग लगे अँगूठे से कोरे कागज पर अंतर रखकर छाप लगाओ ।
- छाप लगाने के बाद स्केच पेन से मनुष्य की आँख, कान, नाक, मुँह बनाकर सिर पर बाल बनाओ ।
- चेहरे पर विविध भाव जैसे – खुशी, रूठना, रोना, बुढ़ापा और बचपन दिखाओ ।

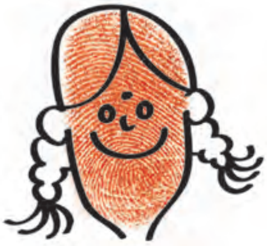
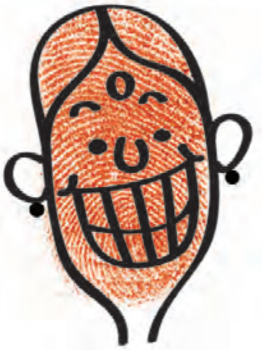
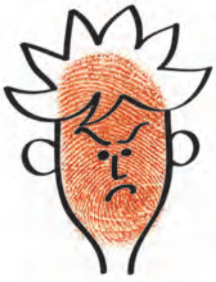
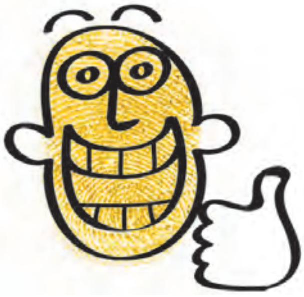
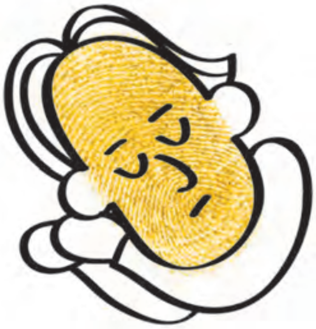
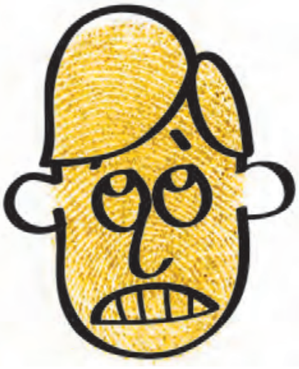
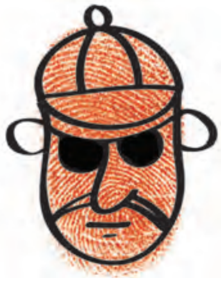
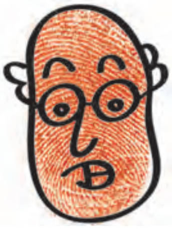

पुनरावर्तन-४

१. दिए गए शब्दों की सहायता से अनुच्छेद पूरा करो और पढ़ो :

(बीत, सफल, सदुपयोग, मूल्यवान, वापस, धन)

समय बहुत .... होता है । खोया हुआ धन .... मिल सकता है, पर जो समय .... गया, वह कभी वापस नहीं लौट सकता । इसलिए समय ....-दौलत से भी अधिक कीमती है । समय का .... करके ही हम अपने जीवन को .... बना सकेंगे ।

२. कोष्ठक से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूर्ण करो और लिखो :

(से ने में के पर को की)

(१) चिड़िया अपने बच्चों .... दाना चुगाती है ।

(२) प्राची घड़े .... पानी डालती है ।

(३) सारे बच्चे बस .... नीचे उतरेंगे ।

(४) गौरांश .... मीठा हलवा बनाया था ।

(५) पेड़ .... नीचे टोपी वाला सोया था ।

(६) तोता डाल .... बैठा है ।

(७) अम्मा .... टोकरी में आम होंगे ।

३. जन्मदिन पर मैंने ये चीजें देखी, बताओ :

यहाँ अपना फोटो चिपकाओ	....	....	....	....
	....	....	....	....
	मेरी जन्मतिथि .... है ।			

४. सुनो और दोहराओ :

(१) परिश्रम का फल मीठा होता है ।

(२) गलती होने पर क्षमा माँगनी चाहिए ।

(३) मित्रता सच्ची होनी चाहिए ।

(४) किताबों से हमें ज्ञान मिलता है ।

५. वर्ण पहेली से फूलों के नाम ढूँढ़कर लिखो :

च	फ	गें	दा	आ	क
मे	ब	स	उ	त	म
ली	चं	गु	ला	ब	ल
ली	ऋ	पा	इ	ख	प
अ	र	ज	नी	गं	धा
मो	ग	रा	त	रा	नी

(१) ....

(२) ....

(३) ....

(४) ....

(५) ....

(६) ....

(७) ....

(८) ....

(९) ....

पुनरावर्तन- ५

१. सुनो और समझो :

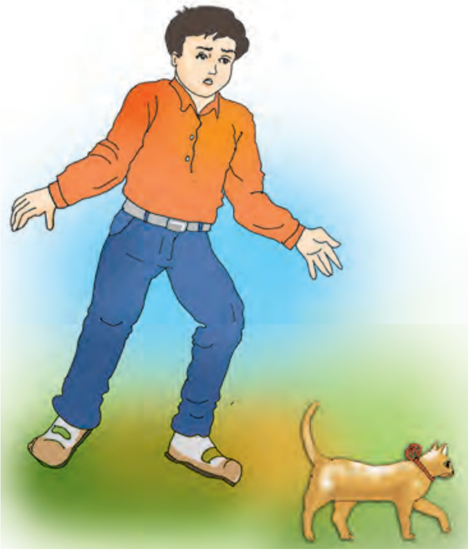

चाहे बिल्ली काटे रस्ता,
चाहे कोई छींके अलबत्ता,

तीन तिगाड़ा पीछे से टोके,
आगे बढ़ो बताकर धत्ता ।

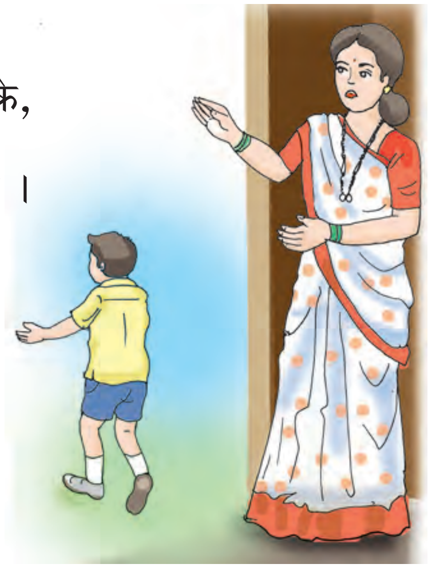

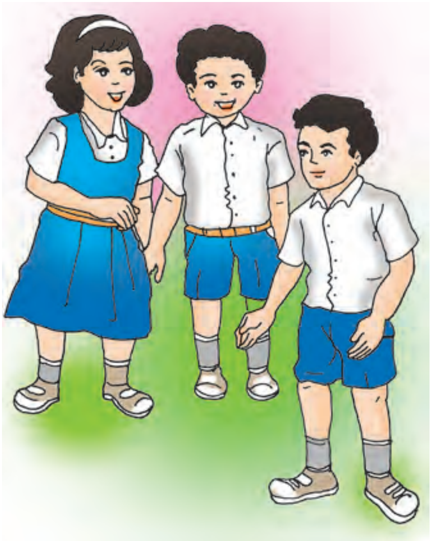

कोई काम नहीं रुकता है,
भला हिमालय कब झुकता है,

शगुन-अपशगुन से परे सदा,
फल परिश्रम का मिलता है ।

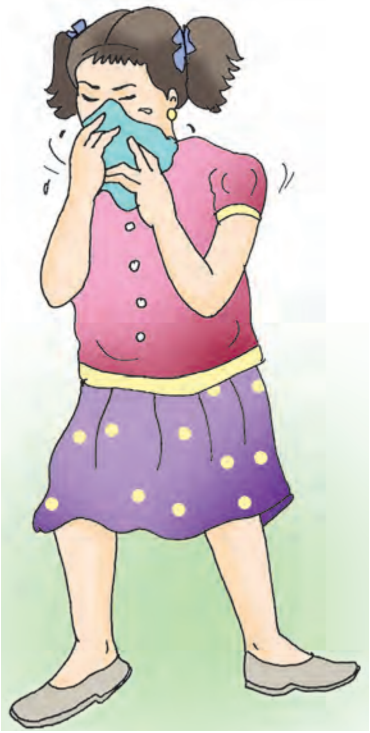

२. पढ़ो, समझो और विरामचिह्न लगाओ :

समझदारी

मोहन सुबह उठते ही दूरदर्शन पर प्रोग्राम देखने लगा माँ बोली, ‘‘मोहन जल्दी करो स्कूल के लिए देर हो रही है ।’’ मोहन अलसाया हुआ पाठशाला पहुँचा । शिक्षक ने पूछा, ‘‘मोहन देर क्यों हुई?’’ मोहन को दूरदर्शन में देखे कार्यक्रम की याद आ गई । वह बोला ‘‘गुरु जी ! गिर गया, लग गई ।’’ शिक्षक ने पूछा, ‘‘कहाँ गिर गया क्या लग गई?’’ मोहन बोला, ‘‘गुरु जी ! बिस्तर पर गिर गया, नींद लग गई ।’’ सुनकर सभी बच्चे हँसने लगे । शिक्षक ने मोहन को प्यार से समझाते हुए कहा, ‘‘कल से जल्दी पाठशाला आना ।’’

दूसरे दिन मोहन सुबह जल्दी उठा फटाफट तैयार होकर पाठशाला पहुँच गया । वह बहुत खुश था । पाठशाला में सबसे पहले आया था पर यह क्या बहुत देर तक पाठशाला में कोई नहीं आया । बाद में उसे याद आया ‘अरे आज तो रविवार है अत: छुट्टी है । आज उसकी समझ में आ गया कि ज्यादा दूरदर्शन देखने का नतीजा बुरा होता है । उसने फैसला किया कि अब वह कुछ समय ही दूरदर्शन देखेगा

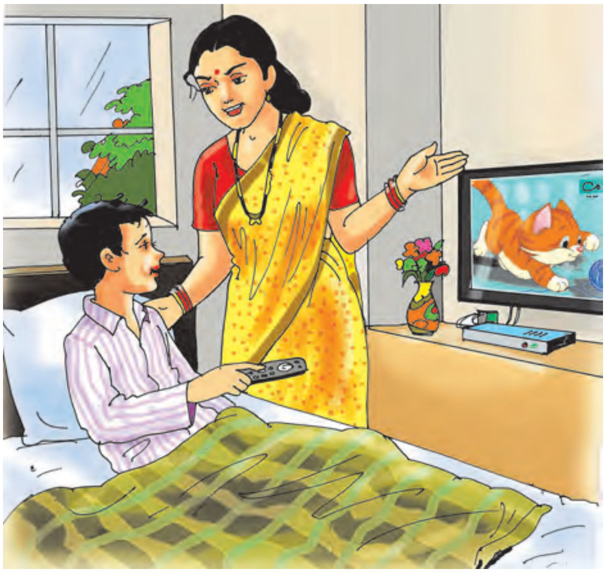

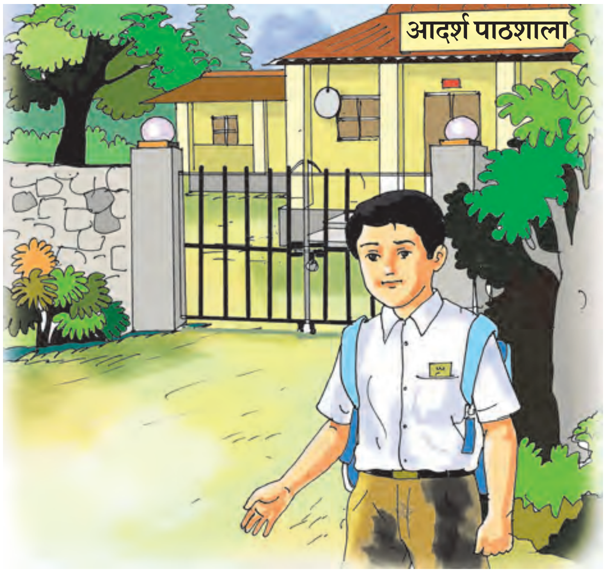

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

बालभारती इयत्ता दुसरी (हिंदी)

₹ 51.00